NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

विजडम इंडिया

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 265 लखनऊ, बुधवार 20 मई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

नार्वे में पीएम मोदी से सवाल पर मचा बवाल, अब राहुल गांधी को मिला विदेशी पत्रकार से इन्टरव्यू का न्योता

एजेंसी।
दिल्ली। नॉर्वे के अखबार डैग्सविसन की पत्रकार हेले लिंग ने सोमवार को अपने फेसबुक हैंडल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी नॉर्वे के अपने समकक्ष के साथ संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति स्थल से बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया, मुझे उनसे ऐसी उम्मीद भी नहीं थी। वीडियो में एक महिला को जोर से यह कहते हुए सुना जा सकता है, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से कुछ सवाल क्यों नहीं लेते? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया नॉर्वे यात्रा और मीडिया के सवालों के लिए कथित तौर पर जगह की कमी ने प्रतिक्रियाओं की एक लहर को जन्म दिया,

जिसमें एक नॉर्वेजियन पत्रकार का वायरल हस्तक्षेप, भारतीय विदेश मंत्रालय की प्रतिक्रिया और विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना शामिल है। नॉर्वे के अखबार डैग्सविसन की पत्रकार हेले लिंग ने सोमवार को अपने फेसबुक हैंडल पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी नॉर्वे के अपने समकक्ष के साथ संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति स्थल से बाहर निकलते हुए दिख रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरे सवाल का जवाब नहीं दिया, मुझे उनसे ऐसी उम्मीद भी नहीं थी। वीडियो में एक महिला को जोर से यह कहते हुए सुना जा सकता है, आप दुनिया की सबसे स्वतंत्र प्रेस से कुछ सवाल क्यों नहीं लेते?बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की नॉर्वे यात्रा पर विदेश मंत्रालय (डम्।) की ब्रीफिंग में भी भाग लिया, जहाँ उन्होंने विदेश मंत्रालय के अधिकारियों से प्रधानमंत्री के सवालों का जवाब न देने पर सवाल किए। उन्होंने पूछा कि हम आप पर भरोसा क्यों करें?" और आगे कहा कि क्या आप वादा कर सकते हैं कि आप अपने देश में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन को रोकेंगे? जहाँ पत्रकार ने सीधा जवाब चाहा, वहीं विदेश मंत्रालय के सिबी जॉर्ज ने भारत के इतिहास और संविधान पर कई मिनट तक विस्तृत जवाब दिया और कहा कि हम बहुत से लोगों को यह पूछते हुए सुनते हैं कि 'ऐसा क्यों, वैसा क्यों, लेकिन मैं आपको बता दूंरू हम विश्व की कुल जनसंख्या का छठा हिस्सा हैं लेकिन विश्व की समस्याओं का छठा हिस्सा नहीं। हमारे पास एक संविधान है जो लोगों के मौलिक अधिकारों की गारंटी देता है।

यूपी में पांच नए मेडिकल कालेज खोलेगी योगी सरकार, इन पांच जिलों में आयुष विभाग को उपलब्ध कराई गई जमीन

संवाददाता।
लखनऊ। प्रदेश सरकार पांच जिलों में इन्टीग्रेटेड आयुष मेडिकल कॉलेज खोलेगी। जिसके लिए राज्य सरकार ने आयुष विभाग को जमीन उपलब्ध करा दी है। 60–60 बिस्तरों वाले इन कालेजों के लिए डॉक्टर, फार्मासिस्ट, नर्सिंग स्टाफ के नये पदों के प्रस्ताव तैयार हो गया है। जिसे जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। कॉलेजों के शुरू होने से नागरिकों की चिकित्सा सुविधा बेहतर होगी। कुछ अरसे में आयुष की पढ़ाई के लिए सीटों में इजाफा हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेरठ, आगरा, गोंडा, बस्ती और मीरजापुर में इंटीग्रेटेड आयुष मेडिकल की स्थापना का ऐलान किया था। जिसके लिए जिलाधिकारियों ने आवश्यक जमीन आयुष महकमे को उपलब्ध करा दी है। लोक निर्माण विभाग ने परीक्षण

के बाद जमीन को निर्माण योग्य घोषित कर दिया है। निर्माण में खर्च का प्राक्कलन वित्त विभाग को भेजा जा चुका है। जिसे जल्द मंजूरी मिलने की उम्मीद है। जहां एक छत के नीचे होम्योपैथी, आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा पद्धति से पढ़ाई और रोगियों का इलाज भी होता है, उसे इंटीग्रेटेड आयुष मेडिकल कालेज कहा जाता है। उत्तर प्रदेश में पहली बार इस तरह के कालेज बनने जा रहे हैं। पहले चरण में प्रत्येक कालेज में आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी विधा से इलाज कराने वाले 20–20 मरीजों को भर्ती करने की सुविधा होगी। यानी एक छत के नीचे 60 बिस्तरों वाला मेडिकल कालेज होगा। आयुष विभाग के शीर्ष अधिकारियों का कहना है कि सरकार विधानसभा चुनाव से पहले इन कालेजों में कम से कम ओपीडी (वाह्य रोगी विभाग) शुरू कर देना चाहती है। इसलिये ओपीडी भवन का कार्य जल्द शुरू होने की उम्मीद है।बरेली में राजकीय यूनानी कालेज एवं चिकित्सालय जल्द ही शुरू होने की उम्मीद है। निर्माण एजेंसी ने कालेज भवन आयुष महकमे को उपलब्ध करा दिया है।

टीएमसी का आरोप- बीजेपी के डर से मैदान छोड़ गया उम्मीदवार

दिल्ली। पार्टी ने एक कड़े बयान में आरोप लगाया कि 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से फाल्टा में उसके कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लगातार राजनीतिक धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। टीएमसी के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों में निर्वाचन क्षेत्र में 100 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में आगामी पुनर्चुनाव से जहांगीर खान का नाम वापस लेने का निर्णय उनकी व्यक्तिगत क्षमता से लिया गया था और यह पार्टी के आधिकारिक रुख को नहीं दर्शाता है। पार्टी ने एक कड़े बयान में आरोप लगाया कि 4 मई को चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद से फाल्टा में उसके कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लगातार राजनीतिक धमकियों का सामना करना पड़ रहा है। टीएमसी के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों में निर्वाचन क्षेत्र में 100 से अधिक पार्टी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। टीएमसी ने पार्टी कार्यालयों पर हमलों का आरोप लगाया

पार्टी ने भाजपा पर क्षेत्र में अपने संगठनात्मक नेटवर्क पर हमले करवाने का भी आरोप लगाया। पार्टी का दावा है कि कई टीएमसी कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई, उन पर जबरन कब्जा किया गया या उन्हें बंद कर दिया गया। बार–बार शिकायतें मिलने के बावजूद, चुनाव आयोग ने कथित तौर पर कोई हस्तक्षेप नहीं किया, जिसके चलते पार्टी ने चुनाव आयोग पर

स्थिति के प्रति उदासीनता का आरोप लगाया। बयान में कहा गया कि अत्यधिक दबाव के बावजूद, हमारे कार्यकर्ता दृढ़ रहे हैं और एजेंसियों और प्रशासन के माध्यम से भाजपा की धमकियों का लगातार विरोध कर रहे हैं। हालांकि, पार्टी ने स्वीकार किया कि कुछ व्यक्तियों ने अंततः दबाव के आगे झुककर चुनावी मैदान से किनारा कर लिया। खान के नाम वापस लेने की निंदा करते हुए, टीएमसी ने दोहराया कि पश्चिम बंगाल और राष्ट्रीय स्तर पर दिल्ली में, जिसे वह बांग्ला बिरोधी भाजपा कहती है, उसके खिलाफ उसकी राजनीतिक लड़ाई लगातार जारी रहेगी।

सीएम सम्राट का अफसरों को अल्टीमेटम, 30 दिन में दो समाधान, वरना 31वें दिन होंगे सस्पेंड

एजेसी।
बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पंचायत–स्तरीय सहयोग शिविर शुरू किए हैं, जिसके तहत अधिकारियों को 30 दिनों के भीतर जनशिकायतों का निपटारा करना अनिवार्य है, अन्यथा 31वें दिन स्वतः निलंबन की सख्त कार्रवाई की जाएगी। बिहार में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार ने जमीनी स्तर पर नागरिकों की शिकायतों के समाधान के उद्देश्य से एक व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया है। मंगलवार (19 मई) से राज्य भर की प्रत्येक पंचायत में विशेष सहयोग शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इन शिविरों में भाग लेने वाले अधिकारियों को 30 दिनों के भीतर शिकायतों का निपटारा करना होगा, अन्यथा 31वें दिन स्वतः निलंबन का सामना करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने सारण जिले के सोनपुर के दुमरी बुजुर्ग गांव में इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन किया।राज्य

सरकार के ढांचे के अनुसार, अधिकारियों को लंबित आवेदनों के लिए पहला नोटिस प्राप्त होने के दस दिनों के भीतर जारी करना होगा। दूसरा नोटिस बीसवें दिन जारी किया जाएगा। सभी आवेदनों का निपटारा 30 दिनों के भीतर करना अनिवार्य है। न्यायिक प्रक्रियाओं के अंतर्गत आने वाले मामलों को छोड़कर, किसी भी आवेदन को लंबित रहने की अनुमति नहीं है। इन समय सीमाओं का पालन न करने वाले किसी भी अधिकारी को मुख्यमंत्री सचिवालय से सीधे निलंबित कर दिया जाएगा। निगरानी प्रणाली वास्तविक समय में काम करेगी और प्रत्येक माह के पहले और तीसरे मंगलवार को शिविर आयोजित किए जाएंगे।सभी जिला प्रभारी मंत्रियों को सहयोग शिविरों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए गए हैं। पटना जिले में उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी दानापुर, नौबतपुर और पुनपुन ब्लॉकों की नामित पंचायतों का दौरा करेंगे। शिविर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार संचालित होंगे और पंचायत भवन या निकटतम सार्वजनिक स्थान पर आयोजित किए जाएंगे। सर्कल, ब्लॉक और पुलिस स्टेशन स्तर के अधिकारी एक साथ बैठकर शिकायतें सुनेंगे और उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण अपनी शिकायतें शिविर के निर्धारित आयोजन से 30 दिन पहले या शिविर के दिन ही दर्ज करा सकते हैं। सभी शिकायतों को सहकारिता पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा ताकि मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा वास्तविक समय में निगरानी की जा सके। भूमि विवाद, म्यूटेशन, राजस्व मामले, जाति, आय और निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पेंशन, एमजीएनआरईजीए, प्रधानमंत्री आवास योजना और बिजली, पानी, सड़कें, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी सुविधाओं से संबंधित मुद्दों का समाधान किया जाएगा। नागरिक सहायता के लिए राज्य की सहकारिता हेल्पलाइन नंबर 1100 का भी उपयोग कर सकते हैं। शुभारंभ के अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि उनका कार्यालय पूरी प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखेगा। उन्होंने स्पष्ट किया ।

नीट पेपर लीक के बाद एक्शन में धमेन्द्र प्रधान, बोले- रि-एक्जाम में कोई गलती बर्दाशत नहीं

एजेंसी।
नीट पेपर लीक विवाद के बाद, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पुनर्परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा की और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत एक त्रुटिरहित परीक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को पिछली परीक्षा की सभी खामियों को दूर करने और परीक्षा प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया।केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने मंगलवार को आगामी पुनर्परीक्षा की तैयारियों का जायजा लेने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की और सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत त्रुटिरहित परीक्षा आयोजित करने की मांग की। उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, प्रधान ने परीक्षा के संचालन में पूर्ण निष्ठा और पारदर्शिता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि पिछली परीक्षा प्रक्रिया में पाई गई सभी कमियों को व्यापक रूप से दूर किया जाए। यह बैठक छम्म्ज–न्ळ 2026 विवाद और परीक्षा की निष्पक्षता को लेकर जारी चिंताओं के बीच हुई है। समीक्षा के दौरान मंत्री ने

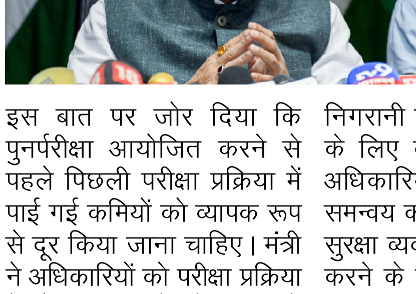

इस बात पर जोर दिया कि पुनर्परीक्षा आयोजित करने से पहले पिछली परीक्षा प्रक्रिया में पाई गई कमियों को व्यापक रूप से दूर किया जाना चाहिए। मंत्री ने अधिकारियों को परीक्षा प्रक्रिया में मौजूद खामियों को दूर करने का निर्देश दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार, प्रधान ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि पुनः नीट परीक्षा सख्त सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत सुरक्षित, सुचारू और त्रुटिरहित तरीके से आयोजित की जाए। उन्होंने परीक्षा प्रक्रिया की विश्वसनीयता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि जहां भी पहले खामियां पाई गई हों, वहां सुधारात्मक उपाय लागू किए जाएं।मंत्री ने जमीनी स्तर पर निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए केंद्रीय और स्थानीय अधिकारियों के बीच घनिष्ठ समन्वय का भी आह्वान किया। सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने के लिए प्रधान ने निर्देश दिया कि सभी राज्यों के जिला मजिस्ट्रेटों (डीएम) और पुलिस अधीक्षकों (एसपी) के साथ समन्वय बैठकें आयोजित की जाएं। इस कदम का उद्देश्य परीक्षा केंद्रों पर निगरानी बढ़ाना, अनियमितताओं को रोकना और परीक्षा से पहले और परीक्षा के दौरान सुरक्षा प्रोटोकॉल का प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करना है।छम्म्ज न्ळ की पुनर्परीक्षा 21 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 5रू15 बजे तक आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा भारत और विदेश के विभिन्न शहरों में पेन और पेपर मोड में होगी। परीक्षा 13 भाषाओं में आयोजित की जाएगीरू अंग्रेजी, उड़िया, हिंदी, तमिल, तेलुगु, बंगाली, उर्दू, मराठी, मलयालम, गुजराती, पंजाबी, असमिया और कन्नड़। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, परीक्षा व्यवस्थाओं की प्रभावी निगरानी और क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न राज्यों के जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस अधीक्षकों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं।

राजकुमार भाटी के विवादित बयानों से समाजवादी पार्टी की मुश्किलें बढ़ीं

संवाददाता।
लखनऊ। मुजफ्फरनगर में जाट महासभा के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर राजकुमार भाटी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। महासभा के जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कार्रवाई नहीं की तो समाज अपने स्तर पर जवाब देना जानता है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजकुमार भाटी एक बार फिर अपने विवादित बयानों को लेकर राजनीतिक और सामाजिक विवादों के केंद्र में आ गए हैं। हम आपको बता दें कि उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा निवासी भाटी के हालिया बयानों ने न केवल समाजवादी पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं, बल्कि विभिन्न सामाजिक संगठनों और राजनीतिक दलों को भी आक्रामक रुख अपनाने का मौका दे दिया है। विशेष रूप से ब्राह्मण, जाट और गुर्जर समाज को लेकर दिए गए उनके बयानों पर व्यापक विरोध देखने को मिल रहा है।राजकुमार भाटी का हालिया विवादित बयान सबसे पहले ब्राह्मण समाज को लेकर सामने आया। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने दोहे के माध्यम से ब्राह्मणों पर तंज कसा, जिसे लेकर व्यापक नाराजगी फैल गई। इस बयान के बाद समाजवादी पार्टी की सहयोगी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की। बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने भी समाजवादी पार्टी को ब्राह्मण विरोधी करार दिया। भारतीय जनता पार्टी ने इस मुद्दे को जोरदार तरीके से उठाते हुए समाजवादी पार्टी पर हिंदू समाज के विभिन्न वर्गों का अपमान करने का आरोप लगाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी इस मामले में सपा पर तीखा हमला बोला।विवाद केवल ब्राह्मण समाज तक सीमित नहीं रहा। 14 मई को दिल्ली के कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित अखिल भारतीय जाट महासभा के कार्यक्रम में भाटी ने जाट और गुर्जर समाज को लेकर भी विवादित टिप्पणी कर डाली। किसान नेता चौधरी चरण सिंह और महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि पर आयोजित इस कार्यक्रम में राकेश टिकैत और दीपेंद्र हुड्डा भी मौजूद थे। मंच से बोलते हुए भाटी ने जाट और गुर्जर समाज की पारिवारिक परंपराओं को लेकर ऐसी टिप्पणी की, जिसे समाज ने बेहद अपमानजनक माना। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। मुजफ्फरनगर में जाट महासभा के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर राजकुमार भाटी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की। महासभा के जिला अध्यक्ष धर्मवीर बालियान ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने कार्रवाई नहीं की तो समाज अपने स्तर पर जवाब देना जानता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाटी लगातार विभिन्न समाजों के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां करते रहे हैं। जाट महासभा ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग भी उठाई।इस पूरे विवाद के बीच भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत का बयान भी सामने आया। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज या महिलाओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी उचित नहीं है। टिकैत ने यह भी कहा कि यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं तो राजकुमार भाटी को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि सोशल मीडिया पर वीडियो के छोटे हिस्से वायरल किए जा रहे हैं और पूरे घटनाक्रम को भी समझने की जरूरत है। हम आपको बता दें कि राजकुमार भाटी पहले भी कई विवादित बयानों को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं। एक टीवी चौनल पर बहस के दौरान उन्होंने पैगंबर मुहम्मद को दुनिया का सबसे बड़ा महापुरुष बताया था। उन्होंने कहा था कि पैगंबर मुहम्मद धर्म संस्थापक, समाज सुधारक और शासक तीनों भूमिकाओं में सफल रहे। इस बयान को लेकर भी तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई थीं।इसके अलावा भाटी ने रामचरितमानस पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि रामचरितमानस एक अच्छा काव्य है, लेकिन उसमें कई घटिया चौपाइयां हैं। साथ ही उन्होंने मनुस्मृति को कूड़ा बताया था। मंदिरों को लेकर भी उन्होंने विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था कि वह मंदिर नहीं जाते क्योंकि यह सिद्ध नहीं हो पाया है कि भगवान हैं या नहीं। इन बयानों को लेकर भी व्यापक राजनीतिक और सामाजिक विवाद खड़ा हुआ था।उधर, विवाद बढ़ने के साथ अब कानूनी कार्रवाई भी तेज हो गई है। गाजियाबाद, नोएडा, सुलतानपुर और बागपत में उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। बागपत कोतवाली में दर्ज प्राथमिकी में भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 299 के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं मुजफ्फरनगर में भी जाट महासभा के विरोध के बाद उनके खिलाफ धारा 356 और 196 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और अन्य तथ्यों की जांच की जा रही है तथा जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, लगातार बढ़ते विवादों के बीच राजकुमार भाटी ने सफाई देते हुए दावा किया है कि उन्हें ओबीसी होने के कारण निशाना बनाया जा रहा है।

दिल्ली का पिंक कार्ड बना महिलाओं की पहली पसंद

एजेंसी।
दिल्ली। दिल्ली में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड योजना के तहत 8 लाख से अधिक कार्ड जारी किए गए हैं, जो महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल डीटीसी बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त, सुरक्षित और डिजिटल रूप से सशक्त यात्रा सुनिश्चित कर सार्वजनिक परिवहन में उनके विश्वास को बढ़ा रही है।दिल्ली ने महिला सशक्तिकरण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की हैरू मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार द्वारा कार्यान्वित दिल्ली परिवहन निगम की शपिंक सहेली स्मार्ट कार्डश योजना के तहत 8 लाख से अधिक स्मार्ट कार्ड जारी किए जा चुके हैं। पिंक कार्ड महिलाओं के लिए सुरक्षित, आधुनिक और बाधा–मुक्त सार्वजनिक परिवहन सुनिश्चित करेंगे। यह उपलब्धि न केवल योजना की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाती है, बल्कि शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर महिलाओं के बढ़ते भरोसे को भी उजागर करती है।इमुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को आसानी से कार्ड बनवाने में मदद करने के लिए लगातार विशेष शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।
उन्होंने कहा कि शपिंक सहेली स्मार्ट कार्डश केवल मुफ्त यात्रा की सुविधा नहीं है, बल्कि महिलाओं को गरिमापूर्ण, सुरक्षित और डिजिटल रूप से सशक्त यात्रा अनुभव प्रदान करने का एक साधन बन गया है। गुप्ता के अनुसार, जब सार्वजनिक परिवहन सुरक्षित, सुलभ और प्रौद्योगिकी–आधारित हो जाता है, तो शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता में महिलाओं के लिए अवसर स्वाभाविक रूप से बढ़ जाते हैं।मुख्यमंत्री का मानना घ्है कि यह योजना राष्ट्रीय राजधानी की महिलाओं को अधिक आत्मविश्वास और स्वतंत्रता प्रदान करती है।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 20 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

सरोजनीनगर में बंद घरों को निशाना बनाने वाले शातिर चोर गिरोह का पर्दाफाश, एक ही परिवार के चार सदस्य गिरफ्तार, लाखों के जेवरात, बुलेट और स्कूटी बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के सरोजनीनगर क्षेत्र में बंद घरों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले शातिर गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश करते हुए एक ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी के जेवरात, नगदी, बुलेट मोटरसाइकिल, स्कूटी, टीवी और डीवीआर समेत बड़ी मात्रा में सामान बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से चोरी की वारदातों में सक्रिय थे और उनके खिलाफ लखनऊ के विभिन्न थानों में कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।पुलिस के मुताबिक, सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में हाल के दिनों में बंद घरों में ताला तोड़कर चोरी की कई घटनाएं सामने आई थीं। मोहल्ला गंगानगर अमौसी निवासी गायत्री सिंह की तहरीर पर मुकदमा संख्या 175ध्2026 दर्ज किया गया था। आरोप था कि 20 अप्रैल से 13 मई 2026 के बीच अज्ञात चोर घर का ताला तोड़कर जेवरात और नगदी चोरी कर ले गए। इसी क्रम में बद्रीनगर कॉलोनी नादरगंज निवासी इबरार अहमद की शिकायत पर मुकदमा संख्या 180ध्2026 दर्ज हुआ, जिसमें 13 से 15 मई की रात अज्ञात चोरों द्वारा अलमारी में रखे जेवरात चोरी करने की घटना सामने आई। इसके अलावा हिन्दुखेड़ा अमौसी निवासी रईस अहमद की तहरीर पर मुकदमा संख्या 54ध्2026 पंजीकृत किया गया था, जिसमें फरवरी माह में घर का ताला तोड़कर बुलेट मोटरसाइकिल, जेवरात और नगदी चोरी कर ली गई थी।घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के निर्देशन में सर्विलांस टीम सहित चार पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने करीब 200 से 250 सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया। जांच के दौरान संदिग्धों की पहचान सुनिश्चित की गई और 19 मई 2026 को मेहराब ग्राउंड, नादरगंज क्षेत्र से चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनू सिंह, प्रदुम्न सिंह, शक्तिमान सिंह और विनीता सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, चारों आपस में रिश्तेदार हैं और भाई, भाभी, मामा तथा भांजे के संबंध में हैं। आरोपी किराये के मकानों में रहकर लगातार ठिकाना बदलते थे, जिससे पुलिस की नजरों से बच सकें।पूछताछ में आरोपियों

ने खुलासा किया कि वे दिन में बंद घरों की रेकी करते थे और रात में मुंह पर कपड़ा बांधकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। जिन मकानों में सीसीटीवी कैमरे लगे होते थे, वहां से पहचान छिपाने के लिए डीवीआर भी चोरी कर ले जाते थे। आरोपियों ने घरों का ताला तोड़कर जेवरात, नगदी, बुलेट मोटरसाइकिल, स्कूटी, टीवी और अन्य सामान चोरी करने की बात स्वीकार की है।पुलिस ने बताया कि मुकदमा संख्या 180ध्2026 से संबंधित बड़ी मात्रा में पीली और सफेद धातु के जेवरात बरामद किए गए हैं, जिनमें हार, अंगूठियां, झुमके, चूड़ियां, नथ, टॉप्स, पायल और अन्य आभूषण शामिल हैं। मुकदमा संख्या 175ध्2026 से संबंधित 15 ग्राम पीली धातु और एक स्कूटी बरामद हुई है। वहीं मुकदमा संख्या 54ध्2026 में चोरी गई बुलेट मोटरसाइकिल संख्या यूपी–32 पीयू–9388, एक टीवी और डीवीआर भी बरामद किया गया है।पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना सोनू सिंह पहले भी चोरी और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में जेल जा चुका है। उसके खिलाफ पीजीआई और सरोजनीनगर थाने में कई मुकदमे दर्ज हैं। अन्य आरोपियों के विरुद्ध भी चोरी के मामलों मेंआपराधिक इतिहास पाया गया है।

जल जीवन मिशन में डिजिटल पारदर्शिता का नया माडल बनी 'जल सारथी' ऐप, हर गांव की जल योजना की लाइव निगरानी संभव

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य को डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में प्रदेश सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में संचालित जल जीवन मिशन के अंतर्गत 'जल सारथी' मोबाइल ऐप ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की निगरानी, शिकायत निवारण और गुणवत्ता परीक्षण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। यह डिजिटल पहल न केवल विभागीय कार्यों को पारदर्शी बना रही है, बल्कि ग्रामीणों को भी अपने गांव में चल रही जल योजनाओं की वास्तविक स्थिति जानने का अवसर दे रही है।ग्रामीण जलापूर्ति विभाग और नमामि गंगे से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, 'जल सारथी' ऐप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति जल जीवन मिशन की परियोजनाओं का लाइव अपडेट देख सकता है। मल्टी लेवल डैशबोर्ड प्रणाली के जरिए राज्य स्तर से लेकर ग्राम स्तर तक चल रहे कार्यों की जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध कराई जा रही है। इससे आम नागरिकों को भी यह जानकारी मिल रही है कि उनके गांव में पानी की टंकी, पाइपलाइन या घरेलू नल कनेक्शन का कार्य किस स्थिति में है।विशेष सचिव एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, राज्य जल एवं स्वच्छता मिशन तथा नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग प्रभास कुमार ने बताया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों की लगभग 58 हजार ग्राम पंचायतों में हर घर तक नल से जल पहुंचाने के लिए करीब 40 हजार परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। इन सभी परियोजनाओं को ऐप के साथ ऑनलाइन जोड़ा जा रहा है, ताकि उनकी प्रगति की जानकारी वास्तविक समय में उपलब्ध हो सके।उन्होंने बताया कि ऐप में राज्य, जिला, ब्लॉक और ग्राम स्तर के अलग–अलग डैशबोर्ड बनाए गए हैं। किसी गांव में जैसे ही पानी की टंकी, पाइपलाइन अथवा घरेलू नल कनेक्शन का कार्य पूरा होता है, उसका विवरण ऐप पर अद्यतन कर दिया जाता है। इन कार्यों को जियो टैगिंग से जोड़ा गया है, जिससे किसी भी स्थान की प्रगति का सटीक आकलन संभव हो सका है। विभाग अब जल स्रोत से लेकर घरों तक लगे नलों और उनसे जुड़ी परिसंपत्तियों जैसे पाइपलाइन, मोटर और जल टंकी की भी प्रभावी निगरानी कर पा रहा है।जल सारथी' ऐप ग्रामीणों के लिए शिकायत निवारण का भी एक सशक्त माध्यम बन रही है। अब लोगों को जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए विभागीय कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। ऐप के माध्यम से ग्रामीण नए नल कनेक्शन के लिए आवेदन कर सकते हैं और जलापूर्ति में किसी प्रकार की बाधा आने पर शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। इसके अलावा ग्राम प्रधान, प्लंबर और संबंधित अधिकारियों के संपर्क विवरण भी ऐप में उपलब्ध कराए गए हैं, जिससे समस्या का त्वरित समाधान सुनिश्चित हो सके।जल जीवन मिशन के अंतर्गत पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की मरम्मत की जानकारी भी ऐप के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में लगभग दो लाख किलोमीटर सड़कों को पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदा गया था, जिनमें से 1.94 लाख किलोमीटर से अधिक सड़कों का पुनर्निर्माण पूरा किया जा चुका है।ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पानी की गुणवत्ता जांच व्यवस्था को भी अधिक पारदर्शी बनाया गया है।

भाजपा के खिलाफ महंगाई, बेरोजगारी, किसान और युवा सबसे बड़ा विपक्ष- अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। अखिलेश यादव ने कहा है कि इस समय भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ सबसे बड़ा विपक्ष महंगाई, बढ़ते डीजल–पेट्रोल और गैस सिलेंडर के दाम, अग्निवीर योजना से प्रभावित नौजवान, परेशान किसान और मजदूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने 69 हजार शिक्षक भर्ती में युवाओं के आरक्षण के साथ अन्याय किया और शिक्षामित्रों की उपेक्षा की है। उनके अनुसार, सरकार से पीड़ित, दुखी और अपमानित लोग ही आज वास्तविक विपक्ष हैं।लखनऊ में एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र के कार्यक्रम में साक्षात्कार के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि "जहां भाजपा खत्म होती है, वहीं से पीडीए शुरू होता है।" उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों के सम्मान और अधिकारों को नुकसान पहुंचाया है। उनका कहना था कि देश में सबसे बड़ी चर्चा महंगाई पर होनी चाहिए, लेकिन भाजपा जनता की समस्याओं से ध्यान भटकाने में लगी है।उन्होंने पेट्रोल, डीजल और गैस के दामों में बढ़ोतरी को लेकर केंद्र और प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार महंगाई रोकने के बजाय प्रतीकात्मक बातें कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। एक तरफ महंगाई बढ़ रही है तो दूसरी तरफ भ्रष्टाचार चरम पर है और पेपर लीक से युवा तबाह हो रहे हैं।नीट परीक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि इसे "लीक परीक्षा" कहा जाना चाहिए। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक से देशभर में लाखों छात्र प्रभावित हुए हैं और इस मामले में जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग करते हुए प्रदेश सरकार से भी सवाल किया कि इस मुद्दे पर जवाब क्यों नहीं दिया गया।अखिलेश यादव ने कहा कि किसान, मजदूर, व्यापारी और आम जनता भाजपा सरकार की नीतियों का खामियाजा भुगत रही है। उन्होंने दावा किया कि सोने के कारोबार पर भी असर पड़ा है और छोटे व्यापारी परेशान हैं। प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों के नाम पर भ्रष्टाचार हुआ है और कई परियोजनाओं में भारी अनियमितताएं सामने आई हैं।पूर्व मुख्यमंत्री ने दावा किया कि समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल में लखनऊ और प्रदेश में कई बड़े विकास कार्य हुए। उन्होंने कैंसर संस्थान, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र के निवेश, पुलिस व्यवस्था, खेल अवसंरचना और अन्य परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि यह सब समाजवादी सरकार की देन है।महिला सुरक्षा के मुद्दे पर उन्होंने राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि समाजवादी सरकार ने बेहतर आपात प्रतिक्रिया व्यवस्था विकसित की थी, जिसे वर्तमान सरकार ने कमजोर कर दिया।धार्मिक और सामाजिक मुद्दों पर अखिलेश यादव ने कहा कि "वसुधैव कुटुम्बकम" ही सनातन की मूल भावना है और समाजवादी पार्टी सबको साथ लेकर चलने में विश्वास करती है। उन्होंने भाजपा पर समाज में विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया।स्मार्ट सिटी, स्मार्ट मीटर और अवसंरचना परियोजनाओं को लेकर भी उन्होंने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए। बिजली व्यवस्था के संबंध में उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के दौरान प्रदेश में कई तापीय विद्युत परियोजनाएं शुरू की गईं और बिजली वितरण प्रणाली को मजबूत किया गया था, जबकि वर्तमान सरकार बिजली उत्पादन बढ़ाने में विफल रही है।अखिलेश यादव ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से संयमित भाषा और व्यवहार अपनाने की अपील करते हुए कहा कि किसी व्यक्ति या समाज को आहत करने वाली भाषा से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को धैर्य और अनुशासन बनाए रखते हुए 2027 के विधानसभा चुनाव की तैयारी करनी चाहिए।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा पीडीए की एकता से घबराई हुई है।

सुशांत गोल्फ सिटी में युवती की हत्या का खुलासा, पूर्व मित्र गिरफ्तार, ईंट और पाइप से वार कर उतारा मौत के घाट

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के सुषांत गोल्फ सिटी क्षेत्र में जंगल में मिली 22 वर्षीय युवती की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए उसके पूर्व पुरुष मित्र को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने युवती की दूसरे युवक से बढ़ती नजदीकियों से नाराज होकर पहले गला घोंटा और फिर ईंट से सिर कूचकर उसकी हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी ने युवती का मोबाइल फोन नहर में फेंक दिया था, ताकि सबूत मिटाए जा सकें।पुलिस के मुताबिक, 18 मई 2026 को थाना सुषांत गोल्फ सिटी पुलिस को सूचना मिली थी कि आवास विकास योजना उतरेटिया रेलवे लाइन के निकट जंगल में एक अज्ञात महिला का शव पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने देखा कि महिला के सिर पर गंभीर चोटों के कई निशान थे, जिससे प्रथम दृष्टया सिर कूचकर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई।जांच के दौरान शव की पहचान पीजीआई थाना क्षेत्र के रक्षाखंड एल्डिको उद्यान–2 निवासी 22 वर्षीय शिवानी के रूप में हुई। परिजनों के अनुसार, शिवानी 17 मई की सुबह करीब 10 बजे काम के सिलसिले में घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। मृतका की मां गीता की तहरीर पर थाना सुषांत गोल्फ सिटी में अज्ञात आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।

खुदी हुई सड़कों एवं पर्व पर होने वाली परेशानियों को लेकर सौंपा ज्ञापन

एआईएमआईएम ने ईदुल अजहा पर्व पर आवश्यक सुविधाओं की पूर्ति की मांग

प्रयागराज(आरएनएस)। मुसलमानों का पवित्र धार्मिक पर्व ईदुल अजहा बकरीद जो आगामी 28 मई को पड़ रहा है जिसमें पर्व को लेकर कुछ आवश्यक सुविधाओं से संबंधित बिन्दुओं पर ऑल इंडिया मजलिस ए इत्तेहादुल मुस्लिमीन एआईएमआईएम महानगर अध्यक्ष अफसर महमूद के नेतृत्व में अपर नगर आयुक्त को एक ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में कहा गया है कि जानवरों को मंडी तक लाने के लिए व्यापारियों को विश्वास में लिया जाए। जानवरों की गाड़ियों को प्रशासन द्वारा पूर्ण सुरक्षा दिया जाए। छोटे एवं बड़े मवेशियों की आवाजाही सुनिश्चित की जाए। जहां पर मवेशियों की मंडी लगती है वहां पर नगर निगम द्वारा पानी के टैंकर की व्यवस्था की जाए। इसके साथ ही स्लॉटर हाउस की साफ सफाई के साथ तीन दिन की वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। विकास के नाम पर करेली में जो सीवर लाइन की मिट्टी खोदी गई है मिट्टी के ढेर को सड़क से हटाया जाए। प्रदूषण कम हो इसलिए उस पर पानी का छिड़काव किया जाए। जो भी विकास कार्य हो रहा है वह मानक पर खरा होना चाहिए।ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से महानगर प्रवक्ता इफ्तेखार अहमद मंदर, रियजुल हक चौधरी, जुबैर अहमद, इमरान बख्शी, असलम खान, अदीब अली, परवेज अली, शमशाद अहमद, मोहम्मद अजहरुद्दीन, आदिल खान, मोहम्मद मोहकम, मोहम्मद अमान आदि मौजूद रहे।

आठ साल की बच्ची की नृशंस हत्या, भूसे में मिला शव

चाचा ने अपनी मां के साथ मिलकर हंसिया से गला रेता, पांच हिरासत में

प्रयागराज(आरएनएस)। औद्योगिक थाना क्षेत्र में नाबालिग चाचा ने अपनी मां के साथ मिलकर 8 साल की भतीजी की हत्या कर दी। उसका शव भूसे के कमरे में खून से लथपथ पड़ा मिला। आरोपियों ने हंसिया से पहले बच्ची का गला रेता। फिर उसके सीने और पेट में 8 वार किए।पुलिस ने बच्ची की चचेरी दादी, दादा समेत 5 लोगों को हिरासत में लिया है। जबकि मुख्य आरोपी नाबालिग चाचा फरार है। बच्ची सोमवार शाम करीब 6 बजे घर के बाहर से लापता हो गई थी। रात करीब 12 बजे आरोपी महिला के बड़े बेटे ने शव के बारे में बच्ची के घरवालों को जानकारी दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार औद्योगिक थाना क्षेत्र के व्योहरा गांव के रहने वाले सुनील कुमार चौधरी राजमिस्त्री हैं। परिवार में पत्नी इंदु देवी और 4 बच्चे हैं। बच्चों में जान्हवी (8), मानवी (6), सुमित (5) और शुभ्यांशु (3) हैं। उनकी बड़ी बेटी जान्हवी कक्षा 2 की छात्रा है। सोमवार को वह घर के बाहर खेल रही थी। शाम करीब 6 बजे वह अचानक लापता हो गई।घरवालों ने पूरे गांव में उसे खोजा। मगर उसका पता नहीं चला। रात करीब 12 बजे बच्ची का बड़ा चाचा करन सुनील के घर पहुंचा। उसने बताया कि जान्हवी का शव मेरे घर के अंदर भूसे वाले कमरे में पड़ा है। जान्हवी की मां इंदू और सुनील मौके पर पहुंचे। मगर आरोपियों ने उन्हें घर के अंदर घुसने नहीं दिया। इसके बाद सुनील ने पुलिस को फोन कर दिया।हत्या की सूचना मिलने पर एसीपी करछना सुनील कुमार सिंह, औद्योगि थाना प्रभारी कमलेश कुमार और करछना थाना प्रभारी प्रवीण कुमार गौतम

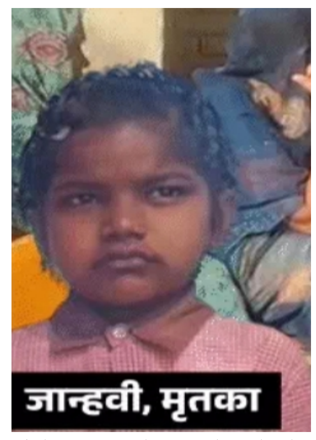
जान्हवी, मृतका

मौके पर पहुंचे। आरोपियों ने पुलिस को भी पहले घर के अंदर नहीं घुसने दिया।मगर जब पुलिस ने सख्ती दिखाई तो आरोपी पीछे हट गए। पुलिस के साथ जान्हवी की मां इंदू और पिता सुनील भी अंदर गए। उन्होंने देखा कि जान्हवी का शव खून से लथपथ भूसे के ऊपर पड़ा था। उसके पेट, सीने में हंसिया से वार किया गया था। गर्दन को रेता गया था। बच्ची का शव देखकर इंदू बेहोश होकर गिर पड़ी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।घरवालों ने बच्ची की हत्या का आरोप चचेरे दादा, दादी और उनके दो बेटों पर लगाया। पुलिस ने 5 आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। पुलिस मुख्य आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी महिला ने बताया कि मेरा छोटा बेटा बच्ची को घर लेकर आया था। वह उसे आपत्तिजनक वीडियो दिखा रहा था।

नीट पेपर लीक पर छात्रों ने किया जोरदार प्रदर्शन

सिर पर सिलेंडर रखकर किया विरोध

प्रयागराज।(आरएनएस) नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं और हालिया पेपर लीक के विरोध में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के छात्रों ने मंगलवार को सड़कों पर उतरकर सरकार और राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के खिलाफ तेज नारेबाजी की। छात्रों ने विश्वविद्यालय यूनियन गेट से मार्च निकालकर डीएम कार्यलय की ओर रुख किया और केंद्र सरकार से दोषियों के खिलाफ कड़ा कदम उठाने की मांग की।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों के हाथों में कई तख्तियां और पोस्टर थे। जिन पर नौकरी नहीं, पेपर लीक का जाल और धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शनकारी छात्रों और नेताओं ने आरोप लगाए कि पेपर लीक रैकेट में कई नाम राजनीतिक दलों, खासकर भाजपा से जुड़े हैं। एक प्रदर्शनकारी ने दिनेश बिवाल का नाम लेते हुए कहा कि कई संदिग्धों के संबंध सत्ताधारी दल से जुड़े पाए जा रहे हैं।

पूर्व छात्र संघ उपाध्यक्ष आदिल हमजा ने कहा कि सालभर मेहनत करने वाले लाखों प्रतियोगी छात्रों का भविष्य कुछ पैसों में बेच दिया जा रहा है। उन्होंने कहा यदि कोई प्रतियोगी छात्र अपने माता–पिता के सपनों को पूरा करने के लिए त्याग करता है, तो अंत में पता चलता है कि उसका भविष्य 30–40 लाख रुपये में बिक गया। हालिया पेपर लीक ने होनहार छात्रों की मेहनत पर पानी फेर दिया है और दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। वहीं आज देश में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस के दाम अपने चरम पर हैं, जिससे आम जनता और छात्रों का बजट पूरी तरह बिगड़ चुका है।

छात्र नेता संदीप विश्वकर्मा ने आरोप लगाया कि नीट पेपर लीक मामले में जितने भी नाम सामने आ रहे हैं, वे कहीं न कहीं भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं। उन्होंने दिनेश बिवाल का नाम लेते हुए कहा कि वह भाजपा के नेता रहे हैं और इस पूरे रैकेट में शामिल अधिकांश लोगों के संबंध सीधे तौर पर सत्ताधारी दल से हैं। डॉ. प्रदीप जोशी एबीवीपी के पूर्व अध्यक्ष रहे हैं और संघ के लोगों ने उनकी पैरवी की थी। वे इससे पहले जहां भी रहे चाहे छत्तीसगढ़ पीसीएस हो या मध्य प्रदेश

पीसीएस उनके कार्यकाल में हर जगह पेपर लीक के मामले सामने आए। इसके बावजूद सरकार इस पूरे मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। छात्र नेता अनुराग चौरसिया ने वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के तेज व्यावसायीकरण की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि इससे गरीब व मध्यमवर्गीय छात्रों के सपने कुचले जा रहे हैं। उन्होंने प्रवेश परीक्षाओं की बढ़ती फीस पर सवाल उठाते हुए पूछा कि एक किसान या मजदूर का बच्चा इतनी राशि कहां से लाएगा। शीर्ष नेतृत्व की नीतियों को युवा–संवेदनहीन करार देते हुए अनुराग ने कहा कि स्पष्ट योजनाओं की कमी के चलते युवा बेरोजगारी व महंगी शिक्षा का शिकार हैं।

चाकलेटी चंडाल चौकड़ी धूर्ततापूर्ण धमाल के कमाल में जुटी है- मुख्तार अब्बास नकवी

प्रयागराज।(आरएनएस) पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा है कि चुनावी चक्रवात में चारो खघने चित पार्टियों के ष्चॉकलेटी चंडाल चौकड़ी की धासलेटी धमाचौकड़ीष, धाराप्रवाह धूर्ततापूर्ण धमाल के कमाल में जुटी है।

श्री नकवी ने कांग्रेस और सपा का नाम लिए बिना कटाक्ष करते हुए कहा कि कभी लोकतंत्र पर सवाल तो कभी जनादेश पर बवाल की बकवास बहादुरी प्रतिस्पर्धा इन पार्टियों को राजनैतिक रण में रण बांकुरी की जगह रण छोड़ बहादुरी के रंगरूटों का रंगमंच बनाती जा रही है।श्री नकवी ने आज यहां सर्किट हाउस में पत्रकारों से

बातचीत में कहा कि दशकों की साम्प्रदायिक ध्रुवीकरण की सियासत को दरकिनार कर समावेशी सशक्तिकरण के दौर ने सत्तालोलुप छल छत्रपों की छावनी में छेद कर सशक्त सबक–संदेश दिया है कि साम्प्रदायिक छल नहीं, समावेशी बल देश की प्राथमिकता है। देश साम्प्रदायिक तुष्टीकरण वालों की खटिया खड़ी, बिस्तरा गोल कर रहा है। श्री नकवी ने कहा कि संवैधानिक संस्थानों की सामन्ती लिन्चिंग और लोकतांत्रिक मूल्यों, जनतांत्रिक जनादेश के खिलाफ दुराग्रह पूर्ण दुष्प्रचार में लगे हिट एन्ड रन के हुड़दंगी हिस्ट्रीशीटरों की खटा–खट हडबड़ी,फटा–फट गडबड़ी गच्चे पर गच्चा खा रही है। ऐसे ढपोरशंखों को जनतांत्रिक वोट को जनादेश में खोट बताने की सनक से बाहर आना होगा और आत्मचिंतन करना होगा कि जनता क्यों उनकी खुड़पैची सियासत, खुराफाती विरासत बारम्बार नकार रही है।श्री नकवी ने कहा कि वयोवृद्ध कांग्रेस निर्मित, निर्देशित श्वोट चोरीश का हॉरर शो जनता के बीच टायं–टायं फिस्स हो रहा है। प्रजातंत्र को परिवार तंत्र का बंधक बनाने की सनक बिहार, पश्चिम बंगाल, असम के चुनाव में धराशाई हुई है, आगे उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में भी धूलधूसरित होगी।

तीर्थ पुरोहित ने 15 दिन बाद अस्पताल में तोड़ा दम

प्रयागराज(आरएनएस)। तीर्थ पुरोहित मार्तंड प्रकाश दुबे (55) ने सोमवार रात दम तोड़ दिया। उनका इलाज चल रहा था। 15 दिन पहले चौखंडी में घर के पास नकाबपोश बाइक सवार बदमाशों ने उन्हें 4 गोलियां मारी थीं। रात में हालत बिगड़ने पर उन्हें घरवाले एक प्राइवेट अस्पताल ले गए, वहां सुधार न होने पर फिर एसआरएन अस्पताल लाया गया। वहां कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। इस मामले में अब तक हमलावर पकड़े नहीं जा सके हैं। यह वारदात चार मई की रात 10 बजे के करीब हुई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल मार्तंड यमुना बैंक रोड स्थित काली माई मंदिर के पास रहते हैं। सोमवार रात करीब 11 बजे वह घर से करीब 50 मीटर दूर एक परिचित से मिलने गएल थे। इसी दौरान वहां दो बाइकों पर सवार होकर पहुंचे चार बदमाशों ने उन्हें घेर लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावरों ने पहले उनका नाम पूछा और फिर अचानक फायरिंग शुरू कर दी।स्थानीय लोगों के अनुसार, बदमाशों ने छह राउंड गोलियां चलाईं। इनमें से चार गोलियां तीर्थ पुरोहित को लगीं। एक गोली पेट में, दो गर्दन के पास और एक चेहरे के करीब लगी है। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर पड़े। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े, लेकिन तब तक हमलावर फरार हो चुके थे।

जर्जर स्कूल की दीवार गिरने से मजदूर की मौत, दो घायल जांच के आदेश

सुल्तानपुर(आरएनएस)। दोस्तपुर थाना क्षेत्र स्थित प्राथमिक विद्यालय बनपुरवा में जर्जर बाउंड्री वॉल गिरने से एक मजदूर की मौत हो गई, जबकि दो अन्य मजदूर घायल हो गए। मृतक की पहचान कटघरापट्टी निवासी हरिराम उर्फ समारू पुत्र शिवदास के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, मृतक का घर विद्यालय की बाउंड्री वॉल से सटा हुआ था। घर में मिट्टी डलवाने के लिए पहले स्कूल की दीवार के किनारे मिट्टी गिरवाई गई थी। जेसीबी से अधिकांश मिट्टी घर में भरवाने के बाद हरिराम बची हुई मिट्टी को दीवार के किनारे से हटा रहे थे। इसी दौरान जर्जर बाउंड्री वॉल अचानक भरभराकर गिर गई, जिसकी चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दो अन्य मजदूर भी घायल हो गए। घटना की सूचना पर एसडीएम मंजुल मयंक मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष शिवकुमार मौर्य ने बताया कि स्कूल की जर्जर बाउंड्री वॉल को लेकर पहले ही अधिकारियों को लिखित शिकायत दी गई थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने स्थानीय प्रधान पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि दीवार लंबे समय से जर्जर थी और कभी भी हादसे का कारण बन सकती थी। मृतक हरिराम मजदूरी कर परिवार का पालन–पोषण करते थे। परिवार में उनके 15 वर्षीय जुड़वां बेटे रामू और श्यामू, विवाहित बेटियां पूजा (26) और रीतू (19), तथा अविवाहित बेटी रूमा (15) हैं।

जिलाधिकारी इंद्रजीत ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दीवार गिरने के कारणों की विस्तृत जांच कराई जाएगी और यदि निर्माण कार्य या सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की लापरवाही पाई जाती है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चाइल्डफंड इंडिया के सहयोग से इंटर कश्लेज में स्टेम लैब बनी बच्चों के नवाचार का केंद्र

सुल्तानपुर(आरएनएस)। चाइल्डफंड इंडिया के सहयोग से इंटरमीडिएट कॉलेज गौरा में पिछले वर्ष स्थापित स्टेम (साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग एंड मैथेमेटिक्स) लैब बच्चों के लिए प्रयोगात्मक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बन गई है। यहाँ छात्र–छात्राएं विज्ञान, गणित और तकनीक को मॉडल व प्रयोगों के माध्यम से व्यावहारिक रूप से सीख रहे हैं। हाल ही में कक्षा 10 के विद्यार्थियों ने क्प्ल् (डू इट योरसेल्फ) गतिविधि के तहत "टू वे ट्रैफिक सिग्नल" मॉडल तैयार किया, जिससे उन्होंने ट्रैफिक सिग्नल की कार्यप्रणाली, विद्युत परिपथ और सड़क सुरक्षा के महत्व को समझा। लैब में अन्य बच्चे भी रोबोटिक्स किट की सहायता से विभिन्न मॉडल बनाकर सीख रहे हैं। सटेम लैब में बच्चों को स्टेम फैसिलिटेटर के सहयोग से विज्ञान और गणित की अवधारणाओं को सरल, रोचक और प्रयोगात्मक तरीके से सिखाया जा रहा है। विद्यालय प्रशासन और शिक्षकों के सहयोग से यह लैब बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा दे रही है।

डीएम इंद्रजीत सिंह की अनोखी पहल

अब हर ग्राम पंचायत की होगी मॉनिटरिंग पीपीटी पांच साल के विकास कार्यों की होगी ब्लॉकवार समीक्षा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जनपद में ग्रामीण विकास कार्यों को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने एक नई और अनोखी पहल शुरू की है। अब जिले की सभी ग्राम पंचायतों के पिछले पांच वर्षों में हुए विकास कार्यों का पूरा ब्यौरा मॉनिटरिंग पीपीटी रिपोर्ट के माध्यम से तैयार किया जाएगा। इसमें ग्राम पंचायतों को प्राप्त धनराशि, खर्च की गई रकम, कराए गए विकास कार्यों और उनकी वर्तमान स्थिति का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया जाएगा।जिलाधिकारी ने इस कार्य के लिए जिला पंचायत राज अधिकारी अभिषेक शुक्ला को निर्देशित किया है कि जनपद की सभी ग्राम पंचायतों से पांच वर्षों का विस्तृत डेटा एकत्र कर पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत कराया जाए। इसके बाद कलेक्ट्रेट सभागार विकास भवन में ब्लॉकवार समीक्षा बैठक आयोजित होगी, जिसमें संबंधित पंचायत सचिव, खंड विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। बैठकों में ग्राम पंचायतों में कराए गए विकास कार्यों की गहन समीक्षा की जाएगी। विशेष रूप से यह देखा जाएगा कि गांवों में स्ट्रीट लाइट, हैंडपंप रीबोर, नाली, इंटरलॉकिंग, सामुदायिक शौचालय और अन्य विकास कार्यों पर कितना बजट खर्च हुआ और उसका वास्तविक लाभ ग्रामीणों तक पहुंचा या नहीं। जिलाधिकारी की इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी धनराशि का सही उपयोग हो और विकास कार्य केवल कागजों तक सीमित न रहें बल्कि धरातल पर भी दिखाई दें। कई ग्राम पंचायतों में अक्सर स्ट्रीट लाइट, हैंडपंप मरम्मत और अन्य कार्यों में अनियमितताओं की शिकायतें सामने आती रही हैं। अब पीपीटी आधारित समीक्षा व्यवस्था से प्रत्येक खर्च और कार्य की जवाबदेही तय होगी। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई दिशा देने वाली इस पहल को प्रशासनिक स्तर पर काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अधिकारियों का मानना है कि इससे ग्राम पंचायतों में विकास कार्यों की गुणवत्ता बेहतर होगी, योजनाओं का लाभ सही स्थानों तक पहुंचेगा और ग्रामीणों का विश्वास भी मजबूत होगा।डीएम इंद्रजीत सिंह की इस पहल से जनपद में ग्रामीण विकास को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

चांदा में चोरों का नाइट पेट्रोलिंग टेस्ट, दो घरों से लाखों के जेवर-नकदी पार

सुल्तानपुर। जिले के चांदा कोतवाली क्षेत्र में चोरों ने एक ही रात में दो घरों को निशाना बनाकर पुलिस की गश्त व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। दलपतशाह पट्टी अमरुपुर और धौरहरा गांव में हुई इन घटनाओं में लाखों रुपये के सोने–चांदी के जेवरात और नकदी चोरी हो गई। पहली घटना दलपतशाह पट्टी अमरूपुर गांव निवासी रामचंद्र यादव के घर हुई। बताया गया कि चोर जीने के सहारे घर में दाखिल हुए, कमरे की कुंडी तोड़ी और अलमारी व बक्सों का ताला तोड़कर सोने का हार, झुमकी, मंगलसूत्र, पायल, करधन समेत लाखों रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गए। परिवार को घटना की जानकारी सुबह हुई, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई।

दूसरी वारदात बगल के धौरहरा गांव में राम अजोर निषाद के घर हुई। यहां चोर पीछे के रास्ते से घर में घुसे और अलमारी में रखे सोने–चांदी के जेवरात के साथ 12 हजार रुपये नकद पार कर गए। इस चोरी की भनक भी सुबह ही लग सकी। सूचना पर क्षेत्राधिकारी लंभुआ ऋतिक कपूर और प्रभारी निरीक्षक चांदा अमित कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड की मदद से जांच पड़ताल शुरू की। दोनों परिवारों की ओर से कोतवाली में लिखित तहरीर दी गई है। लगातार दो गांवों में हुई बड़ी चोरियों के बाद ग्रामीणों में दहशत है। वहीं लोगों के बीच यह चर्चा भी तेज है कि जब चोर पूरी रात इत्मीनान से अलमारी और बक्से खंगालते रहे, तब रात की गश्त आखिर किस रास्ते पर घूम रही थी।

बड़े मंगल पर विशाल भंडारे का आयोजन

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जेष्ठ माह के बड़े मंगल पर बल्दीराय तहसील क्षेत्र के अशरफपुर वलीपुर गांव में उस समय अनोखी तस्वीर देखने को मिली, जब मुस्लिम युवक और क्षेत्र पंचायत सदस्य कमर अब्बास ने विशाल भंडारे का आयोजन कर हिंदू–मुस्लिम एकता की मिसाल पेश की। आयोजन में सैकड़ों श्रद्धालुओं ने छोला–पूड़ी और शर्बत का प्रसाद ग्रहण किया। बजरंगबली के जयकारों और भक्ति गीतों के बीच सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। बड़े मंगल पर मुस्लिम युवक द्वारा कराए गए इस आयोजन की पूरे क्षेत्र में चर्चा रही। लोगों ने इसे गंगा–जमुनी तहजीब और सामाजिक भाईचारे का जीवंत उदाहरण बताया। भंडारे में जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख और भाजपा नेत्री समेत कई जनप्रतिनिधियों ने पहुंचकर आयोजन की सराहना की। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में प्रेम, सौहार्द और एकता का संदेश देते हैं। इस दौरान जीपी तिवारी, राहुल यादव, सौरभ मिश्रा, सुरेश अग्रहरि, संदीप यादव, मोनू पाल, विनोद गुप्ता, सूरज यादव, लल्लू पाल, डॉ. संजय यादव, सत्येंद्र चौरसिया, सज्जाद, लल्लन दूबे, रितेश मिश्रा और शनि जायसवाल समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

जलाधिकारी ने ईवीएम एवं वीवी पैट गोदाम का किया निरीक्षण

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला निर्वाचन अधिकारी, जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर ने निर्वाचन कार्यालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट गोदाम का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में रखे इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी प्रणाली, सीलिंग प्रक्रिया तथा अभिलेखों के रख–रखाव की गहन जांच की।निरीक्षण के समय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा–निर्देशों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप व्यवस्थाओं की स्थिति का परीक्षण किया गया। जिलाधिकारी ने गोदाम में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, रिकॉर्डिंग व्यवस्था, प्रवेश एवं निकास नियंत्रण प्रणाली, डबल लॉक व्यवस्था, सील की स्थिति तथा अभिलेखों के नियमित संधारण की विस्तार पूर्वक जानकारी हासिल की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ईवीएम एवं वीवीपैट गोदाम की सुरक्षा व्यवस्था पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी निगरानी प्रणाली निरंतर सक्रिय रहे तथा रिकॉर्डिंग का नियमित परीक्षण भी किया जाए। साथ ही सीलिंग प्रक्रिया एवं अभिलेखों के संधारण में पूर्ण पारदर्शिता एवं सावधानी बरती जाए।उन्होंने नियमित अंतराल पर गोदाम का निरीक्षण एवं सत्यापन कराए जाने के निर्देश देते हुए ।

44 डिग्री की तपिश में पत्रकारों ने बांटी राहत - शरबत वितरण से हजारों लोगों को मिली ठंडक

मिर्जापुर, 18 मई 2026 ज्येष्ठ माह के तीसरे बड़े मंगलवार को जब तापमान 44द्45 डिग्री सेल्सियस को छू रहा था और मौसम विभाग ने हीटवेव अलर्ट जारी किया था, तब मिर्जापुर के कचहरी चौराहे पर राहत की एक ठंडी बयार बही।

पत्रकार प्रेस परिषद और यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन, मिर्जापुर इकाई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित शरबत वितरण सेवा में तपती दोपहर में लगभग 1000 से अधिक राहगीरों और कामगारों ने अपनी प्यास बुझाई और चिलचिलाती धूप में राहत महसूस की।

इस सेवा पहल की अगुवाई यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन की जिलाध्यक्ष जैसमिन लाल और पत्रकार प्रेस परिषद के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार पांडे ने की।

जैसमिन लाल ने कहा,आज बड़ा मंगल का शुभ दिन है। भीषण गर्मी में समाज के प्रति हमारी भी जिम्मेदारी है। ऐसे अवसरों पर आगे आकर सेवा में हिस्सा लेना चाहिए।

अजय कुमार पांडे ने कहा, यह शुद्ध जनसेवा है। हम पत्रकार हैं, लेकिन समाजसेवी संस्थाओं, राजनीतिक दलों और स्वयंसेवी संगठनों से भी अपील है कि वे प्याऊ और शरबत वितरण जैसी पहल जरूर करें। मिलकर काम करेंगे तो गर्मी की मार कम होगी। शरबत वितरण में निर्मल दुबे, नवीन कुमार घनश्यामी और ध्रुव पांडे ने सक्रिय सहयोग किया। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी ओम प्रकाश उपाध्याय, डॉ. अरविंद श्रीवास्तव, दुडे मिर्जापुर के पत्रकार ओम शंकर गिरी, विकास तिवारी, शिव भोला सिंह, सारिका दुबे, राहुल तिवारी सहित कई पत्रकार उपस्थित रहे।

लू के बीच यह सेवा न सिर्फ प्यास बुझाने का काम आई, बल्कि समाज में समरसता और सहयोग का संदेश भी दे गई।

अखंडनगर में पुलिस मुठभेड़, गोकशी का फरार आरोपी घायल होकर गिरफ्तार

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिले के अखंडनगर थाना क्षेत्र में सोमवार–मंगलवार की रात पुलिस और गोकशी के वांछित आरोपी के बीच मुठभेड़ हो गई। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

घायल आरोपी का इलाज सीएचसी अखंडनगर में चल रहा है।अपर पुलिस अधीक्षक वृजनारायण सिंह ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि गोकशी का फरार आरोपी मोहम्मद आसिफ बलेनो कार से क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना मिलते ही अखंडनगर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी शुरू कर दी।पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरता देख आरोपी आसिफ ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें आसिफ के पैर में गोली लग गई और वह घायल होकर गिर पड़ा। पुलिस ने मौके से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक बलेनो कार, 315 बोर का तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपनी पहचान मोहम्मद आसिफ पुत्र मोहम्मद मुजफ्फर निवासी घोषपुर, थाना शाहगंज, जिला जौनपुर के रूप में बताई। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ गोकशी के आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। थाना जयसिंहपुर में हुई हालिया गोकशी की घटना में भी उसकी संलिप्तता सामने आई थी।

करोड़ो की बेशकीमती सरकारी जमीन पर कब्जे का आरोप, ग्रामीणों का थाना घेराव

सुल्तानपुर(आरएनएस)। अखंडनगर क्षेत्र के प्राणनाथपुर बछेड़िया गांव में पीडब्ल्यूडी और ग्राम सभा की करीब तीन करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन पर कथित अवैध कब्जे को लेकर मंगलवार को जबरदस्त बवाल खड़ा हो गया। ग्राम प्रधान उदयभान निषाद की अगुवाई में दर्जनों महिला–पुरुष थाना परिसर पहुंच गए और कथित भू–माफिया जमुना वर्मा के खिलाफ धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कूटरचित दस्तावेज तैयार कर सरकारी जमीन को निजी संपत्ति में बदलने की सुनियोजित साजिश रची जा रही है।प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों का कहना था कि यह कोई अकेला मामला नहीं है, बल्कि सरकारी जमीनों पर कब्जे का एक संगठित खेल लंबे समय से चल रहा है। गांव वालों ने आरोप लगाया कि कथित भू–माफिया पहले भी आसपास के कई गांवों में रास्तों और सार्वजनिक जमीनों को निशाना बना चुका है। आरोप है कि पहले विवादित या सरकारी भूमि पर कब्जा किया जाता है, फिर गुपचुप तरीके से बाहरी लोगों को बेच दिया जाता है। ग्रामीणों के मुताबिक, इसी रणनीति के तहत गांव की सार्वजनिक संपत्तियों को धीरे–धीरे समाप्त करने की कोशिश हो रही है। उन्होंने ग्रामीणों से संबंधित अभिलेख, राजस्व रिकॉर्ड, आदेश की प्रतियां और अन्य आवश्यक दस्तावेज तीन दिन के भीतर प्रस्तुत करने को कहा। साथ ही

ग्रामीणों ने बताया कि विवादित जमीन पर पहले बोरिंग कराई गई, उसके बाद अस्थायी निर्माण कराया गया और अब पूरे भूभाग पर स्थायी निर्माण एवं चारदीवारी खड़ी करने का कार्य शुरू कर दिया गया। मंगलवार को जैसे ही निर्माण कार्य तेज हुआ, पूरे गांव में आक्रोश फैल गया। महिलाएं भी बड़ी संख्या में विरोध में उतर आईं और सरकारी जमीन बचाने की मांग को लेकर थाना पहुंच गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी धीरेंद्र कुमार वर्मा ने प्रदर्शनकारियों से वार्ता की। एहतियातन कब्जे और निर्माण कार्य को तीन दिन तक रोकने का निर्देश दिया गया।ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते प्रशासन ने कठोर कार्रवाई नहीं की तो सरकारी जमीनों पर कब्जे का यह नेटवर्क और तेजी से फैल सकता है। गांव में पूरे घटनाक्रम को लेकर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है।अब लोगों की निगाहें प्रशासनिक जांच और राजस्व अभिलेखों की पड़ताल पर टिक गई हैं कि आखिर करोड़ों की सार्वजनिक भूमि को निजी कब्जे में बदलने के पीछे कौन–कौन लोग शामिल हैं और क्या फर्जी दस्तावेजों के सहारे सरकारी जमीनों की खरीद–फरोख्त का कोई बड़ा खेल संचालित किया जा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों एवं निर्माण कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न

श्रावस्ती । जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समस्त विभागीय अधिकारियों के साथ सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों एवं सीएमआईएस पोर्टल पर निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने सभी विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने खराब रैंकिंग वाले विभागाध्यक्षों को कार्य में तेजी लाकर शत–प्रतिशत लक्ष्य की पूर्ति करने हेतु सख्त निर्देश दिया है।बैठक में अवगत कराया गया कि माह–अप्रैल, 2026 में जनपद श्रावस्ती की विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंक 26 है। माह–मार्च, 2026 में जनपद श्रावस्ती को कुल 85 कार्यक्रमों में से 48 कार्यक्रमों में ए श्रेणी, 01 कार्यक्रमों में बी श्रेणी, 06 कार्यक्रमों में सी श्रेणी, 2 कार्यक्रमों में डी श्रेणी एवं 28 कार्यक्रमों में छ। प्राप्त हुआ है। बैठक में ज्ञात हुआ कि अतिरिक्त उर्जा, अल्पसंख्यक कल्याण, उद्यान, उर्जा, ृषि, ग्रामीण अभियंत्रण, दुग्ध विकास, दिव्यांगजन सशक्तिकरण,, नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति, प्राथमिक शिक्षा, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, पशुधन, पिछड़ा वर्ग कल्याण, मत्स्य, महिला एवं बाल विकास, माध्यमिक शिक्षा, लोक निर्माण विभाग,, श्रम एवं सेवायोजन, सहकारिता, सिचाई एवं जल संसाधन विभागो के कार्यकमो में ''ए'' ग्रेड प्राप्त हुआ है। इसके अलावा ग्राम्य विकास, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, नियोजन, पंचायती राज, पर्यटन, महिला एवं बाल विकास–आई०सी०डी०एस० सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम, समाज कल्याण एवं लोक शिकायत (निर्माण कार्य) विभागों के कार्यकमों में श्रेणी यथा– बी, सी व डी प्राप्त हुये हैं।

वहीं माह मार्च, 2026 में प्रदर्शित योजनाओं में से प्रदेश में मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना में अन्तिम 5 जनपदों में है। जबकि नई सड़कों का निर्माण, अनुसूचित जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना में प्रथम 5 में हैं। इस पर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभागीय अधिकारियों को कार्य में तेजी लाकर अपनी देख–रेख में शत–प्रतिशत डाटा फीडिंग कराकर लक्ष्य पूर्ति करने हेतु निर्देशित किया।

आंधी, तूफान व वर्षा से औद्यानिक फसल के नुकसान की मिलेगी क्षतिपूर्ति

मीरजापुर 19 मई 2026– जिला उद्यान अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया है कि जनपद मीरजापुर के औद्यानिक खेती करने वाले समस्त कृषकों को सूचित किया जाता है कि माह मई में आए आंधी, तूफान व वर्षा से फसल को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति दिलायी जायेगी। जिला उद्यान अधिकारी, मीरजापुर द्वारा माननीय उद्यान मंत्री की अध्यक्षता में मौसमी घटकों के कारण औद्यानिक फसलों को हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति के सम्बन्ध में हुई बैठक में दिये गये निर्देश के क्रम में बताया गया कि हाल ही में आयी आंधी, तूफान व वर्षा से किसानों को फल एवं शाकभाजी इत्यादि फसलों में हुए नुकसान की क्षतिपूर्ति दिलाये जाने का प्रयास विभाग द्वारा किया जायेगा। जनपद के समस्त कृषकों से अनुरोध है कि जिन कृषकों के यहाँ आंधी, तूफान व वर्षा से फल एवं शाकभाजी का नुकसान हुआ है उसकी सूचना भू अभिलेख, जियो टैग फोटोग्राफ्स, वीडियो एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों सहित कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, मीरजापुर एस. पी. आफिस परिसर कचहरी मीरजापुर में उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

मा. विधायक मझवा ने विकास भवन में आयोजित 90 दिवसीय सोलर जागरुकता कैम्प का किया शुभारंभ

मीरजापुर के एक लाख 11 हजार लाभार्थियों को दो किलो वाट का निःशुल्क सोलर प्लांट - विकास भवन में आज से तीन माह तक रहेगा सोलर कैम्प

मीरजापुर 19 मई 2026– प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत जनपद मीरजापुर में व्यापक प्रचार–प्रसार एवं जनजागरूकता हेतु दिनांक 19 मई 2026 (मंगलवार) को विकास भवन परिसर, मीरजापुर में सोलर जागरूकता कैंप का आयोजन किया जाएगा।

यह कार्यक्रम जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी और योजना अधिकारी नेडा मीरजापुर के निर्देशन में आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में माननीय मड़िहान विधायक श्री रमाशंकर सिंह जी एवं मझवा विधायक श्रीमती सुचिस्मिता मौर्या जी एवं जनपद के समस्त जनप्रतिनिधिगण, खंड विकास अधिकारी, विद्युत विभाग के अधिकारी, नगर निकायों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें।

कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी उपलब्ध कराना तथा अधिक से अधिक लोगों को सोलर ऊर्जा से जोड़ना है। कैंप में योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी, पंजीकरण एवं जागरूकता सोलर संयंत्र प्रदर्शनी आदि गतिविधियां संचालित की गई ।

उक्त कार्यक्रम का आयोजन मे0 हनुमत सोलर हाउस द्वारा किया गया। जिसमें 2 ा का सोलर संयंत्र लगवाने पर छ60000 केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी छ30000 राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी एवं छ35000 हनुमत रिन्यूएबल प्राइवेट लिमिटेड की ओर से अंशदान दिया जा रहा है जिससे यह सोलर संयंत्र उपभोक्ता को निशुल्क प्राप्त होगा।

यह सोलर जागरूकता कैंप निरंतर तीन माह तक विकास भवन मिर्जापुर एवं समस्त विकासखंड कार्यालय पर चलता रहेगा जहां पर समस्त जनपद वासी आकर के रजिस्ट्रेशन करवा कर सोलर संयंत्र लगवा सकते हैं। हनुमत सोलर कम्पनी के प्रबंधक के द्वारा बताया गया कि जनपद सम्मानित 111000 लाभार्थियों को दो किलोवाट निशुल्क लगेगा। उन्होंने कहा कि यह सोलर मेला जिसका आज शुभारंभ हुआ है और ये लगातार तीन चलेगा, कैम्प में आए और अपना रजिस्ट्रेशन कराए।

भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज की अध्यक्षता में जिला पदाधिकारियों की बैठक, मण्डल व शक्ति केन्द्र कार्यक्रमों पर हुई चर्चा

आज दिनांक 19.05.2026 को भाजपा जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज के नेतृत्व जिला पदाधिकारियों

की बैठक हुई । जिसमें पार्टी द्वारा आगामी मण्डल एवं शक्ति केन्द्र पर होने वाले कार्यक्रमों पर विस्तृत चर्चा किया गया तथा कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए योजना रचना तैयार किया गया । कार्यक्रम के अंत में पं0 दीनदयाल उपाध्याय के प्रशिक्षण वर्ग के उपरांत जिला महामंत्री द्य कार्यक्रम संयोजक डॉ0 सी0एल0 बिन्द के द्वारा सभी कार्यकर्ताओं का सहयोग करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम के सफलता का श्रेय जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज को दिया । कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री स्वामीनाथ सिंह ने किया ।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष हेमन्त त्रिपाठी, रविन्द्र नारायण सिंह, गौरव ऊमर, उदयभान तिवारी, सुनीता शर्मा, जिला महामंत्री रवि शंकर पाण्डेय, जिलामंत्री संध्या पटेल, अनिल सिंह, वीरेन्द्र कुमार कोल, वीरेन्द्र प्रताप यादव, जिला मीडिया प्रभारी पं0 भावेश शर्मा, जिला आईटी संयोजक अमित कुमार सिंह,जिला संयोजक सोशल मीडिया आनन्द मैनी, जिला मीडिया सह प्रभारी रतन कुमार सिंह के साथ अन्य लोग उपस्थित रहे ।

बंगाल की हिंसा है लोकतंत्र पर धब्बा और बड़ी चुनौती

यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और "वसुधैव कुटुम्बकम्" का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है।पश्चिम बंगाल में हाल ही में सम्पन्न विधानसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार हिंसा, हत्याओं, आगजनी और राजनीतिक प्रतिशोध की घटनाएं सामने आई हैं, उन्होंने केवल राज्य की शांति को ही नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की आत्मा को भी आहत किया है। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव माना जाता है, किंतु जब यह उत्सव हिंसा, भय और प्रतिशोध में बदल जाए तो यह केवल राजनीतिक असफलता नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक पतन का संकेत बन जाता है। बंगाल की ताजा हिंसक घटनाएं इसी चिंता को सामने लाती हैं। चुनाव के दौरान छिटपुट घटनाओं को छोड़ दें तो मतदान अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ था। लेकिन परिणामों की घोषणा के बाद जिस प्रकार राजनीतिक दलों के समर्थक एक–दूसरे के खिलाफ आक्रामक हुए, उससे यह स्पष्ट कर दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा अब वैचारिक संघर्ष न रहकर प्रतिशोध और वर्चस्व की लड़ाई बनती जा रही है। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़पें, कई लोगों की हत्याएं और विशेष रूप से सुवेंदु अधिकारी के करीबी चंद्रनाथ रथ की हत्या ने पूरे घटनाक्रम को और अधिक गंभीर बना दिया। आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हुआ, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर लोकतंत्र में हिंसा की कोई जगह क्यों बची रहनी चाहिए?यह विडंबना है कि भारत, जिसने विश्व को अहिंसा, करुणा और "वसुधैव कुटुम्बकम्" का मंत्र दिया, आज वही देश राजनीतिक हिंसा के कारण अपनी छवि धूमिल करता दिखाई देता है। महात्मा गांधी ने राजनीति को नैतिकता और सेवा से जोड़ा था, लेकिन आज राजनीति सत्ता, प्रतिशोध और भय का माध्यम बनती जा रही है। बंगाल की हिंसा इस बीमारी का एक भयावह उदाहरण है। पश्चिम बंगाल का राजनीतिक इतिहास हिंसा से अछूता नहीं रहा है। वामपंथी शासन के लंबे दौर से लेकर तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल तक राजनीतिक संघर्ष कई बार रक्तरंजित रूप में सामने आया। बूथ कब्जाने, विरोधियों को डराने, स्थानीय दबंगों और अपराधी तत्वों का राजनीतिक संरक्षण–ये सब बंगाल की राजनीति की कटु वास्तविकताएं रही हैं। सत्ता बदलती रही, लेकिन राजनीतिक संस्कृति में अपेक्षित परिवर्तन नहीं आ सका। यही कारण है कि चुनाव परिणामों के बाद भी हिंसा का वातावरण बनता है और आम नागरिक भय तथा असुरक्षा के बीच जीने को मजबूर होता है। दरअसल जब राजनीति विचार और जनसेवा से हटकर केवल सत्ता प्राप्ति का माध्यम बन जाती है, तब हिंसा उसका स्वाभाविक

परिणाम बनती है। हार को लोकतांत्रिक विनम्रता से स्वीकार करने के बजाय प्रतिशोध का माध्यम बना लेना लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान है। यही कारण है कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देशों और विजय जुलूसों पर प्रतिबंध के बावजूद हिंसक घटनाएं हुईं। यह केवल प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि राजनीतिक दलों की नैतिक विफलता भी है। ममता बनर्जी द्वारा चुनाव परिणामों पर सवाल उठाना और राजनीतिक टकराव को तीखा बनाना हो या भाजपा द्वारा आक्रामक राजनीतिक प्रतिक्रिया–दोनों पक्षों को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में विपक्ष और सत्ता दोनों की जिम्मेदारी होती है कि वे जनता को शांति और संयम का संदेश दें। दुर्भाग्य से हमारे राजनीतिक दल अक्सर कार्यकर्ताओं की भावनाओं को नियंत्रित करने के बजाय उन्हें उकसाने का काम करते हैं। परिणामस्वरूप हिंसा सामान्य राजनीतिक व्यवहार का हिस्सा बनती जा रही है।सबसे अधिक पीड़ा इस बात की है कि राजनीतिक हिंसा की कीमत हमेशा आम जनता को चुकानी पड़ती है। जिन लोगों के घर जलते हैं, जिन परिवारों के सदस्य मारे जाते हैं, जिन छोटे व्यापारियों की दुकानें टूटती हैं, उनका राजनीति से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल उस हिंसक मानसिकता के शिकार बनते हैं जो सत्ता को मानवता से ऊपर मानती है। यह प्रश्न गंभीरता से पूछा जाना चाहिए कि आखिर राजनीतिक दल हिंसा का सहारा क्यों लेते हैं? जबकि इतिहास गवाह है कि हिंसा कभी स्थायी समाधान नहीं देती। हिंसा केवल भय, अविश्वास और प्रतिशोध को जन्म देती है। जो दल हिंसा को हथियार बनाते हैं, वे अंततः जनता की नजरों में अपना नैतिक अधिकार खो देते हैं। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, तोड़ना नहीं।आज भारत एक नए वैश्विक दौर में प्रवेश कर रहा है। दुनिया भारत को एक उभरती आर्थिक शक्ति, तकनीकी महाशक्ति और लोकतांत्रिक मॉडल के रूप में देख रही है। वर्ष 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा, तब हमारा लक्ष्य केवल आर्थिक विकास नहीं होना चाहिए, बल्कि एक ऐसे सभ्य और नैतिक राष्ट्र का निर्माण भी होना चाहिए जहां राजनीति का आधार अहिंसा, संवाद और संवेदनशीलता हो। यदि राजनीतिक दल नफरत, सांप्रदायिकता और हिंसा को अपना हथियार बनाए रखेंगे, तो विकसित भारत का सपना अधूरा रह जाएगा। भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी सांस्कृतिक चेतना रही है। गौतम बुद्ध ने करुणा का संदेश दिया, महावीर ने अहिंसा को जीवन का सर्वोच्च मूल्य बताया, गांधी ने सत्य और अहिंसा के बल पर साम्राज्य को चुनौती दी। यह वही भारत है जिसने दुनिया को यह सिखाया कि मनुष्य की सबसे बड़ी शक्ति प्रेम और सह–अस्तित्व है। लेकिन आज राजनीतिक स्वार्थों और गैर–राजनीतिक आपराधिक तत्वों के कारण देश की छवि प्रभावित हो रही है। अपराधी मानसिकता के लोग राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं। वे दल बदलते रहते हैं, लेकिन उनका उद्देश्य केवल शक्ति और स्वार्थ की पूर्ति होता है। बंगाल की ताजा घटनाओं में भी ऐसे तत्वों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता।समाधान केवल प्रशासनिक कठोरता में नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति के परिवर्तन में निहित है। सबसे पहले सभी राजनीतिक दलों को सार्वजनिक रूप से हिंसा की निंदा करनी चाहिए और अपने कार्यकर्ताओं को संयम बरतने का स्पष्ट संदेश देना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र प्रतिद्वंद्विता का नहीं, सह–अस्तित्व का नाम है। दूसरा, कानून व्यवस्था को लेकर "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनानी होगी। किसी भी दल से जुड़े उपद्रवियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई होनी चाहिए। पुलिस और प्रशासन को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखकर संवेदनशील क्षेत्रों में सतर्क निगरानी बढ़ानी होगी। तीसरा, राजनीति के अपराधीकरण पर कठोर नियंत्रण आवश्यक है। ऐसे लोगों को राजनीतिक दलों में प्रवेश ही न मिले जिनकी पृष्ठभूमि हिंसक और आपराधिक रही हो। राजनीतिक दलों को अपने भीतर नैतिक अनुशासन विकसित करना होगा। चौथा, समाज में लोकतांत्रिक शिक्षा और संवेदनशीलता का वातावरण बनाना होगा। विद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संस्थाओं में संवाद, सहिष्णुता और अहिंसा के मूल्यों को मजबूत करना समय की आवश्यकता है। जब तक समाज स्वयं हिंसा को अस्वीकार नहीं करेगा, तब तक राजनीतिक हिंसा का अंत कठिन होगा। बंगाल की ताजा हिंसा केवल एक राज्य की समस्या नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी है। यदि हमने समय रहते राजनीति को स्वस्थ मूल्यों की ओर नहीं मोड़ा, तो नफरत और हिंसा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती रहेंगी।

सम्पादकीय

तेल बाजार पर अमेरिका की पकड़ मजबूत होगी

चूंकि यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल का उत्पादन और बिक्री करेगा, अतरू खरीदार देशों के पास सौदेबाजी के लिए ओपेक में बचे 11 और ओपेक+ के 22 देशों के अतिरिक्त भी एक विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। ईरान और अमेरिका–इजराइल के युद्ध से दुनिया– खास कर पश्चिम एशिया में–कई तरह के ढांचागत बदलावों के संकेत उभरे हैं। उस दिशा में पहली ठोस खबर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तेल उत्पादक देशों के संगठनों ओपेक एवं ओपेक+ से अलग होने के रूप में आई है। यूएई के इस फैसले का अर्थ है कि विश्व तेल बाजार अब पहले जैसा नहीं रह जाएगा। मासिक उत्पादन का कोटा तय कर मूल्य नियंत्रित करने की इन संगठनों की ताकत को अब तगड़ा झटका लगा है। इसका सबसे खराब असर सऊदी अरब पर पड़ेगा, जो ओपेक की धुरी रहा है।

चूंकि यूएई अब स्वतंत्र रूप से तेल का उत्पादन और बिक्री करेगा, अतरू खरीदार देशों के पास सौदेबाजी के लिए ओपेक में बचे 11 और ओपेक+ के 22 देशों के अतिरिक्त भी एक विकल्प उपलब्ध हो जाएगा। अमेरिका के एक बड़े तेल उत्पादक के रूप में उभरने और वेनेजुएला के तेल भंडारों पर उसका कब्जा होने के बाद ओपेक+ ढांचे के अलावा पहले ही एक बड़े विक्रेता के रूप में वह मौजूद हो चुका है। कयास है कि यूएई अमेरिका से तालमेल कर तेल की कीमतें तय करेगा। इससे तेल बाजार पर अमेरिका की पकड़ मजबूत होगी। बहरहाल, तेल बाजार में आ रहे इस ढांचागत बदलाव के साथ–साथ विभिन्न देशों के ऊर्जा बास्केट में भी बड़े परिवर्तन के अनुमान हैं।

इनके मुताबिक इस बास्केट में ग्रीन एनर्जी, परमाणु ऊर्जा, और कोयला की जगह बढ़ने जा रही है। इससे दीर्घकाल में कच्चे तेल की मांग में गिर सकती है। इस संभावना को लेकर बड़ी तेल कंपनियां चिंतित हैं। फिर पश्चिम एशिया–खास कर खाड़ी क्षेत्र के समीकरणों में भी बदलाव की ठोस गुंजाइशें हैं। वहां अनेक देशों में ईरान के साथ सुरक्षा समझौते की संभावनाओं पर चर्चा हो रही है। इसके साथ ही तेल, गैस, एवं अन्य कारोबार की मुद्रा में क्रमिक परिवर्तन अब ठोस रूप ग्रहण कर रह है। चीन की मुद्रा युवान को डॉलर का विकल्प मानने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। ये सारे बुनियादी परिवर्तन हैं। इनके ठोस आकार लेने के बाद दुनिया 28 फरवरी के पहले जैसी नहीं रह जाएगी।

नक्सल मुक्त बीजापुर में विकास की नई दस्तक

चार दशकों बाद फिर सजी पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली की साप्ताहिक बाजारेंबंद पड़े हाट–बाजारों में लौटी रौनक, आदिवासी अंचलों की अर्थव्यवस्था को मिला नया जीवनकभी माओवाद के आतंक और भय के कारण वीरान पड़े बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल अब विकास, विश्वास और नई उम्मीदों की मिसाल बनते जा रहे हैं। नक्सलवाद से मुक्ति के बाद जिले के अंदरूनी क्षेत्रों में सामान्य जनजीवन तेजी से पटरी पर लौट रहा है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण उसूर ब्लॉक के आवापल्ली क्षेत्र अंतर्गत पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के साप्ताहिक बाजार हैं, जहां लगभग चार दशकों बाद फिर से रौनक लौट आई है।एक समय ऐसा था जब इन क्षेत्रों में भय और असुरक्षा के कारण ग्रामीणों की आवाजाही लगभग बंद हो चुकी थी। माओवाद के प्रभाव के चलते यहां के पारंपरिक साप्ताहिक बाजार पूरी तरह ठप पड़ गए थे। लेकिन अब नक्सल मुक्त वातावरण बनने के बाद बाजारों में फिर से चहल–पहल दिखाई देने लगी है। ग्रामीण, व्यापारी और आदिवासी बड़ी संख्या में यहां पहुंच रहे हैं, जिससे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है।बस्तर की पहचान हैं साप्ताहिक हाट–बाजारबस्तर अंचल केवल अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खनिज संपदा के लिए ही नहीं, बल्कि वनोपज आधारित समृद्ध परंपराओं के लिए भी देशभर में जाना जाता है। यहां के साप्ताहिक हाट–बाजार स्थानीय संस्कृति, सामाजिक जीवन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं।

बीजापुर जिला चारों ओर से घने वनांचलों से घिरा हुआ है, जहां आदिवासी समुदाय का जीवन जंगल और वनोपज पर आधारित है। इमली, महुआ, टोरा, चिरौंजी, तेंदू जैसी बहुमूल्य वनोपज यहां के लोगों की आय का प्रमुख स्रोत हैं। ग्रामीण इन उत्पादों का संग्रहण कर साप्ताहिक बाजारों में विक्रय करते हैं तथा बदले में दैनिक जरूरत की वस्तुएं खरीदते हैं।इन बाजारों का महत्व केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक मेल–मिलाप, सांस्कृतिक आदान–प्रदान और सामुदायिक जीवन का भी केंद्र होते हैं।चार दशकों तक सन्नाटा, अब लौट रही जीवन की रफ्तार उसूर ब्लॉक के पुजारी कांकेर और कोण्डापल्ली के साप्ताहिक बाजार कभी आसपास के अनेक गांवों की आर्थिक धुरी हुआ करते थे। लेकिन माओवादी गतिविधियों और असुरक्षा के माहौल ने इन बाजारों की रौनक छीन ली।

रोगियों की मुस्कान और उम्मीद का दूसरा नाम हैं नर्सें

सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है।हर वर्ष 12 मई को पूरी दुनिया अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाती है। यह दिन आधुनिक नर्सिंग सेवा की जननी मानी जाने वाली फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन अनगिनत संवेदनशील हाथों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, जो दिन–रात रोगियों के दर्द को कम करने, उन्हें जीवन का भरोसा देने और मृत्यु से संघर्ष कर रहे व्यक्ति के भीतर आशा का दीप जलाने का कार्य करते हैं। दुनिया में नर्सों की सेवा सर्वाधिक महत्वपूर्ण है, हर दिन, नर्सें शांत शक्ति, स्थिर हाथों और करुणा से भरे दिलों के साथ अस्पतालों, क्लीनिकों और विभिन्न सामुदायिक स्थानों पर कदम रखते हुए रोगियों के लिये देवदूत बनती हैं। नर्सें भगवान का रूप होती है, वे ही इंसान के जन्म की पहली साक्षी बनती है और उनमें करुणा का बीज बोती है। एक रोगी को स्वस्थ करने में वे अपना सब कुछ दे देती हैं। रोगी की सेवा करते हुए वे अपना पारिवारिक सुख, करियर, जीवन और वर्तमान सबकुछ झोंक देती है। वर्ष 2026 की थीम "हमारी नर्सें, हमारा भविष्य– सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं" पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि यदि स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत बनाना है तो नर्सों को सम्मान, सुरक्षा, संसाधन और सशक्त वातावरण देना होगा। यह दिवस 1965 से इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ नर्सेज द्वारा शुरू हुआ है, बहुत से लोग इस दिन का उपयोग अपने देश एवं दुनिया में नर्सों द्वारा किए गए अद्भुत सेवा कार्यों का सम्मान करने के लिए करते हैं।सचमुच नर्सें अस्पतालों की आत्मा होती हैं। चिकित्सक जहां रोग की पहचान और उपचार का मार्ग तय करता है, वहीं नर्स अपने स्पर्श, सेवा, सहानुभूति और निरंतर देखभाल से रोगी को जीने की शक्ति देती है। रोगी जब दर्द, भय, चिंता और असहायता से घिरा होता है, तब नर्स ही उसके चेहरे पर विश्वास की मुस्कान बनकर सामने आती है। वह केवल इंजेक्शन लगाने, दवाइयां देने या रिपोर्ट संभालने तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह रोगी के मनोबल की संरक्षक होती है। वह अपने व्यवहार, शब्दों और संवेदनाओं से रोगी को यह विश्वास दिलाती है कि वह अकेला नहीं है। यही कारण है कि दुनिया भर में नर्सों को "धरती के फरिश्ते" कहा जाता है। मानवीय सेवा का सबसे जीवंत और प्रभावशाली स्वरूप यदि कहीं दिखाई देता है तो वह नर्सिंग सेवा में दिखाई देता है। एक नर्स रोगी की पीड़ा को केवल देखती नहीं, बल्कि उसे महसूस भी करती है। वह रात–रात भर जागकर मरीजों की देखभाल करती है, उनके दर्द की भाषा समझती है, उनकी छोटी–छोटी जरूरतों का ध्यान रखती है और कई बार अपने परिवार, अपने स्वास्थ्य और अपनी खुशियों की कीमत पर भी रोगियों की सेवा करती है। कोविड–19 जैसी वैश्विक महामारी के समय पूरी दुनिया ने देखा कि जब लोग अपने ही परिजनों से दूरी बना रहे थे, तब नर्सें संक्रमित मरीजों के सबसे निकट खड़ी थीं। उन्होंने मृत्यु के भय को पीछे छोड़कर जीवन की रक्षा का संकल्प निभाया। उस दौर ने यह सिद्ध कर दिया कि नर्सें केवल स्वास्थ्यकर्मी नहीं, बल्कि मानवता की सबसे मजबूत प्रहरी हैं। नर्सिंग सेवा केवल पेशा नहीं, बल्कि करुणा, धैर्य और त्याग की साधना है। एक नर्स उस समय भी मुस्कुराती रहती है जब वह स्वयं मानसिक और शारीरिक थकान से गुजर रही होती है। वह रोगियों के बीच आशा का वातावरण बनाती है। कई बार ऐसे मरीज, जो मानसिक रूप से टूट चुके होते हैं, नर्सों की आत्मीयता और प्रेरणा से पुनः जीवन के प्रति सकारात्मक हो जाते हैं। चिकित्सा विज्ञान में दवाइयों की अपनी भूमिका है, लेकिन संवेदनशील देखभाल और मानसिक संबल रोगी के उपचार को अधिक प्रभावी बनाते हैं। यही कारण है कि कहा जाता है कि "नर्स का स्पर्श भी एक औषधि है।" आज जब दुनिया आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में प्रवेश कर चुकी है, तब भी नर्सिंग सेवा की आवश्यकता और महत्ता कम नहीं हुई, बल्कि और अधिक बढ़ी है। मशीनें रोग का परीक्षण कर सकती हैं, लेकिन वे रोगी की आंखों में छिपे भय को नहीं पढ़ सकतीं। तकनीक इलाज का माध्यम बन सकती है, लेकिन वह करुणा का विकल्प नहीं बन सकती। नर्सों की सबसे बड़ी शक्ति उनकी संवेदनशीलता है, जो उन्हें अन्य सभी स्वास्थ्य सेवाओं से अलग पहचान देती है। इसी कारण आज भी नर्सिंग दुनिया का सबसे अधिक अपेक्षित और सम्मानित स्वास्थ्य पेशा माना जाता है।विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक प्रशिक्षित नर्सों की कमी है। विकसित देशों में बेहतर वेतन और सुविधाओं के कारण विकासशील देशों की अनेक प्रतिभाशाली नर्सें विदेशों की ओर आकर्षित हो रही हैं। परिणामस्वरूप गरीब और विकासशील देशों की स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। विश्व स्तर पर नर्सों की बढ़ती आवश्यकता यह संकेत देती है कि आने वाले समय में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता नर्सों की उपलब्धता और दक्षता पर ही निर्भर करेगी। इसलिए यह समय नर्सों को केवल "सेवक" के रूप में देखने का नहीं, बल्कि उन्हें स्वास्थ्य व्यवस्था के निर्णायक स्तंभ के रूप में स्वीकार करने का है। भारत जैसे विशाल देश में नर्सिंग सेवा को अधिक सशक्त, सम्मानजनक और सुरक्षित बनाने की अत्यंत आवश्यकता है। नर्सों के लिए बेहतर वेतनमान, सुरक्षित कार्य–परिस्थितियां, पर्याप्त अवकाश, मानसिक स्वास्थ्य सहयोग, कौशल विकास और नेतृत्व के अवसर सुनिश्चित किये जाने चाहिए। निजी और सरकारी अस्पतालों को मिलकर ऐसा वातावरण बनाना होगा जहां नर्सें सम्मान और आत्मविश्वास के साथ कार्य कर सकें। यदि नर्सें स्वयं तनाव, असुरक्षा और उपेक्षा से घिरी रहेंगी, तो स्वास्थ्य सेवाओं की मानवीय गुणवत्ता प्रभावित होगी। इसलिए नर्सों का कल्याण केवल उनका व्यक्तिगत प्रश्न नहीं, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ विषय है। अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस की 2026 की थीम भी इसी सोच को आगे बढ़ाती है।

बाल विवाह के खिलाफ छत्तीसगढ़ की निर्णायक लड़ाई

हजारों पंचायतों की बदली तस्वीरबाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान बन रहा सामाजिक बदलाव की मिसाल डॉ.दानेश्वरी सम्भाकर

छत्तीसगढ़ में बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा और सम्मान को केंद्र में रखकर शुरू किया गया बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अब सामाजिक बदलाव की बड़ी मिसाल बनती जा रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ने इस अभियान को केवल सरकारी योजना तक सीमित न रखते हुए जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन बना दिया है। गांव–गांव में जागरूकता और सामाजिक सहभागिता के जरिए बाल विवाह जैसी कुरीति पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में लगातार ठोस परिणाम सामने आ रहे हैं। 10 मार्च 2024 से शुरू हुए इस अभियान का उद्देश्य सिर्फ बाल विवाह रोकना नहीं, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना भी है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पंचायत प्रतिनिधि, शिक्षक, मितानिनें और महिला स्व–सहायता समूह लगातार जमीनी स्तर पर लोगों को जागरूक करने में जुटे हुए हैं। यही वजह है कि अभियान अब प्रशासनिक कार्यक्रम से आगे बढ़कर सामाजिक चेतना का हिस्सा बनता दिखाई दे रहा है।

राज्य सरकार ने वर्ष 2028–29 तक पूरे छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का लक्ष्य तय किया है। चरणबद्ध योजना के तहत 2025–26 तक 40 प्रतिशत, 2026–27 तक 60 प्रतिशत, 2027–28 तक 80 प्रतिशत और 2028–29 तक सभी ग्राम पंचायतों तथा नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की तैयारी है। अभियान की प्रगति भी उत्साहजनक रही है।

31 मार्च 2026 तक राज्य की 11 हजार 693 ग्राम पंचायतों में से 7 हजार 498 पंचायतें बाल विवाह मुक्त घोषित की जा चुकी हैं, जो कुल पंचायतों का लगभग 64 प्रतिशत है। वहीं 196 नगरीय निकायों में से 85 निकाय इस श्रेणी में शामिल हो चुके हैं।

राज्य के बालोद जिले ने इस दिशा में सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए खुद को पूर्णतरू बाल विवाह मुक्त घोषित कराया है। प्रशासन और समाज के संयुक्त प्रयासों से मिली यह सफलता अब दूसरे जिलों के लिए प्रेरणा बन रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय लगातार यह संदेश दे रहे हैं कि विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव शिक्षित और आत्मनिर्भर बेटियां ही होंगी। इसी सोच के साथ सरकार बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के साथ लागू कर रही है।

कम उम्र में विवाह होने से बालिकाओं की पढ़ाई प्रभावित होती है, स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ते हैं और उनके भविष्य की संभावनाएं सीमित हो जाती हैं। यही कारण है कि अभियान के तहत किशोरियों और अभिभावकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है ताकि समाज में स्थायी बदलाव लाया जा सके।

पंचायत आधारित जनभागीदारी, सतत निगरानी और सामाजिक जागरूकता के प्रभावी मॉडल के कारण बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान अब राष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चा का विषय बनता जा रहा है। राज्य सरकार का यह प्रयास केवल एक सामाजिक कुरीति को समाप्त करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बेटियों के सम्मान और सशक्तिकरण का व्यापक संकल्प बनकर उभर रहा है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहद खास पल लेकर आया है। भाई व माता से सहयोग मिलेगा, आपका पराक्रम बढ़ेगा।

वृष राशि–
आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। घर की सफाई अथवा नवीनीकरण के कार्यों में व्यस्त रहेंगे। आप अपनी कार्यक्षमता को दूसरों के आगे साबित कर पाने में सफल होंगे।

मिथुन राशि–
आज आपका दिन एक नई उमंग लेकर आएगा। आपके लिए आय के नए द्वार खुलने की संभावना है। छात्रों को शिक्षा में आश्चर्यजनक परिणाम मिल सकते हैं।

कर्क राशि–
आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। सार्वजनिक एवं प्रोफेशनल कार्यों में अनुकूल संयोग बनेंगे। किसी समस्या को दूर करने के लिए परिवार के सदस्यों के साथ बैठकर विचार विमर्श करेंगे।

सिंह राशि–
आज आपका दिन उत्तम रहेगा।आज आपका मन कुछ उलझन में रहेगा, लेकिन जीवनसाथी के साथ बातों को शेयर करने से सब ठीक हो जायेगा।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए मिला–जुला अनुभव देने वाला रहेगा। सकारात्मक सोच व संतुलित दृष्टिकोण से आप असंभव कार्यों को भी संभव कर पाएंगे।

तुला राशि–
आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके परवारिक रिश्ते में मधुरता बनी रहेगी। आज आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। संतान पक्ष से मन को संतोष मिलेगा। जो लोग नया बिजनेस शुरू करना चाहते हैं या नौकरी में नए अवसर खोज रहे हैं उनके लिए अनुकूल समय है।

धनु राशि–
आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज आपके सामने जो भी कठिन मामले हैं, उन पर बातचीत कर सकते हैं।

मकर राशि–
आज आपका दिन बेहतरीन है। आज सोचे हुए काम करने के लिए और अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ राशि–
आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपकी कम्यूनिकेशन की क्षमता दूसरों को प्रभावित करेगी, जिससे आपको फायदा होगा।

मीन राशि–
आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपका ध्यान केवल और केवल अपने काम के प्रति रहेगा, इसके लिए आप कठोर परिश्रम भी करने के लिए तैयार रहेंगे।

पांचवीं जिलास्तरीय योगासन चैंपियनशिप में बच्चों ने किया अद्भुत प्रदर्शन

मीरजापुर। डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन मीरजापुर की ओर में नगर के पांडेयपुर स्थित संस्कार पब्लिक स्कूल में पांचवीं जिलास्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ नगर विधायक रत्नाकर मिश्रा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय योगासन खिलाड़ी राज लक्ष्मी साहिल ने शिव तांडव पर अद्भुत प्रस्तुति दी। योगासन खेल संघ के अध्यक्ष डॉ अमन सिंह यादव ने प्रबंधक अनंत राज भंडारी ने मिलकर नगर विधायक को अंगवस्त्रम व मूमेंटो प्रदान कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर नगर विधायक ने कहा कि योग कहा कि हमारी सनातन संस्कृति और सभ्यता का मूल धरोहर है , जिसे आज योगासन खेल के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने के लिए बच्चों के लिए एक नया अवसर है। कार्यक्रम समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि राज्य मंत्री पिछड़ा वर्ग आयोग उत्तर प्रदेश सरकार सोहन लाल श्रीमाली जी ने बच्चों को पुरस्कृत करते हुए उन्हें मेडल मुमेटों के साथ प्रशस्तिपत्र प्रदान कर उन्हें आने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर उन्होंने कहा की जिला स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता में जनपद के बच्चों का अद्भुत प्रदर्शन देख कर मन प्रफुल्लित हुआ लगा कि सच में जनपद में भी योग में राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वाली प्रतिभाएं मौजूद है, जो आने वाले समय में जनपद का गौरव बढ़ाएंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 8 से 14 वर्ष में प्रतिभाग करने वाले विजेताओं बच्चों में आर्टिस्टिक सिंगल गर्ल सब जूनियर प्रतियोगिता में आकृति मौर्य प्रथम, आयुषी दुबे द्वितीय एवम् दृष्टि पाण्डेय तृतीय स्थान प्राप्त की। सब जूनियर ट्रेडिशनल गर्ल प्रतियोगिता में प्रीति बिंद प्रथम अर्चिता सिंह द्वितीय, प्रियांशी पाण्डेय तृतीय स्थान पर रही।सब जूनियर ट्रेडिशनल ब्वॉय प्रतियोगिता में यश चौहान प्रथम, शिवाय गुप्ता द्वितीय तन्मय भारती तृतीय स्थान पर रही। जूनियर 14 से 18 वर्ष ब्वॉय प्रतियोगिता में कृतवेश पाण्डेय प्रथम , हर्ष पाण्डेय द्वितीय, कृष्णम पाण्डेय तृतीय स्थान पर रहे। गर्ल प्रतियोगिता में पूनम बिंद प्रथम स्थान पर रही। आर्टिस्टिक सिंगल सब जूनियर ब्वॉय संकल्प कुशवाहा प्रथम देवांश तिवारी द्वितीय स्थान पर रहे। सब जूनियर ब्वॉय रिदमिक पेयर में मानस राय एवं शिवाय गुप्ता प्रथम स्थान, अद्विक एवं शिव श्याम द्वितीय स्थान, सब जूनियर रिदमिक पेयर गर्ल त्रिशिखा पाण्डेय एवं श्रीजा सिंह प्रथम स्थान, जियांशी शेखर एवं अर्चिता सिंह द्वितीय स्थान पर रहे। सीनियर बॉयस ट्रेडिशनल इवेंट अश्वनी मौर्य प्रथम, सीनियर गर्ल ट्रेडिशनल इवेंट में राज लक्ष्मी प्रथम, आरती द्वितीय एवं विजय लक्ष्मी तृतीय स्थान पर रही। शेष प्रतियोगिता लगातार चल रही है जिसका रिजल्ट आना शेष है। कार्यक्रम में राज्य मंत्री ने आए हुए डिस्ट्रिक्ट योगासन स्पोर्ट एसोसिएशन के साथ पदाधिकारियों को अंगवस्त्रम व प्रदान कर सम्मानित किया।

एनएचएम संविदा कर्मियों ने शुरू किया विरोध प्रदर्शन, मांगों के समर्थन में काला फीता बांध कर जताया रोष

कुशीनगर, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मयंक प्रताप सिंह के आह्वान पर जनपद में एनएचएम संविदा कर्मियों ने सोमवार से अपनी मांगों को लेकर सांकेतिक विरोध शुरू कर दिया है। सभी संविदा कर्मियों ने काला फीता बांधकर कार्य किया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ कुशीनगर के जिलाध्यक्ष सत्येंद्र कुमार पांडेय व गोरखपुर मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर यादव लड्डू ने संयुक्त रूप से बताया कि यदि 20 तारीख तक शासन एनएचएम संविदा कर्मियों की मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाता है तो आगामी 21 मई से पूरे प्रदेश में श्नो वर्क, नो पेश के आधार पर कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा। जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय ने चेतावनी दिया कि सांकेतिक हड़ताल 20 तारीख तक चलेगी। इसके बाद मांगें न माने जाने पर पूरे जनपद में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन के कारण उत्पन्न होने वाली किसी भी स्थिति की संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी। संघ की प्रमुख मांगों में संविदा कर्मियों के मानदेय का समय से भुगतान, नियमितीकरण, समान कार्य समान वेतन और सेवा सुरक्षा आदि शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से उनकी मांगों को नजर अंदाज किया जा रहा है। जिसके चलते यह कदम उठाना पड़ा है।

वन स्टाप सेंटर के अथक प्रयास से 10 वर्षीय बच्ची सकुशल परिजनों को सौंपी गई

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित वन स्टॉप सेंटर में आवासित लगभग 10 वर्षीय बच्ची सोनी को सफल प्रयासों के उपरांत उसके परिजनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया गया। बच्ची अपने माता–पिता से मिलकर अत्यंत भावुक एवं प्रसन्न दिखाई दी। ज्ञातव्य है कि बीते 04 मई को राजकीय रेलवे पुलिस खड्डा द्वारा रेस्क्यू की गई उक्त बच्ची को बाल कल्याण समिति के आदेशानुसार वन स्टॉप सेंटर में आवासित कराया गया था। बीते 12 मई को सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर भुवन द्वारा वन स्टॉप सेंटर का औचक निरीक्षण किया गया। जहां केंद्र प्रशासिका श्रीमती रीता यादव ने बच्ची से संबंधित जानकारी साझा की। इसके उपरांत जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर एवं वन स्टॉप सेंटर की टीम द्वारा बच्ची द्वारा बताए गए पते के आधार पर जनपद फिरोजाबाद के थाना रामगढ़ से संपर्क स्थापित किया गया। केंद्र प्रशासिका श्रीमती रीता यादव के समन्वय एवं सतत प्रयासों से बच्ची के परिजनों तक सूचना पहुंचाई गई। आज 15 भी को बच्ची की माता पूनम एवं पिता हरिओम वन स्टॉप सेंटर पहुंचे, जहां आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण कराने के उपरांत बच्ची को उनके सुपुर्द कर दिया गया।

सर्राफा व्यापारियों ने डीएम को सौपा प्रधानमंत्री को सम्बोधित निवेदन पत्र

बस्ती। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कृत्तिका ज्योत्सना और पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह ने जनपद के स्वर्ण व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं को सुना और हर स्तर पर वर्तमान में उत्पन्न स्थिति को लेकर सहयोग का आश्वासन दिया। वार्ता के दौरान सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष कुन्दन वर्मा ने प्रधानमंत्री को सम्बोधित 9 सूत्रीय निवेदन पत्र जिलाधिकारी को सौंपा।ज्ञापन सौंपने के बाद सर्राफा एसोसिएशन अध्यक्ष कुन्दन वर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा एक साल तक सोने का जेवर न खरीदने की अपील के साथ स्वर्णकारों का संकट और बढ गया है। इससे पहले से ही मंदी के दौर में चल रहा व्यापार और कठिन हो जाएगा पूरे देश के अगभग 3.5 करोड़ लोग जो इस व्यवसाय से जुड़े है (ज्वेलर्स, कारीगर, श्रमिक परिवार) का जीवन यापन का संकट का विषय है। इससे सर्वाधिक नुकसान मध्यम व छोटे व्यवसायियो का है जो इस इन्डस्ट्री का लगभग 90: है,10:, में ब्राण्डेड व बड़े ज्वेलर्स की संख्या है यह इन्डन्ट्री कुटीर उद्योग के रूप में देश भर में गाँव गली नुक्कड़ तक फैला है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री वास्तविकता को समझते हुये समस्या का समाधान करायें।प्रधानमंत्री को सम्बोधित 9 सूत्रीय निवेदन पत्र में कहा गया है कि व्यापार घाटे कारण फारेन रिर्जव में कमी होती है उर्जा जरूरतों के साथ–साथ, बांडेड कपड़े, जूते, लग्जरी गाड़िया, लग्जरी इलेक्ट्रानिक्स, घरेलू समानो का आयात भी होता है जिसमे विदेशी मुद्रा काफी व्यय होता है इस पर कमी लाई जा सकती है आयल करने वाली कम्पनियों से बात करके अनावश्यक समानो पर प्रतिबन्ध लगाया जा सकता है। सरकार चाहे तो सोने के आयात कम करके अपना बाण्ड निकाल कर देश के अन्दर मौजूद संस्थाओं व व्यक्तियों से बैंको के माध्यम से खरीददारी करके ज्वेलरी उद्योग को उपलब्ध करा सकती है। भारतीय ज्वेलरी की पूरे विश्व में कला के रूप में मान्यता है इसलिए इसके निर्यात के लिए हर प्रदेश में निर्यात सेन्टर बनाकर, विश्व के अन्य देशो में ज्वेलरी नियात के रास्ते प्रशस्त करते हुए योजना बनाकर स्थानीय ज्वेलर्स को जोड़ा जा सकता है।निवेदन पत्र सौंपने वालों में सर्राफा एसोसिएशन के विश्वनाथ सोनी, प्रभात सोनी, आर्यन, पंकज कुमार वर्मा, जितेन्द्र सोनी, दीपक सोनी, अजीत सोनी, हरिओम लल्ला, विकास सोनी, शिवेन्द्र वर्मा, सपन सर्राफ, विश्वनाथ वर्मा, रामजी बरनवाल, त्रिलोकीनाथ वर्मा, जय प्रकाश सोनी, गोपाल जी, गिरीश सोनी, मनीष अग्रवाल, मनोज सोनी, अमरनाथ सोनी, गोलू जौनपुरी, मनोज वर्मा, जगदीश अग्रहरि, गणेश जी सोनी, शिवकुमार सोनी, रवि सोनी, हरिशंकर, सत्यम, उमाशंकर सोनी, सौरभ, शिवम सोनी, विकास सोनी, सुशील वर्मा, राजेश कुमार, सुनील सोनी, संजय, बब्लू के साथ ही अनेक सरार्फा व्यापारी शामिल रहे।

हत्या व संपत्ति विवाद मामले में कार्रवाई की मांग, डीआईजी को सौंपा पत्र

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र निवासी वंश बहादुर वर्मा ने पुलिस उपमहानिरीक्षक, को प्रार्थना पत्र देकर मुकदमा अपराध संख्या 0208ध2023 में नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच तथा परिवार की सुरक्षा की मांग की है।प्रार्थना पत्र में वंश बहादुर वर्मा ने कहा है कि उनकी भाभी उर्मिला देवी, हनुमान चौधरी समेत अन्य लोगों ने उनके पिता स्वर्गीय राम अहंकोरे चौधरी की चल एवं अचल संपत्ति को कथित रूप से धोखाधड़ी कर अपने नाम करा लिया। आरोप है कि संपत्ति अपने नाम कराने के बाद एक सुनियोजित साजिश के तहत उनके पिता की हत्या कर दी गई।पीड़ित का कहना है कि घटना के बाद उन्होंने कई बार थाना कप्तानगंज में शिकायत की, लेकिन स्थानीय पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज नहीं किया गया।

आईएसटीपी के खेल में सरकारी राजस्व की लूट का मामला- मोबाइल का जिन्न खोलेगा बालू सिंडिकेट का राज

कुशीनगर,पडोसी राज्य बिहार सीमा से सटे सूबे के कुशीनगर जिले में चल रहे मोरंग और बालू के कथित अवैध कारोबार की असली पटकथा सड़कों पर नहीं, बल्कि मोबाइल फोन के भीतर छिपी बताई जा रही है। लोगों में चर्चा है कि अगर इस पूरे मामले में शामिल कथित इंट्री माफियाओं, खनन विभाग के जिम्मेदार लोगों, चालक जितेंद्र, मुंशी सतीश और संबंधित थाना क्षेत्रों के पुलिस कर्मियों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड, लोकेशन हिस्ट्री और मोबाइल चौट्स की निष्पक्ष जांच करा दी जाए, तो करोड़ों रुपये के राजस्व चोरी के इस खेल का पूरा डिजिटल साम्राज्य बेनकाब हो सकता है। सूत्रों का दावा है कि बिना आईएसटीपी के ट्रकों को यूपी सीमा में दाखिल कराने का खेल किसी सड़कछाप अवैध धंधे की तरह नहीं, बल्कि एक "संगठित नेटवर्क" की तरह संचालित होता है। बिहार सीमा से ट्रक निकलने के पहले ही मोबाइल फोन घनघनाने शुरू हो जाते थे। किस रास्ते से ट्रक आएगी, किस चौकी पर कौन ड्यूटी में है, कहां चेकिंग सख्त है, किसे फोन करना है, किसे "सेट" करना है और किस गाड़ी को किस थाना क्षेत्र से सुरक्षित निकालना है यह पूरा खेल मोबाइल नेटवर्क के जरिए ऑपरेट होने की चर्चा है।जिले मे इस बात की चर्चा जोरो पर है कि बॉर्डर पर ट्रकों की इंट्री कराना किसी एक व्यक्ति के बस की बात नहीं है। इसके लिए एक पूरा चौन सिस्टम काम करता है। ट्रक बिहार से निकलती, फोन बहादुरपुर बॉर्डर तक पहुंचता, वहां से सूचना आगे के थाना क्षेत्रों में जाती और फिर "क्लियरेंस" के हिसाब से ट्रकें जिले मे आगे बढ़ती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार बॉर्डर पर चेकिंग दिखाने के लिए कुछ ट्रकों को रोका जाता है, लेकिन जिनकी "लाइन सेट" होती है, वह बेखौफ बिना आईएसटीपी के भी बडी आसानी से आगे बढ जाती है। यही वजह है कि जब बहादुरपुर चौकी पर सघन जांच चल रही थी, तब भी ट्रकें तमकुहीराज, सेवरही और पटहेरवा क्षेत्र की सडको पर दौड तक रही थीं।अब सवाल यह है कि आखिर वह कौन–सा अदृश्य नेटवर्क था जो सीमा से लेकर अंदरूनी थाना क्षेत्रों तक ट्रकों को "ग्रीन कॉरिडोर" उपलब्ध करा रहा था?।जानकारों का कहना है कि यदि जांच एजेंसियां सिर्फ पिछले एक महीने का मोबाइल डेटा खंगाल लें, तो कई बड़े खुलासे संभव हैं। कौन व्यक्ति किस समय किस अधिकारी या कर्मचारी के संपर्क में था, ट्रक पकड़ने से पहले और बाद में किन–किन नंबरों पर बातचीत हुई, किन स्थानों पर आरोपी और विभागीय लोग बार–बार मौजूद रहे यह सब काल डिटेल रिकार्ड और लोकेशन मैपिंग से सामने आ सकता है। सूत्र बताते हैं कि मुकदमे में नामजद कुछ कथित इंट्री ऑपरेटरों की बातचीत नियमित रूप से विभागीय कर्मचारियों और थाना क्षेत्रों के कुछ जिम्मेदार लोगों से होने की चर्चा है। यदि यह तथ्य तकनीकी जांच में सही साबित हुए, तो मामला सिर्फ अवैध खनन का नहीं बल्कि "संरक्षित राजस्व चोरी" के बड़े नेटवर्क में तब्दील हो सकती है।इनसेट–– चर्चा मे है ड्राइवर और मुंशी की भूमिका–– इस पूरे मामले में खनन विभाग के चालक जितेंद्र और मुंशी सतीश का नाम इलाके में सबसे ज्यादा चर्चा में है। आरोप है कि विभाग के अंदर और बाहर के लोगों के बीच संपर्क का बड़ा माध्यम यही दोनो है। ट्रक किस समय निकलेगी, कहां रोकी जाएगी, किसे छोड़ना है और किसे पकड़ना है ऐसी सूचनाओं का आदान–प्रदान इन्हीं के जरिए होने की चर्चाएं जोरों पर हैं।स्थानीय लोगो का कहना है कि अगर इन दोनों के मोबाइल फोन की फॉरेंसिक जांच हो जाए तो पूरा खेल मिनट–दर–मिनट खुल सकता है। कौन–कौन नंबर लगातार संपर्क में थे, किस थाना क्षेत्र में लोकेशन बार–बार मिली और किन समयों पर संदिग्ध गतिविधियां हुईं यह सब जांच की दिशा बदल सकता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिन लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ, क्या वह लोग मुकदमे के बाद भी पुलिस और विभागीय लोगों के संपर्क में थे या है? चर्चा है कि कुछ आरोपी मुकदमा दर्ज होने के बाद भी संबंधित थाना क्षेत्रों में खुलेआम घूमते और जिम्मेदार लोगों से मिलते देखे गए। यह सही है, तो फिर सवाल यह भी उढता है कि क्या कार्रवाई सिर्फ दिखावे के लिए की गई है? क्या छोटे लोगों को पकड़कर असली नेटवर्क को बचाने की कोशिश हो रही है ? ऐसे मे यह जरूरी है कि इन लोगो का मोबाइल लोकेशन और कॉल रिकॉर्ड की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। तरयासुजान थानाध्यक्ष और बहादुरपुर चौकी प्रभारी के निलंबन के बाद पुलिस महकमे मे हड़कंप मच गया है। चर्चा है कि पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के सख्त तेवर देख अब खनन व पुलिस विभाग के संलिप्त लोग अपना मोबाइल बदलने, चौट डिलीट करने और पुराने संपर्क मिटाने में जुट गये हैं। सूत्रों का दावा है कि जांच एजेंसियों ने डिजिटल एविडेंस को गंभीरता से लिया, तो यह मामला सिर्फ ट्रकों की अवैध इंट्री तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पुलिस, खनन विभाग और कथित इंट्री नेटवर्क के बीच संबंधों की पूरी तस्वीर सामने आ सकती है। अब देखना दिलचस्प है कि क्या इस मामले में सिर्फ छोटी मछलियों पर कार्रवाई होगी या फिर मोबाइल डेटा के जरिए जांच एजेंसियां पर्दे के पीछे शराफत का नकाब लगाये खडे उन बडे चेहरों के गिरेहबान तक पहुंचेगी जिनके संरक्षण में यह करोड़ों का खेल चलता रहा? स्थानीय लोगो का कहना है कि अगर सच में सरकार राजस्व चोरी रोकना चाहती है, तो सिर्फ ट्रक पकड़ने से कुछ नहीं होगा। असली खेल मोबाइल के भीतर छिपा है। जिस दिन कॉल डिटेल और लोकेशन हिस्ट्री की परतें खुलेगी, उस दिन बालू सिंडिकेट का ऐसा सच सामने आ सकता है जिससे पूरा सिस्टम हिल जाएगा।

जानकर बताते है कि जब कोई खनिज पदार्थ जैसे बालू, मोरंग, गिट्टी आदि एक राज्य से दूसरे राज्य में ले जाया जाता है, तो उसके लिए खनन विभाग द्वारा जारी ६वैध ट्रांजिट पास६अनिवार्य होता है। यही पास आईएसटीपी कहलाता है, जो यह सुनिश्चित कर्ता है कि खनिज वैध रूप से खनन किया गया है और सरकार को मिलने वाला रॉयल्टी और टैक्स जमा हुआ है। आईएसटीपी (वैध ट्रांजिट पास) अवैध खनन और राजस्व चोरी पर प्रतिबंध लगाने का एक महत्वपूर्ण कागजी अस्त्र है।

27 वीं पुण्यतिथि पर याद किये गये कर्मचारी आन्दोलन के पुरोधा बी. एन. सिंह

बस्ती। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य, पूर्व एम. एल.सी. बी. एन. सिंह को उनके 27 वीं पुण्यतिथि पर याद किया गया। विकास भवन सभागार में आयोजित संगोष्ठी में बी. एन. सिंह के योगदान पर विमर्श किया गया।अध्यक्षता करते हुये परिषद के जिलाध्यक्ष मस्तराम वर्मा ने वीएन सिंह के योगदान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि वे कर्मचारियों के पुरोधा थे, यदि आज वे जीवित होते तो कर्मचारी पुरानी पेंशन हासिल कर चुके होते। वे आखिरी सांस तक कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष करते रहे। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा।राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल और मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि कर्मचारियों को बीएन सिंह से प्रेरणा लेनी चाहिये कि उन्होने घोर संकटों का सामना करते हुये भी सरकारों को मांगो को मनवाने के लिये बाध्य कर दिया। कर्मचारियों को उन्होने नकदीकरण, बोनस, केन्द्र के समान अनेक भत्तों, मृतक आश्रित नियुक्ति आदि की सुविधा दिलायी। कर्मचारी उनके संघर्षो से प्रेरणा लेकर अपने अधिकारों को लेकर संघर्षरत रहे। कहा कि आज कर्मचारी अनगिनत चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनके अधिकार एक–एक कर छीने जा रहे हैं। अभी न चेते तो आने वाला समय कर्मचारियों के लिये और चुनौतीपूर्ण होगा। ऐसे में हमें अपनी एकजुटता बनाये रखकर मांगों के समर्थन में आन्दोलन तेज करना होगा, यही कर्मचारियों के बड़े नेता बी. एन. सिंह के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कहा कि सरकारें एक–एक कर पूर्व से मिलने वाली अनेक सुविधाओं को समाप्त कर रही है। मांगों को अनसुना किया जा रहा है। ऐसे में आन्दोलन की धार तेज करना होगा।कोषागार कर्मचारी संघ अध्यक्ष अखिलेश पाठक, सिंचाई संघ अध्यक्ष सुभाष मिश्रा, दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ अध्यक्ष अशोक सिंह, डिप्लोमा इंजीनियर महासंघ के अध्यक्ष ई. अभिषेक सिंह, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मण्डल मंत्री ई. राजेश श्रीवास्तव, ग्राम्य विकास मिनीस्ट्रीरियल मंत्री सुजीत कुमार, पेंशनर्स कल्याण संस्था के अध्यक्ष जलालुद्दीन कुरैशी, मंत्री बद्री प्रसाद चौधरी, कृषि मिनीस्ट्रयल कर्मचारी संघ के मंत्री अमन प्रताप सिंह, विकास भवन कर्मचारी संघ के महामंत्री ओम प्रकाश आदि ने वी. एन. सिंह के चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि यदि आज वे जीवित होते तो पुरानी पेंशन के साथ ही उत्पीड़न के अनेक मामलो का समाधान हो गया होता। वे आखिरी सांस तक कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष करते रहे। उनके पद चिन्हों का अनुसरण करना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

हत्या मामले में दोषी के गिरफ्तारी की मांग को लेकर भीम युवा वाहिनी ने दिया धरना

मांगे न मानी गई तो पुनः होगा आन्दोलन

बस्ती। सोमवार को भीम युवा वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव, प्रदेश अध्यक्ष अजय राव उर्फ प्रमोद के नेतृत्व में मण्डलायुक्त कार्यालय परिसर में हत्या के एक मामले में पैकोलिया थाना क्षेत्र के पैकोलिया पाली निवासी घनश्याम को मुख्य अभियुक्त बनाये जाने की मांग किया। अनिश्चित धरने को सीओ सिटी के आश्वासन पर स्थगित कर दिया गया।मण्डलायुक्त को दिये पत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू राव और अजय राव उर्फ प्रमोद ने कहा है कि पैकोलिया थाना क्षेत्र के पैकोलिया पाली निवासी तिलकराम की गत 8 अप्रैल को साजिशन हत्या कर दिया गया था। इस मामले में पीड़िता की पत्नी दुर्गावती ने पति के हत्यारों में से मुख्य आरोपी घनश्याम पुत्र जेठू का नाम मुकदमें में बढ़ाते हुए आरोपी के खिलाफ कार्यवाही कराते हुए तत्काल गिरफ्तार कर सजा दिलाये जाने की मांग किया किन्तु कोई सुनवाई नहीं की गई। सम्बन्धित विभाग के द्वारा अभी तक मृतक तिलकराम का मृत्यु प्रमाण पत्र जारी नहीं किया गया। मांग किया कि धारा बढाते हुये घनश्याम की गिरफ्तारी करने के साथ ही तिलकराम का मृत्यु प्रमाण–पत्र जारी कराया जाय। मृतक तिलकराम के हत्या के पूर्व में साजिशन की वाइस रिकार्डिंग की जांच कराते हुए संलिप्त दोषियों के विरूद्ध कानूनी कार्यवाही कराया जाय। चेतावनी दिया कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगे न मानी गई तो पुनः धरना दिया जायेगा।

किसान ने लगाया वनकर्मियों पर मारपीट का आरोप, वन विभाग कार्यालय का घेराव कर जताया विरोध

मड़िहानमीरजापुर। तहसील क्षेत्र के मड़िहान गांव निवासी ग्रामीणों ने सोमवार को वन विभाग कार्यालय का घेराव किया। मड़िहान गांव निवासी रामजी यादव ने आरोप लगाया कि परशीया जंगल से भूसा लादकर घर आते समय वन कर्मियों द्वारा मारपीट की गई जिसमें एक बच्चे का हाथ फैक्चर हो गया, जबरन पैसा और मोबाइल भी छीन लिया गया। घटना के बाद पीड़ित परिवार महिलाओं के साथ मड़िहान स्थित कार्यालय का घेराव किया, और दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई की मांग उठाई। ग्रामीणों ने बताया कि पशुओं के लिए पीड़ित पिता पुत्र मैजिक वाहन पर भूसा लेकर घर जा रहे थे। आरोप है कि रास्ते में वन विभाग के कुछ कर्मियों ने उन्हें रोक लिया और बेवजह अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट की गई, जिससे वे घायल हो गए। इतना ही नहीं, ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि कर्मियों ने जबरन पैसे और मोबाइल भी छीन लिए। घटना की खबर गांव पहुंचते ही लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष वन विभाग कार्यालय पहुंच गए और परिसर के बाहर बैठकर नारेबाजी शुरू कर दी। ग्रामीणों ने कहा कि आए दिन वनकर्मियों द्वारा गरीबों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, जिससे लोगों में भय और असंतोष बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, घायल ग्रामीणों को न्याय दिलाने और दोषी वनकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो आंदोलन और बड़ा किया जाएगा।

छत के रस्ते घर में घुसे चोर, डेढ़ लाख की चोरी का नामजद आरोप

मड़िहान मीरजापुर। थाना क्षेत्र के पचोखरा गांव में रविवार की रात चोरों ने छत के रस्ते घर में घुसकर डेढ़ लाख का सामान पार कर दिया। पचोखरा गांव निवासी शिवराज बहादुर सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि रविवार की रात वह अपने परिवार के साथ घर की छत पर सो रहे थे। इसी दौरान चोर छत के रास्ते घर के भीतर घुस आए। चोर पहले दरवाजा बंद कर दिया ताकि कोई शोर न मचा सके। इसके बाद घर के कमरों और बक्सों को खंगालते हुए जेवर, पीतल का बर्तन और कपड़ा समेत अन्य कीमती सामान समेत ले गए। सुबह जब परिवार की नींद खुली तो घर का नजारा देख सभी के होश उड़ गए। पीड़ित ने गांव के ही तीन लोगों पर नामजद आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपितों द्वारा पहले भी गांव में चोरी की घटनाएं की जाती रही हैं, जिससे ग्रामीणों में डर का माहौल बना हुआ है।

नाबालिग को भगाने व दुष्कर्म करने के आरोपी को किया गिरफ्तार

मड़िहानध्मीरजापुर। थाना सन्तनगर जनपद मीरजापुर पर गत 9 मई 2026 को एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला–फुसला के भगाने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी। उक्त के सम्बन्ध में लिखित तहरीर के आधार पर मामला पंजीकृत कर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना प्रभारी सन्तनगर को निर्देश दिए गए। उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना सन्तनगर पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही करते हुए सोमवार को उप निरीक्षक रामजन्म यादव मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त कल्कटर उर्फ दीपक पुत्र साधु कोल निवासी कुबरी पटेहरा थाना सन्तनगर को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

खाद्य रसद इंस्पेक्टर एवं आफिसर्स एसोशिएशन विंध्याचल मंडल का अधिवेशन सम्पन्न

मीरजापुर। खाद्य रसद इंस्पेक्टर एवं आफिसर्स एसोशिएशन विंध्याचल मंडल मीरजापुर का दो वर्षीय अधिवेशन लल्लू राम बैठक हाल भरूहना, मीरजापुर में मुख्य निर्वाचन अधिकारी धर्मवीर सिंह की उपस्थिति में सकुशल संपन्न हुआ। जिसमें मंडल अध्यक्ष अरूण कुमार तिवारी ने अपने प्रतिद्वंद्वी रविशंकर सिंह को 26 मतों से विजई हुए तथा जिलाध्यक्ष श्वेता पांडेय जिलाध्यक्ष सोनभद्र ने अनूप चौधरी अपने प्रतिद्वंद्वी को भारी मतों से हराकर विजई हुए तथा जिला अध्यक्ष भदोही पीके पांडेय निर्विरोध निर्वाचित घोषित किए गए। मंडल अध्यक्ष अरूण कुमार तिवारी को मुख्य निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रमाण पत्र देते हुए शपथ ग्रहण कराया गया।

बीजेपी सरकार में सिर्फ उद्योगपतियों को बढ़ावा मिलता है डा. शिवकुमार

मीरजापुर। देश के ताजा हालात तथा बढ़ती मंहगाई के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार को घेरते हुए विरोध प्रदर्शन किया है। सोमवार को मीरजापुर में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर मीरजापुर जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में जिलाधिकारी कार्यालय पर पेट्रोल एवं डीजल, सीएनजी गैस के महंगाई के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ शिवकुमार सिंह पटेल ने केंद्र की बीजेपी सरकार द्वारा पेट्रोल एवं डीजल, सीएनजी गैस का रेट बढ़ाए जाने का विरोध करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार जनता एवं किसान विरोधी सरकार है। यह सिर्फ अडानी अंबानी जैसे उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाने का काम कर रही है। कहा कि 1 लाख 32 हजार करोड़ के कच्चे तेल का देश ने तमाम देशों से आयात किया और ६52000 हजार करोड़ रुपए का निर्यात किया। अगर देश में तेल की कमी है तो मोदी जी विदेशों में सप्लाई क्यों दे रहे हैं। देश के जनता को क्यों गुमराह कर रहे हैं? देश और प्रदेश में बढ़ रहे महंगाई एवं बेरोजगारी से युवाओं किसानों और आम जनता परेशान है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक उर्फ राजन पाठक ने कहा कि बीजेपी सरकार के द्वारा बढ़ाए गए पेट्रोल एवं डीजल और गैस के दाम की निन्दा करता हूं। प्रवक्ता छोटे खान ने कहा की केंद्र की बीजेपी सरकार की गलत नीतियों का खामियाजा देश और प्रदेश की जनता एवं किसानों मजदूर और नौजवानों परेशान है। महंगाई ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। सत्ता में जब–जब बीजेपी आती है उद्योगपतियों को फायदा मिलता है। इस दौरान पूर्व चेयरमैन दीपचन्द्र जैन, जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष गुलाब चन्द पांडेय, दुर्गा प्रसाद चौधरी, कांग्रेस नेता राजधर दुबे, रामनाथ दुबे, मनीष दुबे, कमलेश दुबे, कपिल कुमार सोनकर, अंकुर श्रीवास्तव, आजाद, राम लखन मास्टर, राजेंद्र विश्वकर्मा, राकेश त्रिपाठी, मधु सैलानी, डॉ दिनेश चौधरी, विवेक सिंह, प्रमोद गुप्ता, संतोष बियार उपस्थित रहे।

आंधी-तूफान में गिरे पेड़ से हुई क्षति का आंकलन करने नहीं पहुंची टीम

मीरजापुर। जिले के हलिया थाना क्षेत्र अंतर्गत बरडीहा सरहरा गांव में कच्चे मकान पर गिरे विशाल पेड़ ने मकान को क्षतिग्रस्त करते हुए दो घरों गृहस्थी का सामान नष्ट कर दिया है। वहीं परिजनों को अभी भी शेष बचे घर के ढ़हने का अंदेशा बना हुआ है। बताते चलें कि 13 मई को आएं भीषण आंधी–तूफान ने जिले में जमकर तांडव करते हुए कितने लोगों को बेघर भी कर दिया है। लालगंज तहसील क्षेत्र अंतर्गत हलिया के बरडीहा सरहरा गांव निवासी जगजीवन राम और किशुनलाल सगे भाई हैं जिनका मकान कच्चा खपरैल का होने के साथ ही आपस में जुड़े हुए हैं।

इसी कालेज परिसर ने दी समाज सेवा की प्रेरणा : डा. प्रभाकर सिंह

चित्रकूट / प्रयागराज। ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में आयोजित पुरा छात्र समागम् केवल एक एल्युमनाई मिलन नहीं बल्कि शिक्षाए संस्कार, सामाजिक उत्तरदायित्व और आत्मीय रिश्तों का जीवंत उत्सव बन गया। स्टूडेंट एल्युमनाई एसोसिएशन एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत पूर्व छात्र बड़ी संख्या में शामिल हुए और अपने छात्र जीवन की यादों को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो आनंद शंकर सिंह द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया गया। छात्राओं द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत ने पूरे सभागार को भावविभोर कर दिया।एल्युमनाई एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रो् ज्ञान प्रकाश वर्मा ने कहा कि ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं बल्कि भावनात्मक जुड़ाव का केंद्र है। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय हम सभी पूर्व छात्रों को एक सूत्र में बांधने वाला धागा है। माता.पिता और गुरुजनों के बाद अपने शिक्षण संस्थान के प्रति जिम्मेदारी निभाना हमारा नैतिक कर्तव्य है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो आनंद शंकर सिंहनी अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि महाविद्यालय लगातार प्रगति के नए आयाम स्थापित कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष देश के 22 राज्यों से छात्र.छात्राओं ने प्रवेश लिया है। जो संस्थान की बढ़ती प्रतिष्ठा और गुणवत्ता का प्रमाण है। उन्होंने पूर्व छात्रों से महाविद्यालय के विकास में सतत सहयोग की अपील भी की।

एल्युमनाई एसोसिएशन के सचिव एवं समाजसेवी डॉ प्रभाकर सिंह ने कहा कि इसी महाविद्यालय परिसर ने उनमें समाजसेवा की भावना को जागृत किया। उन्होंने बताया कि छात्र जीवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के दौरान प्राप्त सीख को ही उन्होंने अपने जीवन का आधार बनाया और चित्रकूट क्षेत्र में सामाजिक जागरूकता एवं भयमुक्त वातावरण के लिए पदयात्राओं और जनअभियानों का संचालन किया।
मुख्य अतिथि प्रो एनके शुक्ला ने कहा कि उन्होंने अपने लंबे शैक्षणिक जीवन में ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज को निरंतर प्रगति करते हुए देखा है। उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय परिवार की गौरवशाली परंपरा का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी संबद्ध महाविद्यालय उसकी मजबूत शाखाएं हैं।कार्यक्रम में उपस्थित अनेक पूर्व छात्रों ने अपने छात्र जीवन के अनुभव साझा किए। किसी ने कॉलेज की अनुशासन व्यवस्था को याद किया तो किसी ने यहां के गुरुजनों के मार्गदर्शन को अपनी सफलता का आधार बताया। वरिष्ठ पार्षद राजू शुक्ला ने महाविद्यालय के संघर्षपूर्ण इतिहास को याद करते हुए कहा कि यह संस्थान संघर्षए समर्पण और गुणवत्ता की मिसाल है। वहीं विकास पथ सेवा संस्थान चित्रकूट की तरफ से संजय मिश्रा ने कामदगिरि पर्वत की प्रतिमा देकर और पट्टीका पहना करके उनका स्वागत किया।

साइबर फ्राड गिरोह का सदस्य लखनऊ से गिरफ्तार, लाखों की ठगी मामले में कार्रवाई

आजमगढ़ (अर एन एस)थाना साइबर क्राइम पुलिस ने मनी लॉन्ड्रिंग का भय दिखाकर लाखों रुपये की साइबर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से दो मोबाइल फोन और 1600 रुपये नगद बरामद किए हैं।पुलिस के अनुसार महाराजगंज थाना क्षेत्र के झोटीपुर निवासी नागेन्द्र मिश्र से जनवरी 2025 में साइबर अपराधियों ने खुद को साइबर क्राइम अधिकारी बताकर संपर्क किया था। आरोपियों ने मनी लॉन्ड्रिंग में एफआईआर दर्ज होने और गिरफ्तारी का डर दिखाकर विभिन्न खातों में कुल 34 लाख 87 हजार 998 रुपये जमा करा लिए थे। मामले में थाना साइबर क्राइम में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।विवेचना के दौरान पुलिस पहले ही गुजरात से कौशिक सरवैया और भगीरथ सिंह जाला तथा गोरखपुर से आदिल हुसैन को गिरफ्तार कर चुकी है। इसी क्रम में शनिवार को प्रकाश में आए आरोपी मो. रियाज उर्फ तन्नू निवासी उदयगंज, थाना हुसैनगंज, लखनऊ को गिरफ्तार किया गया।पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर टेलीग्राम और व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से विदेशी साइबर अपराधियों के संपर्क में रहता था। गिरोह साइबर अपराध से अर्जित धनराशि के लेनदेन के लिए बैंक खाते उपलब्ध कराता था। खातों में आई रकम निकालकर हिस्सा बांट लिया जाता था और शेष रकम न्क्ज खरीदकर विदेशों में ट्रांसफर कर दी जाती थी।

सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने को आजमगढ़ में क्रिटिकल टीम प्रभारियों का पुनः प्रशिक्षण

आजमगढ़ (अर एन एस)सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने और यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के उद्देश्य से आजमगढ़ में थ्व कार्ययोजना के अंतर्गत क्रिटिकल कॉरिडोर टीम प्रभारियों का पुनः प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस एवं एनआईए की संयुक्त टीम ने सड़क सुरक्षा और दुर्घटना नियंत्रण से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया।प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (यातायात) ने पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के परिपत्र संख्या 42ध2025 के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। इसके बाद निरीक्षक यातायात एवं एनआईए की टीम ने यातायात प्रबंधन, सड़क सुरक्षा, गोल्डन ऑवर रिस्पांस और दुर्घटना नियंत्रण को लेकर विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया।कार्यक्रम के दौरान सड़क हादसों के प्रमुख कारणों की पहचान, प्रभावी रोकथाम की रणनीति, दुर्घटनाओं में मृत्युदर कम करने तथा संवेदनशील चौराहों पर जाम की स्थिति से निपटने के उपायों पर चर्चा की गई। साथ ही दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर में घायलों को त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने में क्रिटिकल टीम की भूमिका भी समझाई गई।

बच्चों के विवाद में दंपती को पीटा, चार पर रिपोर्ट दर्ज

चित्रकूट। सीतापुर चौकी क्षेत्र के चौगलिया मोहल्ले में बच्चों के झगड़े में उलाहना देने गए दंपती को डंडों से पीट दिया गया। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। घायल दंपती का जिला अस्पताल में इलाज कराया गया। चौगलिया निवासी चुन्नू सोनकर ने बताया कि नौ वर्षीय बेटा रोहन खेल रहा था। भतीजे राहुल से विवाद हो गया। आरोप है कि राहुल ने रोहित, रवि व एक अन्य के साथ मिलकर रोहन को पीटा। उलाहना देने जब चुन्नू पत्नी तुलसा व बेटे के साथ पड़ोस पहुंचा तो आरोपियों ने डंडों से हमला कर दिया। चौकी प्रभारी यदुवीर सिंह ने बताया कि दो परिवारों के बीच विवाद हुआ है। घायल दंपती को अस्पताल भेजा गया। आरोपियों पर कार्रवाई की गई है। मामले की जांच जारी है।

चित्रकूट स्पोर्ट्स एकेडमी की टीम दिल्ली दौरे पर रवाना

चित्रकूट। चित्रकूट स्पोर्ट्स एकेडमी की अंडर–19 क्रिकेट टीम चार दिवसीय दौरे के लिए सोमवार शाम दिल्ली रवाना हो गई। टीम दिल्ली, बिहार व यूपी की टीमों के साथ त्रिकोणीय सीरीज खेलेगी। एसडीएम कॉलोनी मैदान में कड़ा अभ्यास करने के बाद खिलाड़ी ट्रेन से रवाना हुए। प्रमुख कोच संतोष धुरिया ने बताया कि टीम हाल ही में वाराणसी दौरे से लौटी है, जहां तीन मैचों की सीरीज 2–1 से जीती थी। अब दिल्ली से आमंत्रण मिलने पर टीम वहां मुकाबले खेलेगी। टीम में कप्तान शुभ केसरवानी, आशू धुरिया, ओम यादव, आर्यन खान, देव गोस्वामी, शिवम शुक्ला, शुभम यादव, हिमांशु निषाद, अनुराग, अमन, कार्तिकेय, आर्यन, अनूप, शिवेंद्र, रुद्र, आलोक, आशीष, राजवीर व वैभव शामिल हैं।

उंचाडीह की वृहद गौशाला का सीडीओ ने किया निरीक्षण

चित्रकूट। सीडीओ डीपी पाल ने विकास खण्ड मानिकपुर के ग्राम पंचायत ऊँचाडीह की वृहद गौशाला का निरीक्षण किया। इस दौरान गौशाला में पांच केयरटेकर थे। लगभग 400 गोवंश संरक्षित पाए गए। गौशाला में एक भूसा घर बना हुआ है। करीब 200 कुन्तल भूसा पाया गया तथा गोवंशों के लिए हरे चारे की भी व्यवस्था मिली। 36 कुन्टल पशु आहार, चार टीन शेड, भूसा चरही, तीन पेयजल चरही बनी हुयीं है। गौवंशों के पेयजल के लिए समरसेबल से पानी की आपूर्ति की जा रही है। गौशाला में साफ सफाई निरतंर किये जाने की आवश्यकता हैं। गौशाला में गोवंशों की गर्मी से बचाव के लिए पंखें व मैटी की व्यवस्था की गयी हैं। निरंतर निगरानी को सीसीटीवी कैमरे लगे हुये है। उनको मुख्य पशुचिकित्साधिकारी कार्यालय में लिंक नही कराया गया हैं। गर्मी से बचाव के लिए छप्पर बनाये जाने के निर्देश के बावजूद छप्पर नही बनाया गया हैं। सीडीओ ने कहा कि सीसीटीवी लिंक होने तथा छप्पर की व्यवस्था किये जाने के बाद ही ग्राम पंचायत सचिव का वेतन आहरित किया जाये। गौशाला के तीन तरफ काफी जगह खाली है। जिस पर पीपल, बरगद एवं पाकड़ के वृक्ष लगाये जाने के निर्देश दिये गये। पशु चिकित्साधिकारी मानिकपुर एवं खण्ड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि गोशाला में संरक्षित गोवंशों के भरण पोषण के लिए अपेक्षित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायें तथा गौशाला में समुचित साफ सफाई होना चाहिए।

मंदाकिनी नदी के कायाकल्प को वृहद सफाई अभियान जारी

चित्रकूट। मंदाकिनी नदी की स्वच्छता, अविरलता और सौंदर्य को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन द्वारा विशेष मुहिम की शुरुआत की गई है। डीएम पुलकित गर्ग के निर्देशन पर रामघाट स्थित मंदाकिनी नदी में वृहद सफाई अभियान पूरी सजगता के साथ चलाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए 'उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड को कार्यदायी संस्था नियुक्त किया गया है। कार्यदायी संस्था की देखरेख में अनुबंधित तकनीकी फर्म नारायण इंजीनियर्स इंफ्राटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आधुनिक उपकरणों और मैनपावर के माध्यम से नदी की तलहटी से काई, जलकुंभी एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। डीएम इस अभियान की प्रगति की नियमित समीक्षा कर रहे हैं। ताकि कार्य गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित समयसीमा के भीतर संपन्न हो सके। अभियान का मुख्य उद्देश्य मंदाकिनी के प्रा.तिक स्वरूप को बहाल करना और जलीय पारिस्थितिकी को सुरक्षित करना है। डीएम ने कहा कि मंदाकिनी नदी चित्रकूट की सांस्.तिक और आध्यात्मिक धरोहर है। इसकी स्वच्छता हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यदायी संस्था और ठेकेदार को कड़े निर्देश दिए गए हैं कि सफाई कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। आम जनमानस से भी अपील है कि वे नदी को स्वच्छ रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

जनगणना 2027 जिलाधिकारी की स्व गणना की सफल प्रभावी रणनीति, बनी प्रदेश में चर्चा का विषय

आजमगढ़, (अर एन एस)जनगणना 2027 के अंतर्गत संचालित ऑनलाइन स्वगणना अभियान में जनपद आजमगढ़ ने ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम दर्ज करते हुए दो लाख 40 हजार से अधिक स्वगणना पूर्ण कर प्रदेश में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। स्वगणना अभियान की इस उल्लेखनीय सफलता के साथ आजमगढ़ उत्तर प्रदेश में आईकान के रूप में उभरकर सामने आया है। प्रमुख जनगणना अधिकारीध जिलाधिकारी रविंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना तथा जिला जनगणना अधिकारीध अपर जिलाधिकारी (विध्रा) गंभीर सिंह के कुशल मार्गदर्शन एवं निर्देशन में, समस्त वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण तथा संपूर्ण टीम के सामूहिक प्रयास, उत्कृष्ट समन्वय एवं अथक परिश्रम से यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई है।18 मई की देर शाम तक प्राप्त आंकड़ों के अनुसार जनपद आजमगढ़ लगभग 2 लाख 40 हजार स्वगणना के साथ लगातार पांचवें दिन भी प्रदेश में प्रथम स्थान पर बना हुआ है। वहीं स्वगणना अभियान में लगभग बरेली 2 लाख 12 हजार के साथ द्वितीय, शाहजहांपुर 2 लाख 5 हजार के साथ तृतीय,मुरादाबाद 1 लाख 93 हजार के साथ चतुर्थ, तथा सोनभद्र 1 लाख 57 हजार स्वगणना के साथ पंचम स्थान पर अग्रसर हैं।जनपद आजमगढ़ में पहली स्वगणना से लेकर दो लाख 40 हजार स्वगणना तक की यह यात्रा जनभागीदारी, प्रशासनिक प्रतिबद्धता, समर्पण एवं टीम भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह उपलब्धि न केवल प्रशासनिक दक्षता को प्रदर्शित करती है, बल्कि डिजिटल भारत की दिशा में जनपदवासियों की सक्रिय सहभागिता को भी दर्शाती है।स्वगणना अभियान को सफल बनाने में योगदान देने वाले जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों, प्रगणकों, सुपरवाइजरों, स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों एवं समस्त जनपदवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई हैं।जनपद प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में ऑनलाइन स्वगणना कर इस राष्ट्रीय अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें तथा नए भारत की डिजिटल जनगणना को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें।

अब ठोस सोना नहीं, सिर्फ जेवर बेचेंगे सराफा कारोबारी

आजमगढ़ (अर एन एस)वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में सोने के आयात को कम करने के लिए मा. प्रधानमत्री एवं मुख्यमंत्री उ0प्र0 के अपील के क्रम में आयुक्त राज्य कर उत्तर प्रदेश के निर्देशो के अनुपालन में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में एवं मुख्य विकास अधिकारी परीक्षित खटाना,अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह, संयुक्त आयुक्त (कार्यपालक) राज्य कर एवं संयुक्त आयुक्त (वि०अनु०शा०), राज्य कर आजमगढ़, पुलिस उपाधीक्षक शुभम तोदी की उपस्थिति में बुलियनध्सर्राफा एसोसिएशन के साथ बैठक सम्पन्न हुई।जिलाधिकारी रविंद्र कुमार द्वारा सराफा व्यापारियों से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए बुलियन की खरीद एवं बिक्री को वर्तमान स्थिति के दृष्टिगत कम करने की अपील की गयी। बैठक के दौरान विस्तार से अवगत कराया गया कि भारत विश्व के सबसे बड़े स्वर्ण आयातक देशों में शामिल है तथा प्रति वर्ष बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा, पेट्रोलियम पदार्थों के आयात के साथ ही साथ सोने के आयात पर व्यय होती है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मध्य एशिया में छिड़े युद्ध एवं वैश्विक अस्थिरता के कारण डॉलर की माँग एवं आयात में वृद्धि होने से देश में विदेशी मुद्रा भंडार पर अतिरिक्त दबाव उत्पन्न हो रहा है।जिलाधिकारी ने उपस्थित सरार्फा व्यापार संघ के पदाधिकारियों एवं व्यापारियों को बताया की सोने की कीमतों में निरन्तर वृद्धि देखी जा रही है जिससे आम उपभोक्ताओं पर भी उसका विपरीत आर्थिक प्रभाव पड़ रहा है । ऐसी परिस्थितियों में बुलियन (सोने–चांदी की ईंटधबिस्कुट एवं ठोस सोने) की अनावश्यक खरीद–बिक्री को सीमित किया जाये तो आयात में कमी लाकर विदेशी मुद्रा की बचत करते हुए देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की जा सकती है।बैठक में उपस्थित सरार्फा व्यापारियों एवं एसोशिएशन के पदाधिकारियों द्वारा प्रशासन की अपील का समर्थन करते हुए राष्ट्रहित में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया गया। व्यापारियों ने कहा कि आजमगढ़ जनपद में अधिकांश व्यापार सोने–चांदी के आभूषणों की खरीद–बिक्री पर ही आधारित है जिसमें बड़ी संख्या में उपभोक्ता अपनी पुरानी ज्वैलरी के बदले नई ज्वैलरी खरीदते हैं। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक संकट के दौर में राष्ट्र की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने हेतु स्थानीय स्तर पर बुलियन का क्रय–विक्रय सामान्य परिस्थितियों में नहीं करेगें।

21 मई को 17 परीक्षा केन्द्रों पर 7680 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे लेखपाल मुख्य परीक्षा में

आजमगढ़ (अर एन एस)उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग लखनऊ द्वारा आयोजित लेखपाल मुख्य परीक्षा 21 मई 2026 को (पूर्वान्हन 10 से 12 बजे तक) आयोजित किया जाना प्रस्तावित है, जिसमें जनपद आजमगढ़ में निर्धारित 17 परीक्षा केन्द्रों पर कुल 7680 परीक्षार्थी सम्मिलित हो रहे है, परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी रविंद्र कुमार के कुशल मार्गदर्शन व निर्देशन में अपर जिलाधिकारी विध्रा गंभीर सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक संपन्न हुआ। परीक्षा के सफल एवं शान्तिपूर्ण संचालन हेतु परीक्षा केन्द्रों के आस–पास 200 मीटर की परिधि में भारतीय न्याय संहिता की धारा–163 लगाये जाने व ध्वनि विस्तारण यन्त्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल फोन एवं आई०टी० गजेट्स ले जाना पूर्णतया प्रतिबन्धित करने व इस हेतु परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त पुलिस कर्मी अभ्यर्थियों की तलाशी हेतु तैनात करने, अनुचित साधनों का प्रयोग रोकने तथा प्रश्नपत्र के रख–रखाव एवं उनके संचरण के मध्य समुचित सुरक्षा सुनिश्चित कराने के लिए आवश्यक प्रशासनध पुलिस बल उपलब्ध कराने, अन्य कोई कठिनाई जो सुरक्षा सुनिश्चित से सम्बन्धित हो, का निराकरण कराया जाने तथा प्रत्येक परीक्षा केन्द्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं एक स्टैटिक मजिस्ट्रेट तैनात किये जाने की तैयारी की गयी है। सभी सेक्टर व स्टेटिक मजिस्ट्रेट तथा सम्बंधित अन्य अधिकारीगण उक्त बैठक में उपस्थित रहें। बैठक के बाद सभी सेक्टर एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपने–अपने परीक्षा केन्द्र का भ्रमण करेगें तथा केन्द्र व्यवस्थापक और सहायक केन्द्र व्यवस्थापक से सम्पर्क करके सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करायेंगे।प्रश्न पत्र के पैकेट खोलने के पूर्व यह सुनिश्चित कर ले कि पैकेट उसी केन्द्र के लिए ही है। प्रश्न पत्र खोले जाने तथा समय की वीडियो रिकार्डिंग कराया जाना अनिवार्य है तथा इस आशय के प्रमाण पत्र पर हस्ताक्षर लिये जायेंगे। स्टैटिक मजिस्ट्रेट अपनी देख–रेख में शुचितापूर्ण ढंग से परीक्षा को सम्पादित करायेंगे। समस्त केन्द्र व्यवस्थापक नकल विहीन, निर्विघ्न एवं सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराये जाने तथा परीक्षा हेतु आवश्यक व्यवस्था हेतु उत्तरदायी होगें। जनपद में धारा 163 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 पूर्व से ही प्रवृत्त है जिसके दृष्टिगत परिक्षा केन्द्रों के आस–पास 200 मीटर की परिधि में और आश्यकता पड़ने पर उसके बाहर भी केन्द्र व्यवस्थापक, कक्ष निरीक्षक, परीक्षार्थी व ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों के अतिरिक्त कोई अन्य व्यक्ति प्रवेश नहीं करेगा तथा परीक्षा तिथि 21 मई को 200 मीटर की परिधि में और आवश्यकता पड़ने पर उसके बाहर भी फोटो स्टेटध्कॉपीयर की दुकानें बंद रहेंगी। कोई भी व्यक्ति या परीक्षार्थी किसी भी प्रकार का शस्त्रादी लेकर परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं करेगा। कोई भी व्यक्ति परीक्षा केन्द्र परिसर के अन्दर सेलुलरध्मोबाइल फोन, पेजर या अन्य कोई इलेक्ट्रानिक वस्तु लेकर प्रवेश नही करेगा। परीक्षा केन्द्र के आस–पास ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग तथा परीक्षा परिसर में मोबाइल फोन तथा परीक्षा अवधि में पी०सी०ओ०, फैक्स व इन्टरनेट या अन्य कोई इलेक्ट्रॉनिक वस्तु का संचालन पुर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा।

पात्र लाभार्थियों को बिना देरी मिलेगा योजना का लाभ रु सीएमओ डा. एन. आर. वर्मा

आजमगढ़ (अर एन एस) आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत संचालित विशेष आयुष्मान कार्ड अभियान के तृतीय चरण को प्रभावी बनाने के लिए जनपद स्तर पर नई व्यवस्था लागू की जा रही है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन. आर. वर्मा ने बताया कि यह अभियान 15 मई से 14 अगस्त तक संचालित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से अधिक से अधिक पात्र परिवारों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनाते समय लाभार्थियों की पहचान ई–केवाईसी प्रक्रिया के माध्यम से सत्यापित की जाती है। अधिकांश मामलों में आधार कार्ड और सरकारी अभिलेखों का विवरण पूरी तरह मेल खाने पर कार्ड स्वतः स्वीकृत हो जाता है, लेकिन कई बार नाम, उम्र, पता अथवा अन्य विवरणों में अंतर होने के कारण आवेदन लंबित हो जाते हैं। कई मामलों में सिस्टम द्वारा दर्ज विवरणों का मिलान कम स्तर का पाया जाता है, जिसे तकनीकी भाषा में "लो मैच स्कोर" कहा जाता है। उदाहरण के तौर पर यदि आधार कार्ड में नाम, वर्तनी, जन्मतिथि या अन्य विवरण सरकारी रिकॉर्ड से थोड़ा अलग हो, तो सिस्टम आवेदन को स्वतः स्वीकृत नहीं करता और उसे जांच हेतु लंबित श्रेणी में भेज देता है। ऐसे मामलों में प्रत्येक आवेदन की अलग–अलग जांच और सत्यापन आवश्यक होता है।सीएमओ ने बताया कि इन लंबित मामलों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के उद्देश्य से स्टेट हेल्थ एजेंसी (साचिस) द्वारा प्रत्येक जनपद को विशेष एसएचए बीआईएस आईडी उपलब्ध कराई जा रही है। यह एक अधिकृत डिजिटल लॉगिन आईडी होगी, जिसके माध्यम से जनपद स्तर पर नामित अधिकारी लंबित आयुष्मान कार्ड आवेदनों की जांच कर सकेंगे।उन्होंने बताया कि इस आईडी के माध्यम से अधिकारी आवेदन में दर्ज विवरण, आधार संबंधी जानकारी एवं उपलब्ध अभिलेखों का मिलान कर पात्रता की पुष्टि करेंगे तथा नियमानुसार आवेदन को स्वीकृत अथवा निरस्त करने की कार्रवाई कर सकेंगे। इससे लंबे समय से लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण होगा और पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से आयुष्मान योजना का लाभ मिल सकेगा।

बढ़ते तापमान व हीटवेब को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

चित्रकूट। जनपद में लगातार बढते तापमान और हीटबेव के खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग अत्यधिक सवेंदनशील हो गया है। उपचार के लिए चिकित्सालयो में आये हुए मरीजो एंव तीमारदारो को गर्मी से बचाव के तरीके बताते हुए चिकित्सा इकाईयो पर मरीजो को आवश्यक औषधियो के साथ ओआरएस, ग्लूकोज, जिंक टेबलेट का वितरण किया जा रहा है। पीने के लिए ठडें पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करायी जा रही है। हीटबेव से बचाव को तत्काल समस्त सीएचसी में कोल्डरूम, आईवी लूड, ओआरएस पैकेट एंव अन्य औषधियो की समुचित व्यवस्था के लिए अधीक्षको को निर्देशित किया गया है। ब्लॉक के अन्तर्गत संचालित पीएचसी, आयुष्मान आरोग्य मंदिरो एंव आगनबाडी केन्द्रो में भी समस्त प्रकार की औषधियो की समुचित व्यवस्था करते हुए ब्लॉक इकाईयो में गर्मी के कारण हीटवेब से बचाव के पर्याप्त तैयारी कर ली गयी है। समस्त इकाईयो में तैनात चिकित्सक एंव पैरामेडिकल स्टाफ एलर्ट मोड पर है। हीटवेब से प्रभावित मरीज के उपचार के लिए वार्ड को आरक्षित करते हुए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गयी है। हीटबेव का मुख्य रूप से प्रभाव बच्चो पर होता है। जिसके लिए शिक्षा विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए बच्चो की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाये जा रहे है।

विशेष लोक अदालत का आयोजन मा0 सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21, 22 तथा 23 अगस्त को आयोजित

आजमगढ़ (अर एन एस)सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण आजमगढ़ नितिका राजन द्वारा बताया गया कि न्याय को सरल एवं सुलभ तरीके से घर–घर तक पहुंचाने तथा आपसी सहभागिता और सहमति से न्याय की भावना को मूर्त रूप देने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समाधान समारोह, 2026 का आयोजन 21 अप्रैल, 2026 से आरम्भ किया गया है, जिसकी परिणति 21, 22 तथा 23 अगस्त, 2026 को विशेष लोक अदालत के आयोजन के साथ होगी। विशेष लोक अदालत का आयोजन माननीय सर्वोच्च न्यायालय परिसर में 21, 22 तथा 23 अगस्त को होगा, जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित मामले शामिल किये जायेगे। विशेष लोक अदालत से पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन राज्यधजिलाध्तालुकाध उच्च न्यायालय विधिक सेवा प्राधिकरण ध समिति स्थित मध्यस्थता केन्द्र में किया जायेगा। इस समाधान समारोह (विशेष लोक अदालत) के आयोजन का लक्ष्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित उपयुक्त मामलों का सुलह एवं आपसी सहमति से निष्पादन करना है।सम्मानित अधिवक्तागण, वादकारियों तथा अन्य सभी सम्बन्धित पक्षों से इस अभियान में सक्रिय रूप से भागीदारी के लिए आमंत्रित किया जाता है।

विश्व उच्च रक्तचाप दिवस पर मंडलीय चिकित्सालय में चला व्यापक स्क्रीनिंग अभियान

आजमगढ़ (अर एन एस)आज विश्व स्वास्थ्य संगठन के आह्वान पर मनाए जा रहे विश्व उच्च रक्तचाप दिवस–2026 के अंतर्गत मंडलीय जिला चिकित्सालय में व्यापक जनजागरूकता एवं स्क्रीनिंग अभियान आयोजित किया गया। शासन से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस अभियान का उद्देश्य आमजन को उच्च रक्तचाप के प्रति जागरूक करना, समय रहते जांच कराने हेतु प्रेरित करना तथा आवश्यक परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना रहा।अभियान के दौरान उस समय उपस्थित मरीजों एवं जनसामान्य में विशेष उत्सुकता और जागरूकता का माहौल देखने को मिला, जब एनसीडी कार्यक्रम के नोडल अधिकारी एवं डिप्टी सीएमओ डॉ. मोहन लाल स्वयं मरीजों का ब्लड प्रेशर परीक्षण करने लगे। उन्होंने जांच के उपरांत आवश्यकतानुसार मरीजों को दवाएं उपलब्ध कराईं तथा जीवनशैली, खानपान और नियमित जांच संबंधी महत्वपूर्ण चिकित्सीय परामर्श भी दिया।स्क्रीनिंग गतिविधियों में मंडलीय चिकित्सालय में तैनात डॉ. नवनीत गुप्ता ने सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं स्टाफ नर्स पुरुष एवं महिला वर्ग से क्रमशः पवन कुमार सिंह और नीतू राय ने निरंतर सहयोग करते हुए मरीजों की जांच, पंजीकरण एवं परामर्श व्यवस्था को सुचारु बनाए रखा।

यूपी व सीबीएसई बोर्ड के टश्पर्स, प्रधानाचार्य और शिक्षकों का भी मिला सम्मान

चित्रकूट। नगर की अग्रणी समाजसेवी संस्था आयुष्मान वानप्रस्थ विश्वविद्यालय यूथ्रीए द्वारा आयोजित मेधा सम्मान समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में उत्.ष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह में यूपी बोर्ड और सीबीएसई के कुल 88 मेधावियों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जिले की टॉप–10 सूची में शामिल 75 छात्र–छात्राओं के साथ विभिन्न विषयों में शत प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 13 विद्यार्थियों को विशेष सम्मान दिया गया। सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों में हाईस्कूल परीक्षा आयुक्ता सिंह, मोहित मिश्रा, ईशांश सिंह, श्लोक शर्मा, तनिष्क, शोभित सिंह, सूरज, मीनाक्षी, मुस्कान, राजबीर, आयुषी शुक्ला, वैभव समेत अन्य छात्र–छात्राएं शामिल रहीं।

विज़डम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, बुधवार 20 मई 2026
sheelshukla100@gmail.com

सीएसके में एमएस धोनी के रोल पर कोच फ्लेमिंग का खुलासा, उन्होंने खेला नहीं, लेकिन प्रभाव बहुत बड़ा है

सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल 2026 में एक भी मैच न खेलने के बावजूद एमएस धोनी के प्रभाव को सराहा है, विशेषकर युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में। एसआरएच से हार के बाद सीएसके की प्लेऑफ की राह मुश्किल हो गई है, लेकिन फ्लेमिंग का मानना है कि धोनी की मौजूदगी टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण बनी हुई है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि एमएस धोनी ने भले ही अभी तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2026) में नहीं खेला है, लेकिन अनुभवी विकेटकीपर–बल्लेबाज का टीम पर काफी प्रभाव बना हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि टीम के लिए उनकी मौजूदगी बेहद महत्वपूर्ण रही है। ऋतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली सीएसके ने सोमवार को चेपौका में सीजन का अपना आखिरी घरेलू मैच खेला और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से पांच विकेट से हार के बाद आईपीएल 2026 प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा।गौरतलब है कि धोनी, जो इस सीजन में सीएसके के किसी भी मैच में नहीं खेले हैं, से एसआरएच के खिलाफ मुकाबले में प्लेइंग इलेवन में वापसी की उम्मीद थी। हालांकि, पिंडली की चोट से उबर रहे 44 वर्षीय धोनी इस मैच में भी नहीं खेले। हालांकि धोनी अभी तक सीएसके के किसी भी मैच में नहीं खेले हैं, लेकिन कोच फ्लेमिंग ने कहा कि पूर्व कप्तान टीम से लगातार जुड़े रहे हैं और उनका टीम पर काफी प्रभाव है, खासकर युवा खिलाड़ियों के मार्गदर्शन और टीम में निरंतरता बनाए रखने में।मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में फ्लेमिंग ने कहा कि एमएस (धोनी) इस साल काफी समय से टीम के साथ हैं, जो टीम के लिए, कई युवा खिलाड़ियों के लिए और टीम में निरंतरता बनाए रखने के लिए बहुत महत्वपूर्ण रहा है। इसलिए, उनका

टीम में बड़ा योगदान रहा है। भले ही उन्होंने मैच नहीं खेला है, लेकिन टीम पर उनका काफी प्रभाव रहा है। पॉइंट्स टेबल में फिलहाल छठे स्थान पर काबिज सीएसके को अपने बचे हुए मैच में जीत हासिल करनी होगी और इसके लिए पंजाब किंग्स, राजस्थान रॉयल्स और दिल्ली कैपिटल्स को अपने बचे हुए मैच हारने की जरूरत है। एसआरएच के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करते हुए सीएसके ने संजू सैमसन की तेज शुरुआत और देवाल्ड ब्रेविस और शिवम दुबे के योगदान से 180д7 का स्कोर बनाया, लेकिन कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में एसआरएच के गेंदबाजों की लगातार विकेटों ने उन्हें मजबूत अंत करने से रोक दिया। जवाब में, एसआरएच ने बीच–बीच में विकेट गिरने के बावजूद साझेदारियों के जरिए मैच पर नियंत्रण बनाए रखा। ईशान किशन ने शानदार 70 रन बनाकर टॉप स्कोर किया, जबकि क्लासेन के तेज 47 रनों ने बीच के ओवरों में लय बनाए रखी।

एमएस धोनी का युग समाप्त? शरीर कमजोर है बयान के साथ आईपीएल पर लग सकता है विराम

आईपीएल 2026 में चोट के कारण एक भी मैच न खेल पाने के बाद एमएस धोनी ने संन्यास के संकेत दिए हैं। सुरेश रैना द्वारा अगले सीजन खेलने के आग्रह पर धोनी ने जवाब दिया, श्मेरा शरीर थोड़ा कमजोर हैश, जिसे उनके शानदार करियर के अंत का सबसे स्पष्ट संकेत माना जा रहा है।एमएस धोनी ने चेपॉक में औपचारिक रूप से संन्यास की घोषणा नहीं की, लेकिन आईपीएल 2026 के चेन्नई सुपर किंग्स के आखिरी घरेलू मैच के बाद उनके अपने शब्दों में संन्यास की घोषणा का ही सार था। पिंडली की चोट के कारण पूरा सीजन मिस करने के बाद, धोनी सनराइजर्स हैदराबाद से पांच विकेट से मिली हार के बाद सीएसके टीम के साथ मैदान के चक्कर में शामिल हुए। उस रात पहले से ही लग रहा था कि सब कुछ खत्म हो गया है। सीएसके हार चुकी थी। प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी उम्मीदें लगभग खत्म हो चुकी थीं। चेपॉक स्टेडियम में दर्शकों ने पूरे सीजन धोनी को फिर से पीली जर्सी में देखने का इंतजार किया था, लेकिन उन्हें अपने आखिरी घरेलू मैच में खेलने के बजाय सिर्फ धन्यवाद देने के लिए मैदान के चक्कर में शामिल होते देखना पड़ा। तभी धोनी के लंबे समय के सीएसके साथी और फ्रेंचाइजी के सबसे भावुक आवाजों में से एक सुरेश रैना ने उनसे एक और सीजन खेलने की उम्मीद जगाने की कोशिश की। मैच के बाद स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए, रैना ने मैदान के चक्कर के दौरान धोनी के साथ हुई बातचीत का खुलासा किया। रैना ने धोनी से कहा कि आईपीएल 2026 को सही मायने में विदाई नहीं कहा जा सकता क्योंकि उन्होंने इसमें एक भी मैच नहीं खेला।रैना ने कहा कि मैंने उनसे कहा, 'आपने आईपीएल 2026 के लिए मिस्ड कॉल दी है। यह मान्य नहीं होगी। आपको अगले साल वापसी करनी

होगी। उन्होंने कहा, 'नहीं यार, शरीर थोड़ा वैसा है।' मैंने कहा, 'हम किसी बात पर विश्वास नहीं कर रहे हैं। आपको अगले साल खेलना ही होगा।' यह उनका निजी फैसला है। मुझे लगता है कि वह सकारात्मक हैं। टीम भी फिर से अच्छी तरह से एकजुट हो रही है।हालांकि, सीएसके प्रशंसकों के दिलों में जो बात हमेशा बसी रहेगी, वह रैना की विनती नहीं, बल्कि धोनी का जवाब है। मेरा शरीर थोड़ा कमजोर है एक नाटकीय विदाई बयान नहीं था, जैसा कि आमतौर पर किसी करियर का अंत होता है।

धोनी ने शायद ही कभी इस तरह से काम किया हो। लेकिन एक पूरे आईपीएल सीजन के बाद, जो उन्होंने बेंच पर बैठकर बिताया, यह इस बात की सबसे स्पष्ट स्वीकारोक्ति लग रही थी कि शायद अब उनका शरीर एक और वापसी की अनुमति नहीं देगा।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम का बड़ा दावा, टीम इंडिया अच्छी लय में, जीत का पूरा भरोसा

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम की तैयारियों पर पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने बताया कि बेंगलुरु में अभ्यास शिविर काफी सफल रहा और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली श्रृंखला से टीम अपनी तैयारियों को और पुख्ता करेगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अच्छी स्थिति में है। महिला टी20 विश्व कप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में खेला जाएगा। वनडे विश्व कप विजेता भारत 14 जून को टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा। मंधाना ने यहां एक कार्यक्रम के दौरान पत्रकारों से कहा, ''हमारा अभ्यास शिविर बहुत अच्छा रहा। मैं अभी इस बारे में इतना ही बताना चाहती हूं। मैं इस बारे में कोई विशिष्ट जानकारी नहीं देना चाहती हूं कि हमने किन चीजों पर काम किया है क्योंकि विश्व कप अब काफी करीब है।'उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं यह कहना चाहूंगी कि सभी खिलाड़ी अच्छी स्थिति में दिख रही हैं। उन्होंने बहुत अच्छी तरह से अभ्यास किया है और सभी कड़ी मेहनत कर रहे हैं।'' भारत की 15 सदस्यीय टीम ने बेंगलुरु के सेंटर ऑफ

एक्सीलेंस (सीओई) में अभ्यास शिविर में हिस्सा लिया। वह विश्व कप से पहले मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए 22 मई को रवाना होगी।मंधाना ने कहा, ''हम विश्व कप की तैयारी कर रहे हैं और उससे पहले हमें एक श्रृंखला में खेलना है।

ईशान किशन और पैट कमिंस के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद प्लेआफ में, चेन्नई को 5 विकेट से हराया

ईशान किशन के 70 रन और पैट कमिंस के तीन विकेट की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स को पांच विकेट से हराकर आईपीएल 2026 में प्लेआफ में जगह पक्की कर ली। जीत के लिये 181 रन का लक्ष्य चेपॉक की धीमी विकेट पर आसान नहीं था।ईशान किशन (70 रन) की आतिशी बल्लेबाजी और कप्तान पैट कमिंस (3 विकेट) की कप्तानी गेंदबाजी के दम पर सनराइजर्स हैदराबाद (ैत्भ्) ने सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स (ब्ैज्ञ) को उनके ही घर चेपॉक में 5 विकेट से शिकस्त दे दी। इस धमाकेदार जीत के साथ ही हैदराबाद ने आईपीएल 2026 (प्च्स्- 2026) के प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर ली है। हैदराबाद के अब 16 अंक हो गए हैं और उनका एक मैच बाकी है।ैत्भ् की इस जीत से गुजरात टाइटंस (16 अंक) भी प्लेऑफ में पहुंच गई है, जबकि रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू (18 अंक) पहले ही क्वालीफाई कर चुकी है। अब प्लेऑफ के आखिरी एक स्थान के लिए जंग दिलचस्प हो गई है। चेन्नई के 13 मैचों में 12 अंक हैं और वह अभी भी तकनीकी रूप से दौड़ से बाहर नहीं हुई है।जीत के लिये 181 रन का लक्ष्य चेपॉक की धीमी विकेट पर आसान नहीं था। ईशान ने हालांकि 47 गेंद

की अपनी पारी में सात चौके और तीन छक्के लगाकर इसे आसान बना दिया। हेनरिच क्लासेन ने 26 गेंद में 47 रन बनाये और दोनों ने तीसरे विकेट के लिये 75 रन की साझेदारी करके हैदराबाद को 19 ओवर में पांच विकेट पर 181 रन तक पहुंचाया।सनराइजर्स के अब 16 अंक है और उसे एक मैच और खेलना है। इस नतीजे के बाद गुजरात टाइटंस (16 अंक) भी प्लेआफ में पहुंच गई है। रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू (18 अंक) पहले ही प्लेआफ में पहुंच चुकी है और अब बस एक स्थान के लिये मुकाबला है। चेन्नई के 13 मैचों में 12 अंक है और वह दौड़ से पूरी तरह बाहर नहीं हुई है। मैच में सनराइजर्स ने लक्ष्य का पीछा करते हुए अच्छी शुरूआत नहीं की और ट्रेविस हेड जल्दी आउट हो गए। अभिषेक शर्मा भी 21 गेंद में 26 रन ही बना सके। पावरप्ले में स्कोर एक विकेट पर 45 रन था। क्लासेन को नूर अहमद की गेंद पर 18 के स्कोर पर स्पेंसर जॉनसन ने जीवनदान दिया। इसके बाद क्लासेन और ईशान ने मैच का नक्शा ही बदल दिया। दोनों ने चेन्नई के स्पिनरों अकील हुसैन और नूर को सहजता से खेला।ईशान ने 37 गेंद में 50 रन पूरे किये। वहीं नूर की गेंद पर संजू सैमसन की कुशल स्टम्पिंग का शिकार होकर क्लासेन आउट हो गए। ईशान को अंशुल कम्बोज ने आउट किया लेकिन उस समय सनराइजर्स को जीत के लिये छह रन की ही जरूरत थी। इससे पहले कमिंस ने अनुशासित गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट लिये लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स ने सात विकेट पर 180 रन बना लिये। हैदराबाद के कप्तान कमिंस ने 28 रन देकर तीन विकेट चटकाये।इससे पहले चेन्नई ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया। सैमसन ने टीम को शानदार शुरूआत देते हुए पहले ओवर में नीतिश कुमार रेड्डी को दो चौके और एक छक्का लगाकर 17 रन निकाले। प्रफुल्ल हिंग्से को अगले ओवर में उन्होंने लगातार तीन चौके जड़े।कमिंस तीसरे ओवर में गेंदबाजी के लिये आये और सैमसन को विकेट के पीछे ईशान किशन के हाथों लपकवाया। उर्विल पटेल ने कमिंस को दो छक्के लगाये लेकिन साकिब हुसैन की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे। चेन्नई के कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने कार्तिक शर्मा (19 गेंद में 32 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिये 42 रन जोड़े। कार्तिक ने कुछ परिपक्व शॉट्स लगाये जिनमें हिंगे को छक्का और स्पिनर शिवांग कुमार को लगाया छक्का शामिल है। कमिंस ने उन्हें आफ स्टम्प के बाहर जाती गेंद पर ललचाया और अपर कट लगाकर वह डीप में नीतिश को कैच दे बैठे। इसके बाद गायकवाड़ भी छाती तक आते कमिंस के बाउंसर पर चकमा खा गए और 21 गेंद में 15 रन बनाकर डीप में एशान मलिंगा को कैच देकर लौटे। डेवाल्ड ब्रेविस (27 गेंद में 44) और शिवम दुबे (26) ने पांचवें विकेट के लिये 59 रन जोड़कर चेन्नई को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया।

तिलक वर्मा-श्रीलीला के अफेयर का पर्दाफाश, डाइटिंग की खबरों के पीछे की सच्चाई आई सामने

भारतीय क्रिकेटर तिलक वर्मा और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री श्रीलीला के रिश्ते को लेकर चल रही अटकलों का अंत हो गया है, क्योंकि इन्हें आधारहीन बताया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल दावों के बावजूद, सच्चाई यह है कि दोनों अपने करियर पर केंद्रित हैं और उनके बीच कोई निजी संबंध नहीं है।इन दिनों सोशल मीडिया पर युवा क्रिकेटर तिलक वर्मा और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री श्रीलीला को लेकर काफी चर्चा देखने को मिल रही थी। कई फैन पेज और सोशल मीडिया यूजर्स दोनों के रिश्ते को लेकर तरह–तरह के दावे कर रहे थे। हालांकि अब इस पूरे मामले में नई जानकारी सामने आई है, जिसके बाद इन अफवाहों पर लगभग विराम लग गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार तिलक वर्मा और श्रीलीला एक–दूसरे को डेट नहीं कर रहे हैं। सूत्रों ने साफ तौर पर बताया है कि दोनों के बीच

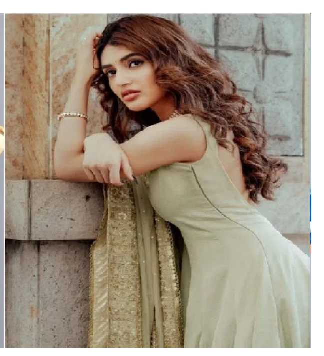

किसी भी तरह का निजी रिश्ता नहीं है। इतना ही नहीं, बताया जा रहा है कि दोनों कभी आमने–सामने मिले भी नहीं हैं और न ही उनके बीच किसी तरह की बातचीत हुई है। बता दें कि इन अफवाहों की शुरुआत सोशल मीडिया पर वायरल कुछ पोस्ट के बाद हुई थी। कुछ लोगों ने मंदिर दर्शन और अलग–अलग कार्यक्रमों की तस्वीरों को जोड़कर यह दावा करना शुरू कर दिया था कि दोनों एक–दूसरे के करीब हैं। धीरे–धीरे यह चर्चा सोशल मीडिया पर तेजी से फैलने लगी। हालांकि किसी भी तस्वीर या पोस्ट में दोनों साथ नजर नहीं आए थे।सूत्रों के हवाले से सामने आई जानकारी में कहा गया कि बिना किसी प्रमाण के किसी के निजी जीवन को लेकर बातें फैलाना गलत है। गौरतलब है कि सोशल मीडिया पर कई बार चर्चित हस्तियों को लेकर इस तरह की अफवाहें तेजी से वायरल हो जाती हैं, जिनका सच्चाई से कोई संबंध नहीं होता है।अगर श्रीलीला की बात करें तो उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा में कम समय में अच्छी पहचान बनाई है। फिल्म 'भगवंत केसरी' से उन्हें खास लोकप्रियता मिली थी। इसके बाद वह कई बड़े कलाकारों के साथ काम करती नजर आईं। मौजूद जानकारी के अनुसार वह जल्द ही अभिनेता धनुष की आगामी फिल्म 'धनुष 55' में भी दिखाई देंगी।वहीं तिलक वर्मा इस समय आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस की ओर से खेल रहे हैं। हालांकि इस सीजन उनका प्रदर्शन मिला–जुला रहा है। उन्होंने अब तक 12 मुकाबलों में 336 रन बनाए हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और दो अर्धशतक भी निकले हैं। बावजूद इसके मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है।गौरतलब है कि तिलक वर्मा भारतीय क्रिकेट के उभरते हुए बल्लेबाजों में गिने जाते हैं और आने वाले समय में उन्हें भारतीय टीम का अहम खिलाड़ी माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर श्रीलीला भी दक्षिण भारतीय सिनेमा की तेजी से उभरती हुई अभिनेत्रियों में शामिल हैं।

देश के मंदिरों के सोने पर सरकार का कोई इरादा नहीं, वित्त मंत्रालय ने अफवाहों को किया खारिज

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों, दरवाजों या अन्य संरचनाओं पर लगे सोने को ''भारत के सामरिक स्वर्ण भंडार'' के रूप में मानने के दावे भी झूठे, भ्रामक एवं पूरी तरह निराधार हैं। केंद्र सरकार ने देश के विभिन्न मंदिरों और धार्मिक संस्थानों के पास जमा सोने को लेकर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर चल रही तमाम अफवाहों और अटकलों पर पूरी तरह विराम लगा दिया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को एक आधिकारिक स्पष्टीकरण जारी करते हुए साफ किया कि सरकार का देशभर के मंदिरों के ट्रस्ट या किसी भी धार्मिक संस्थान के पास रखे सोने का मुद्रीकरण (Monetization) करने का कोई इरादा नहीं है। मंत्रालय ने सख्त लहजे में कहा कि इस तरह के दावे और खबरें पूरी तरह से झूठी, भ्रामक और निराधार हैं, जिनका सच्चाई से कोई वास्ता नहीं है।मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों, दरवाजों या अन्य संरचनाओं पर लगे सोने को ''भारत के सामरिक स्वर्ण भंडार'' के रूप में मानने के दावे भी झूठे, भ्रामक एवं पूरी तरह निराधार हैं। मंत्रालय ने

नागरिकों से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें फैलाएं। अपुष्ट जानकारी फैलाने से अनावश्यक भ्रम उत्पन्न होता है और यह लोगों को गुमराह कर सकता है। सरकार ने सभी नागरिकों से केवल अधिकृत माध्यमों से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की। मंत्रालय ने कहा कि नीतिगत फैसलों या सरकारी योजनाओं से संबंधित कोई भी जानकारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, सरकारी वेबसाइट और सत्यापित सार्वजनिक संचार मंचों के माध्यम से साझा की जाएंगी।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर 90 पैसे की बढ़ोतरी, दो साल बाद रिकार्ड स्तर पर पहुँचे दाम

आखिरी बार कीमतों में वृद्धि अप्रैल 2022 में हुई थी। अब इस वृद्धि के बाद मुंबई में पेट्रोल की कीमत अब 107.59 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 94.08 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 109.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 96.07 रुपये प्रति लीटर है।वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच देश में आम उपभोक्ताओं की जेब पर बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। क हफ्ते से भी कम समय में ईंधन के दामों में यह दूसरी बड़ी वृद्धि है। इससे पहले बीते शुक्रवार को पेट्रोल–डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर का बड़ा इजाफा किया गया था, जो पिछले चार वर्षों में एक दिन की सबसे बड़ी बढ़ोतरी थी। इस ताजा वृद्धि के बाद देश के प्रमुख महानगरों में ईंधन की कीमतें मई 2022 के बाद से अपने उच्चतम स्तर पर पहुँच गई हैं।उद्योग सूत्रों के अनुसार, ईंधन के दाम बढ़ने के बाद नयी दिल्ली में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 98.64 रुपये प्रति लीटर हो गई जो पहले 97.77 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं डीजल की कीमत 90.67 रुपये से बढ़कर 91.58 रुपये हो गई। बीते शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार साल से अधिक समय में पहली बार तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गयी थी।फरवरी में शुरू हुए ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी आई है। इसको देखते हुए सरकारी खुदरा पेट्रोलियम कंपनियों ने अपने बढ़ते नुकसान का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने का निर्णय किया। इससे पहले पश्चिम बंगाल समेत कुछ राज्यों में विधानसभा चुनावों के बीच ईंधन के दाम स्थिर रखे गये थे। विभिन्न राज्यों में मूल्य वर्धित कर (वैट) में अंतर के कारण ईंधन कीमतें अलग–अलग हैं। पेट्रोल और डीजल के अलावा दिल्ली और मुंबई सहित कई शहरों में 15 मई को सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गयी थी।रविवार को सीएनजी की कीमत में फिर से एक रुपये प्रति किलोग्राम की वृद्धि की गयी। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद वैश्विक तेल की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण मार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य के बाधित होने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। इस वृद्धि के बावजूद, खुदरा ईंधन की दरें दो साल पुरानी दरों पर ही स्थिर रखी गईं। सरकार का कहना है कि यह कदम उपभोक्ताओं को बढ़ती वैश्विक ऊर्जा लागत से बचाने के लिए उठाया गया।

विहार में गौतम अडानी की बड़ी सौगात, 150 करोड़ से बनेगा आंख का हास्पिटल, हर साल 3.3 लाख अश्पेरेशन

गौतम अडानी ने बिहार में 150 करोड़ की नेत्र परियोजना के साथ अखंड ज्योति फाउंडेशन को 500 करोड़ की व्यक्तिगत सहायता की घोषणा की है। सारण में शुरू हुई यह परियोजना अडानी समूह की देश के जरूरतमंद इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार की बड़ी प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिससे लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने रविवार को बिहार के सारण जिले में 150 करोड़ रुपये की नेत्र स्वास्थ्य परियोजना का भूमिपूजन किया। इस परियोजना के तहत आंखों के इलाज और नेत्र चिकित्सा प्रशिक्षण के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी।बता दें कि यह परियोजना सारण जिले के मस्तिचक स्थित अखंड ज्योति ट्रस्ट से जुड़ी होगी। यहां पहले से संचालित अखंड ज्योति नेत्र अस्पताल के साथ मिलकर नया स्वास्थ्य ढांचा तैयार किया जाएगा। मौजूद जानकारी के अनुसार,

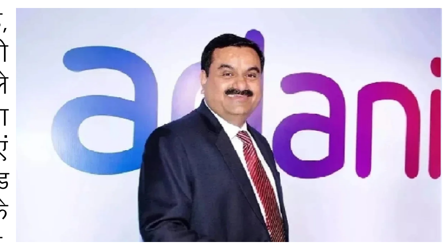

परियोजना पूरी होने के बाद यहां हर साल करीब 3.3 लाख आंखों के ऑपरेशन किए जा सकेंगे और लगभग 1000 नेत्र स्वास्थ्य पेशेवरों को प्रशिक्षण दिया जाएगा।अडानी समूह ने बताया कि इस योजना के तहत "अडानी सेंटर फॉर आई" और "अडानी ट्रेनिंग इन ऑप्थैल्मिक मेडिसिन" नाम से दो बड़े केंद्र विकसित किए जाएंगे। दावा किया जा रहा है कि यह ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं का दुनिया के सबसे बड़े नेटवर्क में से एक बन सकता हैं।भूमिपूजन कार्यक्रम में गौतम अडानी के साथ उनकी पत्नी और प्रीति अडानी भी मौजूद रहीं। इस दौरान अखंड ज्योति ट्रस्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मृत्युंजय तिवारी ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया।गौतम अडानी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वह "सेवा ही साधना है" की सोच में विश्वास रखते हैं। उन्होंने अखंड ज्योति फाउंडेशन के लिए व्यक्तिगत रूप से 500 करोड़ रुपये की सहायता देने की घोषणा भी की। उनका कहना था कि इस सहयोग का उद्देश्य देशभर में दीर्घकालिक मानवीय और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है।

फिल्म सिस्टम का ट्रेलर जारी, अन्याय का पर्दाफाश करने आईं सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका

प्राइम वीडियो ने अपनी आने वाली ओरिजिनल फिल्म सिस्टम का ट्रेलर रिलीज किया है, जो एक दमदार कोर्टरूम थ्रिलर है और ऐसे सिस्टम को चुनौती देती है, जहां ताकत ही सच तय करती है. अश्विनी अय्यर तिवारी के निर्देशन में बनी इस फिल्म को पम्मी बावेजा, हरमन बावेजा और स्मिता बालिगा ने प्रोड्यूस किया है. सिस्टम महत्वाकांक्षा, बदला, न्याय की लड़ाई और नैतिक मूल्यों जैसे यूनिवर्सल थीम को दिखाती है.

हरमन बावेजा, अरुण सुकुमार, अश्विनी अय्यर तिवारी, तसनीम लोखंडवाला और अक्षत घिल्डियाल द्वारा लिखी गई इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा, ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर लीड रोल में नजर आएंगे. इनके साथ प्रीति अग्रवाल, अदिनाथ कोठारे, आश्रिया मिश्रा, गौरव पांडे और सयानदीप सेनगुप्ता अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे. सिस्टम 22 मई को हिंदी में भारत समेत दुनियाभर के 240 से ज्यादा देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव प्रीमियर होगी.

सिस्टम का ट्रेलर नेहा से शुरू होता है, जो सोनाक्षी सिन्हा द्वारा निभाई गई एक दृढ़ निश्चयी युवा वकील है. उसे अपने पिता (आशुतोष गोवारिकर) से एक मुश्किल चुनौती मिलती है कि अगर उसे उनकी फर्म में पार्टनर बनना है तो खुद को साबित करना होगा. इस चुनौती को पूरा करने के लिए वह सारिका (ज्योतिका) को साथ लाती है, जो एक तेज–तर्रार कोर्टरूम स्टेनोग्राफर है और जिसके अपने छिपे हुए मकसद भी हैं.

इसके बाद ट्रेलर में तेज रफ्तार कोर्टरूम लड़ाइयों, उलझे रिश्तों और कई दमदार पलों की झलक देखने को मिलती है, अमीरी के शोर में गरीब की आवाज खो जाती है जैसे असरदार डायलॉग सीधे फिल्म के मुख्य संघर्ष को सामने रखते हैं. ट्रेलर यह सवाल छोड़ जाता है कि ऐसे सिस्टम में जहां असर और ताकत सच पर भारी पड़ सकती है, क्या न्याय मर चुका है या उसके पास अब भी लड़ने का मौका है?

नेहा के किरदार में नजर आने वाली सोनाक्षी सिन्हा, जो फिल्म में एक महत्वाकांक्षी पब्लिक प्रॉसिक्यूटर बनी हैं, कहती हैं, इस किरदार को निभाना मेरे लिए बेहद खास और संतोषजनक अनुभव रहा. मैं हमेशा ऐसी कहानियों की तरफ आकर्षित होती हूं, जो मुझे एक कलाकार के तौर पर चुनौती दें, और प्राइम वीडियो ने मुझे दहाड़ से लेकर अब सिस्टम तक अलग–अलग जॉनर और विषयों को एक्सप्लोर करने का मौका दिया है. यह ओरिजिनल फिल्म सिर्फ एक लीगल ड्रामा नहीं है, बल्कि उस समाज को भी दिखाती है, जिसमें हम जीते हैं, जहां कभी–कभी न्याय भी हमारे आसपास मौजूद सामाजिक ढांचे की तरह बंटा हुआ नजर आता है. अश्विनी के साफ विजन ने मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने में मदद की और अब मैं उत्साहित हूं यह देखने के लिए कि सिस्टम के प्रीमियर पर दर्शकों का क्या रिस्पॉन्स रहता है.

दूसरे दिन आयुष्मान खुराना की फिल्म की कमाई बढ़ी, बक्स आफिस पर किया इतना कलेक्शन

पति पत्नी और वो दो को रिलीज हुए 2 दिन हो गए हैं. फिल्म को मिक्स रिव्यूज मिल रहे हैं. इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भी एवरेज रिस्पॉन्स मिल रहा है. आइए जानते हैं फिल्म ने 2 दिनों में कितना बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है.सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे दिन 5.75 करोड़ का कलेक्शन किया है. फिल्म को 16 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली. फिल्म 6717 शोज पर रिलीज हुई. फिल्म ने पहले दिन 4 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे दिन अब फिल्म की कमाई में ग्रोथ देखने को मिली है. फिल्म ने टोटल 9.75 करोड़ का कलेक्शन किया.ओवरसीज मार्केट में फिल्म को खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है. फिल्म ने दूसरे दिन 1 करोड़ का कलेक्शन किया. ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने टोटल 2 करोड़ का कलेक्शन किया है. वर्ल्डवाइड टोटल 13.70 करोड़ की कमाई की है.फिल्म में आयुष्मान खुराना लीड रोल में हैं. इस के अलावा फिल्म में 3 एक्ट्रेसेस लीड रोल में हैं. फिल्म में सारा अली खान, रकुलप्रीत सिंह और वामिका गब्बी फीमेल लीड में हैं. फिल्म के ट्रेलर में तीनों एक्ट्रेसेस को काफी पसंद किया गया था. फिल्म को मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया है. फिल्म में आयुष्मान खुराना प्रजापति पांडे के किरदार में हैं. वहीं वामिका गब्बी उनकी पत्नी अपर्णा के रोल में हैं. सारा अली खान उनकी पुरानी दोस्त चंचल के रोल में हैं. रकुल प्रीत सिंह उनकी कलीग नीलोफर के रोल में हैं. फिल्म में आयुष्मान खुरान वन विभाग के अधिकार के रोल में हैंआयुष्मान खुराना के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें इससे पहले फिल्म थामा में देखा गया था. अब उनके हाथ में तीन फिल्में हैं. वो उड़ता तीर, ये प्रेम मोल लिया और मुपापा में नजर आएंगे. उड़ता तीर पोस्ट प्रोडक्शन में हैं.

राजा शिवाजी ने 16वें दिन बाक्स आफिस पर किया धमाका, 100 करोड़ क्लब से बस इतना दूर रितेश की फिल्म

रितेश देशमुख की राजा शिवाजी को फैंस ने बहुत प्यार दिया. फिल्म को मराठी भाषा में ज्यादा पसंद किया गया. अब फिल्म 100 करोड़ का आंकड़ा भी जल्द टच करने वाली है. पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ का फायदा फिल्म को मिला. आइए जानते हैं फिल्म ने अब तक कितना कलेक्शन कर लिया है.सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने तीसरे शनिवार यानी 16वें दिन 2.70 करोड़ का कलेक्शन किया. फिल्म को 2172 शोज मिले और फिल्म को 24.9 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली.फिल्म के 16वें दिन के कलेक्शन के आंकड़े ऑफिशियली अभी सामने नहीं आए हैं. पर अगर फिल्म ने 16वें दिन 1. 45 करोड़ का कलेक्शन किया है तो फिल्म का टोटल कलेक्शन 81.10 करोड़ हो गया है.फिल्म ने पहले दिन 11.35 करोड़ कमाए. इसके बाद दूसरे दिन 10.55 करोड़ का कलेक्शन किया. तीसरे दिन फिल्म ने 12 करोड़, चौथे दिन 5.6 करोड़, पांचवें दिन 4. 25 करोड़, सातवें दिन 4 करोड़ का कलेक्शन कर लिया. फिल्म ने पहले हफ्ते में 52.65 करोड़ का बिजनेस कर लिया है.आठवें दिन फिल्म ने 3.2 करोड़, नौवें दिन 5.6 करोड़, दसवें दिन फिल्म ने 6.8 करोड़, 11वें दि 2.4 करोड़, 12वें दिन 2.50 करोड़, 13वें दिन 1.90 करोड़, 14वें दिन 1.90 करोड़ का कलेक्शन किया. दूसरे हफ्ते में फिल्म ने 24.30 करोड़ का बिजनेस किया. 15वें दिन फिल्म ने 1.45 करोड़ का बिजनेस किया. फिल्म ने टोटल नेट 81.10 करोड़ का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन कर लिया है. वहीं ग्रॉस 96 करोड़ की कमाई कर ली है.फिल्म ने हिंदी भाषा में 23 करोड़ और मराठी भाषा में 58.10 करोड़ की कमाई की. फिल्म को रितेश देशमुख ने डायरेक्ट किया है. वो ही फिल्म में लीड रोल में हैं. रितेश के अलावा फिल्म में जेनेलिया डीसूजा, अभिषेक बच्चन, विद्या बालन, संजय दत्त जैसे स्टार्स हैं. फिल्म में सलमान खान ने भी कैमियो रोल प्ले किया है. सलमान के रोल को बहुत सराहा गया.

साड़ी के बाद दिखा अदिति राव का ग्लैमरस अवतार, नियान ड्रेस में लगीं बला की खूबसूरत

अदिति राव हैदरी ने कान्स फिल्म फेस्टिवल में अपनी शानदार मौजूदगी दर्ज कराई. पहले दिन वो ट्रेडिशनल साड़ी लुक में नजर आईं, जिसमें उनका ग्रेस और एलिगेंस लोगों को खूब पसंद आया. वहीं दूसरे दिन उन्होंने स्टाइलिश ड्रेस पहनकर रेड कार्पेट पर एंट्री ली और अपने ग्लैमरस अंदाज से सबका ध्यान खींच लिया. कान्स फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन अदिति राव ने ग्लैमरस लुक में एंट्री ली. एक्ट्रेस ने अपने लुक से सबका ध्यान खींच लिया. अदिति ग्रीन कलर के हाई स्लिट गाउन में दिखीं. एक्ट्रेस के इस लुक की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा हो रही है. अदिति ने लुक को और भी ग्रेसफुल और मॉडर्न बनाने के लिए गले में एक सिंपल चोकर पहना. एक्ट्रेस ने अपने लुक को मिनिमल मेकअप के साथ कंप्लीट किया. अदिति ने हेयरस्टाइल बनाने के बजाय बालों के खुला रखा. अदिति के इस लुक पर और इन अदाओं पर फैंस फिदा हो गए हैं. उन्होंने रेड कार्पेट पर जमकर पोज दिए. अदिति के इस लुक को देख फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं. एक फैन ने लिखा, कान्स में आपका लुक कई लोगों से ज्यादा चमक रहा है. आपकी ड्रेस मुझे सच में बहुत पसंद आई. बता दें, पहने दिन एक्ट्रेस कान्स में साड़ी पहन कर पहुंची थीं. इस दौरान उन्होंने अपने लुक से सारी लाइमलाइट लूट ली थी.

सरनेम से जज किया जाता है, आरजे महवश के दिल के बेहद करीब है सीरीज सतरंगी, 22 मई जी 5 पर होगी रिलीज

आरजे महवश अक्सर किसी ना किसी वजह से चर्चा में रहती हैं. पिछले कुछ समय तक तो वो भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ लिंकअप की वजह से सुर्खियों में रही हैं. हालांकि, बाद में दोनों के अलग होने की खबरें भी आ गई थीं. इन सब से परे अब वह अपनी अपकमिंग सीरीज की वजह से हेडलाइन्स में हैं. वह सीरीज सतरंगीरू बदले का खेल में नजर आने वाली हैं, जिसे लेकर उनका मानना है कि ये सीरीज जाति–आधारित भेदभाव जैसे गंभीर मुद्दों को उठाती है. चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा.

आरजे महवश ने बताया कि उन्होंने स्क्रिप्ट सुनते ही इसके लिए तुरंत हामी भर दी थी. महवश ने बताया, जब मैंने कहानी सुनी, तो मुझे लगा कि ये सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि एक सामाजिक मुद्दों संदेश पहुंचाने का जरिया भी है. उत्तर प्रदेश में पली–बढ़ी होने के नाते मैंने अपने आस–पास ऐसी सच्चाइयों को देखा और सुना था. उस दुनिया का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास मौका था. मेरे किरदार में भी कई इमोशनल रोल हैं और एक एक्टर के लिए, ऐसी कंपलेक्सिटी हमेशा एक्साइटिंग होती है.सीरीज के ट्रेलर से साफ पता चलता है कि इसकी कहानी बदले की नहीं, बल्कि पहचान और आत्म–सम्मान की लड़ाई भी है. एक्ट्रेस ने बताया, आज भी समाज में काफी लोगों को उनके टाइटल से जज किया जाता है. जाति आधारित हिंसा आज भी हमारे आसपास देखने को मिलती है. हम सीरीज के माध्यम से बस ये दिखाना चाहते थे कि इंसान का जिन बातों पर बस नहीं चलता, उनकी वजह कितने लोगों को परेशानियों से गुजरना पड़ता है. ये यकीनन पहचान और इंसाफ की लड़ाई है और मुझे उम्मीद है कि आखिर में समाज ये लड़ाई जीत जाएंगे.

महवश ने सीरीज में एक ऐसे प्रभावशाली और बाहुबली परिवार की गांव लड़की का किरदार निभाया है, जो अपने ही परिवार द्वारा किए जा रहे है अत्याचारों और जाति व्यवस्था के खिलाफ खड़ी होती है. अपने गांव किरदार को लेकर एक्ट्रेस का कहना है कि उनके लिए ये मुश्किल नहीं था. उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे ये मुश्किल नहीं लगा, क्योंकि मैंने दोनों तरह की जिंदगी जी है. अगर प्यार पैसा प्रॉफिट ने मेरे मुंबई वाले पहलू को दिखाया, तो सतरंगी मेरे अलीगढ़ के जड़ों को दिखाती है.एक्ट्रेस ने बताया कि यहां तक आना के लिए

उन्होंने अनगिनत ऑडिशन दिए और कई रिजेक्शन झेले हैं. उन्होंने कहा, इस मुकाम तक पहुंचना ही अपने आप में मुश्किल था, क्योंकि आपको मौके मिलने से पहले अनगिनत ऑडिशन और रिजेक्शन का सामना करना पड़ता है. आप रिजेक्शन से सीखते हैं और धीरे–धीरे अपनी कला को समझते हैं. डिजिटल कंटेंट के लिए एक्टिंग करना और जज्बाती तौर पर गहरे किरदार निभाना, ये दो अलग–अलग दुनिया नहीं हैं. अगर आपको सच में एक्टिंग करनी आती है, तो ये बदलाव अपने आप ही हो जाता है.

दूसरे दिन सूर्या की करुप्पु ने मारी छलांग, 50 करोड़ करोड़ का आंकड़ा किया पार

तमिल एक्शन ड्रामा फिल्म करुप्पु ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त शुरुआत की है. सूर्या–तृषा की अभिनीत फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के दूसरे दिन बेहतर कलेक्शन के साथ अपनी सिनेमाई दौड़ जारी रखी. आरजे बालाजी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 15 मई को दुनिया भर में रिलीज हुई और पहले दिन स्थिर शुरुआत के बाद, शनिवार को बॉक्स ऑफिस पर लंबी छलांग लगाई.रिलीज के पहले दिन फिल्म को कुछ छोटी–मोटी रुकावटों का सामना करना पड़ा था, जैसे कि फाइनेंशियल क्लियरेंस से जुड़ी दिक्कतों की वजह से आखिरी समय में हुई देरी और कुछ शो का रद्द होना. लेकिन फिल्म ने बहुत तेजी से वापसी की. इसके बाद, फिल्म की रफ्तार में अचानक ही तेजी आ गई. फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली.जब लोगों के बीच फिल्म की तारीफ पहुंची, तो सिनेमाघरों में दर्शकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी. करुप्पु अब न सिर्फ पूरे भारत में, बल्कि विदेशों के बाजारों में भी एक बड़ी कमर्शियल सफलता बनती नजर आ रही है. यह इस बात का साफ संकेत है कि दर्शकों द्वारा इस फिल्म को हर जगह कितना पसंद किया जा रहा है.

पॉजिटिव वर्ड ऑफ माउथ की वजह से फिल्म वीकेंड पर अच्छा ग्रो कर रही है. बात फिल्म के कलेक्शन की करें तो सैकनिल्क के मुताबिक, करुप्पु ने ओपनिंग डे पर भारत में 15. 50 करोड़ रुपये की शानदार नेट कमाई के साथ शुरुआत की.फिल्म ने भारत में 4,891 शो से 15.50 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था. इसके साथ ही, भारत में फिल्म का कुल ग्रॉस कलेक्शन 17.93 करोड़ रुपये रहा. विदेशों में, फिल्म ने कुल 11.00 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे इसका कुल वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन बढ़कर 28.93 करोड़ रुपये हो गया है.

सैकनिल्क के अनुसार, सूर्या की फिल्म ने दूसरे दिन भारत में 6,288 शो के जरिए लगभग 23.40 करोड़ रुपये की नेट कमाई की. इसके साथ ही, रिलीज

के दो दिनों के भीतर ही फिल्म का कुल इंडिया नेट कलेक्शन 38.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है. फिल्म का इंडिया ग्रॉस कलेक्शन फिलहाल 45.04 करोड़ है.फिल्म ने विदेशों में भी जबरदस्त प्रदर्शन जारी रखा. सैकनिल्क के अनुसार, करुप्पु ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगभग 10 करोड़ का ग्रॉस कलेक्शन किया, जिससे विदेशों में इसका कुल कलेक्शन अब तक 21 करोड़ तक पहुंच गया है. दूसरे दिन के अंत के बाद फिल्म का दुनिया भर में कुल ग्रॉस कलेक्शन लगभग 69.91 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है.

ड्रीम वॉरियर पिक्चर्स द्वारा निर्मित, करुप्पु में आरजे बालाजी, इंद्रन्स, नैटी सुब्रमण्यम, स्वासिका, शिवदा और सुप्रीत रेड्डी जैसे कलाकारों की एक बड़ी टीम है,

आखिरी सवाल के दूसरे दिन घटे शोज, संजय दत्त की फिल्म ने किया इतना बाक्स आफिस कलेक्शन

संजय दत्त की आखिरी सवाल को लेकर काफी बज देखने को मिला था. हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परफॉर्म नहीं कर रही है. फिल्म ने 2 दिन में सिर्फ 1.15 करोड़ की कही कमाई की है.

सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म के दूसरे दिन के शोज घट गए हैं. दूसरे दिन फिल्म को 1894 शोज मिले. हालांकि, पहले दिन के मुकाबले फिल्म की कमाई बढ़ गई है. फिल्म ने दूसरे दिन 75 लाख रुपये की कमाई की. फिल्म को 11 परसेंट की ऑक्यूपेंसी मिली.

बता दें कि फिल्म ने पहले दिन 40 लाख रुपये कमाए. पहले दिन फिल्म को 2035 शोज मिले. फिल्म को 8 परसेंट ऑक्यूपेंसी मिली.

फिल्म को टोटल 1.15 करोड़ का कलेक्शन हुआ है. ओवरसीज मार्केट में फिल्म ने 15 लाख की कमाई की. दुनियाभर में फिल्म ने 1.53 करोड़ की कमाई की थी. फिल्म को अभिजीत मोहन वारंग ने डायरेक्ट किया है. संजय दत्त खुद फिल्म के प्रोड्यूसर हैं. फिल्म का रनटाइम 2 घंटे 30 मिनट है. फिल्म में संजय दत्त के अलावा नमाशी चक्रवर्ती, अमित साध और समीरा रेड्डी जैसे स्टार्स हैं. फिल्म में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा, इतिहास पर बेस्ड है.

संजय दत्त के वर्कफ्रंट की बात करें तो 2026 में वो केडीरू द डेविल, राजा शिवाजी और राजा साब और धुरंधररू द रिवेंज जैसी फिल्मों में दिखें. धुरंधररू द रिवेंज ने तो बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया. फिल्म

ने दुनियाभर में 1800 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया. फिल्म में संजय दत्त चौधरी असलम के रोल में नजर आए. फिल्म को आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है. इस फिल्म में रणवीर सिंह भी नजर आए.

अब संजय दत्त बाप और खलनायक रिटर्न्स में दिखेंगे. खलनायक रिटर्न्स की संजय दत्त ने खुद अनाउंसमेंट की थी.

बेहद ग्लैमरस हैं मैं वापस आऊंगा एक्ट्रेस, शरवरी वाघ के इन लुक्स से नहीं हटा पाएंगे अपनी नजर

शरवरी वाघ इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म मैं वापस आऊंगाय को लेकर चर्चा में हैं। एक्ट्रेस एक्टिंग के साथ–साथ अपने ग्लैमरस लुक्स के लिए भी जानी जाती हैं. ऐसे में आइए देखते हैं उनके कुछ ग्लैमरस लुक्स, जो आपको दीवाना बना देंगे.शरवरी वाघ इम्तियाज अली की अपकमिंग फिल्म मैं वापस आऊंगा में नजर आने वाली हैं. फिल्म में वो दिलजीत दोसांझ के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी. दोनों को बड़े पर्दे पर साथ देखने के लिए फैंस बेताब हैं. फिल्म में शरवरी एक्टर संग रोमांस करती दिखेंगी. फिल्म में अपने दिलकश अंदाज से एक्ट्रेस दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार हैं. बता दें, शरवरी रियल लाइफ में भी अनपे ग्लैमरस अवतार से लोगों को घायल कर देती है. उनकी फोटोज सोशल मीडिया पर अक्सर वायरल होती रहती हैं. उनके स्टाइलिश और ग्लैमरस लुक्स इतने अट्रैक्टिव होते हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक–शील कुमार शुक्ला सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।